# HRA Filoupa The Gazette of India

. प्राधिकार से प्रकाशित

Ho 31

7.

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1987 (पौष 27, 1908)

No. 31

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1987 (PAUSA 27, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 [PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 1 दिसम्बर 1986 सं० ए० 32013/2/86-प्रशा०-1-संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारी वृंद) विनियमन 1958 के विनियम 7 के द्वारा उन्हें प्रदत्त शिक्तयों का प्रर्थांग करते हुए, आयोग के के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, उनके प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० के ग्रेड-1 में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं:--

ऋ० सं०	नाम	ग्रवधि
1	2	3
सर्वश्री		
- 1. बी०	एन० श्ररोडा	( 26-11-86 मे
		9-1-87(ग्रपराह्म)तक

1 2	3
2. बी० डी० शर्मा	26-11-86 से 9-1-87(ग्र <b>परा</b> ह्म) तक
3. डी० ग्रार० मदान	<b>वही-</b> -
4. धनीण चन्द्र	–वहो−
5. एस० डी० शर्मा	<b>-दू</b> री
6. पी० डी० श्रीवा <del>स्</del> त	त्व -वही

#### विनांक 11 विसम्बर 1986

सं० ए० 32013/2/86-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, सं० लो० से० आ० (कर्मचारी वृद) विनियमावली 1958 के नियम 7 के द्वारा उन्हें प्रवक्त शिव्यों का प्रयोग करते हुए, श्रायोग के के० स० से० सम्वर्ग के स्थायी प्रनुभाग अधिकारी श्री एन० नामा सिवायम की दिनांक 11-12-86 से 10-3-87 तक या श्रागामी आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो, अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

1-416 GI/86

सं० ए० 32014/1/86 (I) प्रशा० राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठवैयतिक सहायकों (के० स० ग्रा० में वा का ग्रेड "ख") को उनके प्रत्येक के नाम के ममक दर्शाई गई श्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी संवर्ग में तदर्थ ग्राधार पर निजी सचिव (के० स० ग्रा० से० का ग्रेड "क") के पद पर नियुक्त करते हैं:-

क्र० सं० ′ नाम	ा धि
मर्वैश्री	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1. तरसेम मिह	4-12-86 से 28-2-87 तक
2. के० एस० भृटानी	–वही- <del>-</del>
<ol> <li>पी० पी० सिक्का</li> </ol>	-बही
4. एम० एम० एल० चादना	वही
5. एम० एम० एल० <b>दु</b> भा	−व <u>ही</u>

उपर्युक्त व्यक्ति क्रुपया नोट कर लें कि निजी सचिष (के० स० भा० से० का ग्रेड ''क'') के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ है तथा उन्हें के० स० भ्रा० से० के ग्रेड ''क'' में विलयन या इसमें विरुद्धता का कोई हक प्राप्त नहीं होगा। वे यह भी नोट कर लें कि इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के श्रनुमोदन के श्रध्याधीन है।

> एम० पी० जैन भ्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा भ्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली 110003, दिनांक दिसम्बर, 1986

सं०-3/26/86-प्रशा०-5--राष्ट्रपति श्री सतीण साहनी भा० पु० से (महाराष्ट्र: 1963) को दिनांक 18 दिमम्बर, 1986 पूर्वाह्न संग्राले आदेश होने तक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुनिस के श्राधार पर पुलिस उपमहानिशिक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> धर्मपाल भल्ला प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

गृह मंद्रालय

महानिदेशालय, कें० रि० पु० बल

नई दिल्ली 110003, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986 सं० डी--1--13/86-प्रशा०-3----सं० स० नि० (लेखा) लेखा-परीक्षा भ्रधिकारी के पद पर के० रि० पु०बल में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्ति के फलस्वरूप निम्न-लिखित ग्रींधकारियों को श्रांति के लेखा—परीक्षा दल में लेखा परीक्षा ग्रिंधकारी के रूप में उनके नाम के सामने लिखे स्थान/दल पर लेखा—परीक्षक तैनात किया जाता है और उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारीखों से ग्रस्थाई रूप में पद भार पर श्रगले ग्रादेश होने तक ले लिया गया:——

अरु सं० श्रधिकारी का नाम तैनाती कार्यभार की तारीख 1. श्री एस० के० मोहयूदिन लेखा-परीक्षा (दक्षिणक्षेत्र)का० 27-10-86 पू० महानिरीक्षक सैक्टर-1, के० रि० पु०बल हैदराबाद 2. श्री ज्योतिर्मय गप्त लेखा-परीक्षा 6-11-86 (पूर्वीक्षेत्र) का० पू० महानिरीक्षक सैक्टर-2, के० रि० प्० बल कलकत्ता

> ह ० ग्रपठनीय उप निदेशक (प्र0)

नई विल्ली 110003, दिनांक 22 दिसम्बर, 86

सं० ओ०-चो०-214/69-स्थापना-1--श्री सुन्दर सिंह्र् सहायक कमां छैन्ट (से केन्ड-ईन-कमान्ड) 5वीं बटा० के० रि० पुलिस बल का देहान्त दिनांक 3-10-86 (पूर्वाह्न) को हो गया है। उन्हें दिनांक 3-10-1986 (ग्रपराह्न) से इस फोर्स की गणना से हटा दिया गया है।

सं० नं० ओ० दो-538/69स्था०--श्री०एम के० टी० गर्ग कमान्छेंट 86 बटालियन के० रि० पु० बल ने सरकारी सेवा सेस्वेछा निवृत होने केफलस्वरूप दिनांक 30-11-8 र् (श्रपराह्म) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० डी०-1/29/85-स्थापना-1--पंजाब पुलिस से रिपैट्रिएशन होने के फल स्वरूप श्री डी० के० खुराना, सहायक कमान्बेट ने पदोन्नति पर कमाडेन्ट पद का कार्यभार के० रि० पु० बल दिल्ली में दिनांक 13-10-1986(पूर्वाह्म) को संभाल लिया और 40 दिन की एल० के० डी० पर प्रस्थान कर गये।

श्रगोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना) भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली 110002, दिनांक 24 दिसम्बर,1986

सं० 31-वा० ले० प० 1/98-69-- निदेशक लेखा-परीक्षक (खाद्य) नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री गुरदयाल सिंह लेखापरीक्षा श्रधिकारी (बा०) श्रपनी श्रधिवर्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनोक 30-11-86 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> डी० एन० ग्रानन्द महायक नियंत्र क-महालेखा परीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी (म॰ प्र०)

ग्वालियर, दिनांक 16 दिसम्बर 1986 सं प्रशासन एक/पी० एफ० एस० आर० में/283—— श्री एस० श्रार० कान्हे (01/173) स्थाई लेखा श्रधिकारी जो कार्यालय महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी द्वितीय म० प्रदेश ग्वालियर कार्यरत हैं, श्रपनी अधिवार्षिकी वय के कारण 31-12-1986 को श्रपराह्म केन्द्रीय सेवा से निवृत्त होंगे।

(प्राधिकार-महालेखाकार) लेखा एव हकदारी (प्रथम के भ्रावेश विनांक 15-12-86)

निरंजन पंत वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# श्रम एवं पुजर्वास मंत्रालय श्रम विभाग (श्रम ब्यूरों)

शिमला-171004, दिनांक 2 जनवरी 1987

संख्या 5/1/86 सी. पी. आई. — त्यम्बर, 186 में औद्योगिक धरिनों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मून्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अक्तूबर, 1986 के स्तर 685 से सात अंक बढ़ कर 692 (छ: सी बानवें) रहा। नवम्बर, 1986 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 841 (आठ सी इकतालीस) आता है।

विजय कमार उप निदंशक श्रम ब्युरो

#### श्रम मंत्रालय

कारवाना सलाहं सेवा र्यं।र श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-दिनांक 24 दिसम्बर, 1986

सं० 15-12/86-स्थापना--डी० जी० फ़सली बम्बई ेक विभागाध्यक्ष श्री एस० के० चटर्जी सहायक, श्रम संवालय नई विल्ली को इस महानिदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय में क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, कानपुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 12-12-86 (पूर्वाह्न) से 3 वर्ष के लिए डेपुटेशन पर नियुक्त करते हैं।

के० ए० नारायनन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर, 1986 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण

#### स्थापना

स 6/1033/74-प्रणा० (रिजि०) 5966-मुख्य नियन्त्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय के श्री एल०
के० बल्ला, सहायक मुख्य नियन्त्रक, भ्रायात-निर्यात (केन्द्रीय
व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 7 नवम्बर, 1986 की पूर्वाल्ल भ्रगल भ्रादेश होने तक उप मुख्य नियन्त्रक, भ्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1039/74-प्रशा० (राज०) 5974---राष्ट्रपति, आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन में श्री एम० एम० डे, सहायक मुख्य नियंत्रण, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 6 नवम्बर, 1986 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2) (उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात तथा निर्यात) के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चंद . उप मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

#### वस्व मंद्रालय

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्ब 20, दिनांक 24 विसम्बन 1986

स० 2(89)/स्था०-1/83/5484---बस्त्र श्रायुक्त, बम्बई का ग्रधीनस्थ कार्यालय ग्राक्तिवालित कर्घा सेवा केन्द्र, गया के श्री एस० के० चंडोक, जो तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक श्रेणी-2 (पी० एवं डी०) के रूप में स्थानापन्न थे, विनांक 11-9-1986 के पूर्वाह्म को स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

वीरेन्द्री बी० वर्मा. संयुक्त वस्त्र ग्रायुक्त

# पूर्ति तथा निपटांन महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग प्र०-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

सं० ए-31014/1/85/प्र-6--महानिदेशक पुर्ति तथा निपटान निम्नलिखित सहायक निरीक्षण प्रधिकारियों (प्रभियांतिकी) को एतद्दारा सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभियांतिकी) के स्थायी पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:--

<b>ऋ</b> ० भ्रधिकारीकानाम	स्थायीकरण की			
सं ०	तारीख			
सर्वश्री				
1. ओ० एन० लशकारी	1-2-1983			
2. एम० माधवराय	1-2-1983			
3. जसवंत सिंह	1-9-1983			
<ol> <li>मार० एस० मिनहास</li> </ol>	1-10-1983			
5. <b>बी</b> ०के० <b>प्रा</b> र्य	7-5-1985			
6. श्रार० के० दास गुप्सा	7-5-1985			
7. पी० एन० फाग्रे	7-5-1985			
<ol><li>ए० एम० प्रांजपे</li></ol>	7-5-1985			
9. वी० नन्दन	7-5-1985			
10. के० एन० नागराज	7-5-1985			
11. टी० ग्रार० घोष	7-5-1986			
12. एस० सी० गर्ग	7-5-1985			
13. एस० के० जैन	1-9-1985			
14. एन० एस० नटगजन	1-9-1985			
15. एस० के० मुखर्जी	1-11-1985			
16. ए० के० कुट्टन	1-1-1986			
17. के० प्रार० नागयनन	1-2-1986			
18. बी० एम० सरण	1-6-1986			
19. डी० बंधोपाध्याय	1-6-1986			
20. सी० पी० श्रीवास्तव	1-6-1986			
21. एस० के० पंडित	1-8-1986			
22. जी० एच० मंडल	1-9-1986			
23. भार० के० मल्होत्रा	1-11-1986			

भार० पी० शाही उप-निदेशक (प्रशासन) क्रुते महानिदेशक पृति तथा निपटान

# इस्पात एवं खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता 70 00 16, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

सं० 8507 बी/ए-32013(प्रशा० श्रधि०)/78-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षक श्री डी० बी० भसीन को प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 र० के वेतनमान पर भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण पश्चिम क्षेत्र, जयपुर के प्रशासनिक ग्रिधकारी श्री
ए० वी० पी० राव के अवकाश रिक्ति में 10-11-1986
में 12-12-86 तक की अविध के लिए 10-11-86 के
पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया गया है।

श्रमित कुसारी निदेशक (कार्मिक) कृते महानिदेशक

## कलकत्ता, दिनांक 11 विसम्बर, 1986

सं० 8517बी/19011 (3-एम०, एल० के०)/80-19बीभारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण के उसायनज्ञ (किनिष्ट) श्री एम०
एल० कुंभारे ने भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण से 26-9-1986
के पूर्वाह्म से ग्रपना पदभार छोड़ दिया है ताकि वे पौधा
संरक्षण, संगरोध्र एवं भंडारण निदेशालय, कृषि एवं सहकारिता
विभाग, नई दिल्ली, में निदेशक (क्षेत्रीय प्रयोगशाला) के
रूप में पद ग्रहण कर सर्वे।

श्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1986

मं ए-19011(95)86-स्था० ए--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिणों पर श्री बाबू जार्ज, वरिष्ट खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरों को स्थानापन्न रूप में दिनाक 8-11-1986 के पूर्वाह्म से क्षेत्रीय खनन भू-विज्ञानी के पद पर भारतीय खान ब्यूरों में पदोन्नित प्रदान की गई ।

#### विनांक 24 दिसम्बर, 1986

सं० ए-19011(195)86-स्था० ए--विभागीय पदोन्नति समिति कि सिफारिण पर श्री एस० ग्रार० भंसारे वरिष्ठ रसायन-विद को भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन रूप में दिनांक 18-12-1986 के ग्रपशास्त्र से श्रिधिक रसायनविद के पद पर जिसका वेतन रुपये 1500-60-1800-100-2000/- है, पदोन्नति प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन भ्रधिकारी कृते महानियन्त्रक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर, 1986

मं० ए० 38012/3/86-प्रशासन-1---सेवा निवृत की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के डा० महेन्द्र व

सिंह, निदेशक (केन्द्रीय स्वास्थ्य श्रासूचना ब्यूरो) 31 श्रक्तूबर, 1986 के श्रपराह्म से सेवा से सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय (ग्रीमीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

स० ए०-19027/1/85-प्र०-III--योजना तथा वास्तुकला विद्यालय में प्रवक्ता के रूप में अपनी नियुक्ति हो जाने पर विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में सहायक नियोजक आं एस० के० मेहरा द्वारा प्रस्तुत त्याग पत्र 17 नवम्बर, 1986 (अपराह्म) से स्वीकार कण लिया गया है। श्री मेहरा अपने त्यागपत्र की स्वीकृति की तारीख से विणपन एवं निरीक्षण निदेशालय की सेवा में नहीं हैं।

भ्रतीता चौधरी कृषि विषणन सलाहका

ग्रस्तरिक्ष जिसाग शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा, दिनांक 24 नवम्बर, 1986

सं० एस० सी० एफ/पी० जी० ए०/स्थापना II/15— नियन्त्रक शार केन्द्र एतद्द्वारा श्री एन० पेचलट्या को सहायक नेखाधिकारी के रूप में, पदोन्नित द्वारा वेतनमान रुपये 2000-60-2300-द०रो०-75-3200/ में, णार केन्द्र श्री-हरिकोटा में, स्थानापन्न क्षमता के रूप में दिनांक 29-9-1986 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करने हैं।

> पी० एम० मायर प्रधान कार्मिक और सामान्य प्रणासन प्रभाग कृते नियन्त्रक

परिवहन मंत्रालय जलभूतल परिवहन विभाग मूबई, दिनांक 8 दिसम्बर, 1986

सं० II—टी० ग्रार० (6)/76—-राष्ट्रपति समुद्री इंजीनियरी कलकत्ता निदेशालय प्रशिक्षण, के श्री प्रवीर योष, इंजिनियर प्रधिकारी का त्याग पत्र दिनांक 3-11-86 (प्रपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

एन० के० प्रसाद नौबहुन उपमहानिदेशक उद्योग मंत्रालय
कम्पनी के कार्य विभाग
कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी श्रिधिनियम 1956 के मामले
में एवं सैसर्स सवेरा मार्केटिंग कम्पनी
श्रुहिवेट लिमिटेड के विषय में।
ग्वालिय विनांक 18 दिसम्बर, 1986

सं० 2182 पी० एस० (सी० पी०) 285—कम्पनी
प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के
प्रन्तर्गत एनद्र द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना
के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मेससे
सबेरा मार्केटिंग कम्पनी प्रायत्रेट लिमिटेड भोपाल का नाम,
यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार
से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।
एस० करमाकर
कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और विकाश राय प्रोडक्शन प्राइबेट लिमिटोड के विषय में । -

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

सं. 22786/560(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर विकाश रायं प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसकें प्रिनिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर वी जायेगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और अनुशिलन एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनाक 22 दिसम्बर 1986

मं० 19826/560/(3)/कलकत्ता—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अनुशिलन एजेंन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर झक्कन केमिकल्स प्राइवेट लिभिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

सं० 32099/560/(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह मूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाल पर सक्कन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

7

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 भ्रौर कलकत्ता । कुरियार सर्थिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

सं० 31771/560/(3)—श्रम्भनी श्रधिनियम, 1956 की धार। 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इसतारीख से तीन मृस के श्रवसान पर कलकत्ता कुरियार साभिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रातिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

# कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर हिन्दुस्तान ड्राम मैनुफैक्चरर्स प्राइवेट लि।मटिड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

सं० 24605/560/(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह भूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर हिन्दुस्तान ड्राम मैंगुफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिक्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

# कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर पुथि घर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकरता, दिनांक 22 दिसबर 1986 सं॰ 26869/560/(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद-द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख सें तीन मास के

भ्रांता यह भूषना दा जाता हाक इस ताराख से तान मास क भ्रवसान पर पृथिघर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिकात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और डा० पी० के० महन्ती इंजीनियर्स के विषय में कलकत्ता, दिनौंक 22 दिसम्बर 1986

सं० 27974/560(3)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसररण में एतद्— द्वारा यह मूजना वी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर डा० पी० के० महन्ति इंजीनियर्स प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर माईका एन्सुलेशन इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बंर, 1986

सं० 24969/560(3)——कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह भ्चना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर माईका इन्सुलंगन इडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया ाया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर श्रागाई प्रायवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनाह 22 दिसम्बर, 1986

सं० 29185/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन माह के श्रवसान पर ग्रागाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न गिया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 भ्रौर के० दास एन्ड क० प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर, 1986

सं ० 21615/560(3)-- कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा ग्रनुसरण (3)में एतद् ढ़ारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माह के श्रवसान पर कें० दास एंड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण य शित किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी

> कम्पनी अधिनियम 1956 और रंजन माईका इंडस्ट्रीज प्रायंवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता दिनांक 22 दिसम्बर, 1986

सं० 30387/560(3)—कम्पनी प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर रंजन माईका इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी ।

> कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर शिव गीरव प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर, 1986

मं० 28983/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती सें है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर शिव गौरव प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघतित कर दी जाएगी।

> जी सी० गुप्त कम्पनियों का घ्रः रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

प्ररूप आई. टी.एन.एस ::-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जनरेंजं, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 25 नवम्बर, 19886

निदेश सं० सी० श्रार० -62/50110/ 86-87~~ श्रतः मुझे, धाई० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्वाकर सम्पत्ति, जिसका उणित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 72/1-6 है तथा जो किन्नग्याम रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-5-1986

प्रतिकत सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के सम्पनान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत से गईह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया गतिकस निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्य जंतरण बिखित में शस्तिक स्प से कीमत नदीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनबम के बधीन कर देने जे बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया बाना चाहिए वा, क्रियाने में स्विधा स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नीतिकत व्यक्तियाँ, बचाँत :—

- (1) श्री राम गौन्दरराजन, नं. 2, बन्टन रोड, बेंगल्र-560025
- (2) श्री एम. एस. शिवानन्वा, नं. 2, ब्रन्टन रोड, बेंगलरे
- (3) श्री वि. नागराज, नं. 13/3, पामगीव रोड, आस्टिन टर्नि, बेंग्लूर-560047
- (4) श्री एस. अशोककामार, नं. 13/3, पामग्रीव रोड, आस्टिन टान, बॉमल्र-560047
- (5) श्री एम. एस. मन्जनाता, नं. 2. बूल्टन रोड, बेंगलूर-560025
- (6) श्री एम. एस. विजयक्पार अलियास एम. एस. विजया, नं. 2, ब्रन्टन रोड, बोंगलर
- (7) श्री ओर. नागराज, नं. 101. ओल्ड मद्रास रोड, अल्सर, बेगल्र-560008

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्कॅलैंन ऐटरप्रसस यूनिट-।।, । फ्लोर, सैंट-पयाद्रिक्स बिजिनेस कम्पलेक्स, म्यूनिसपल रोड, बंगलूर-560025।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करणा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति यो में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश हे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी बन्च व्यक्ति स्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिवा गण हैं!

### अनुस्ची

(वस्तातेज सं० 525 तारीख 27-6-1986)।

सब सम्पत्ति, जिसमें एक बिल्डिंग मेसरिंग 10,570 स्क्य॰ फट, ग्रीर कम्पोसिट सेंट पुराना नं॰ 2, (नया नं॰ 72) कन्निग्याम रोड में है श्रीर श्रव जिसका नं॰ 72/1-6, कन्निग्याम रोड, (डेस्निटेट संपिगराम स्वामि टेंपल स्ट्रीट) कारपोरेशन डिवीजन नं॰ 44, बंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-11-1986

बुक्त बार्ब । तो । युन् । स्थ . - - - -

# व्यागान्तर गरिश्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-म (1) के विभीन सुप्रका

#### भारत तरकार

#### कार्यातय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1986

निर्देश सं० अर्द-3/37जी/2799/83-84---श्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

बामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात उत्तत मिनियम कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मुख्य 1,00,000/~ रु. से मिधक हैं

भौर जिसकी सं ० प्लॉट नं ० 294(पी), सब अन्बन स्कीम नं ० 3 एस० नं ० 1594(पी), 5941/1, 2 भौर एक्स, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्णरूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख

29-4-1986

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिषक निम्मीनीकत उद्देश्य से बच्च कन्तरण कि किए ते पाया गया वित्रक निम्मीनीकत उद्देश्य से बच्च कन्तरण कि किए तथ पाया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (ख) एसं किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को रिल्हें भारतीय आसकर आधानयम, 1922 (1922 को 11) मा उन्त किनिस्म, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती ब्याध प्रकट नहीं किया नया था या नियम बाना लाहिए था, कियाने में सुनिधा है रिल्हें

अतः अब उसस जीभीन्यमं की भारा 269-ए की अनुसरण मां, मीं, उसस स्थितियमं की भारा 269-यं की उपभारा (1) वे अभीन, निम्मानिक स्थानिस्थी, स्थानि क्--- (1) श्री बलयन्द एच० मनस्खानी।

(भ्रन्तरक)

 $r_i$ 

(2) चेंब्र ब्ल्यू डायमण्ड ध्यू को०-आप० हाउसिंग मोसाइटी लि०।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी कड़के नुवाँकरा नज्यारा को धन्न के हैं तक कार्यवाहिया कड़वा हुं।

उपल सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में करेड़े भी बाखेप :----

- (क) इस ब्या के रायपण में प्रकार की रारीय ह 45 दिन की अनिधि या स्त्यम्बन्धी व्यक्तियाँ का सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त का किन्याँ में में गिर्सी व्यक्तित व्यास्त;
- (क) इस स्वना के राष्पण में प्रकाशन की सारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवप्स किसी जन्य स्थावत बुवारा कमोहस्ताकरी के पास निस्ति में किए जा सकोगें।

रमक्कीकरण :---इंसमा प्रयुक्त अब्दों और पर्यो का, जो उकर विभिनियम के अध्याद 20 कि मी परिभाषिते ही, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में तिका गया ही।

#### अनुस्ची

प्लॉट नं० 294 (पी) सब ग्ररबन स्कीम नं० 3, चेंबूर सिटी एस नं० 1594 (पी), 1594/1 श्रौर 2, चेंबूर, वस्बई।

श्रनसूची जसा कि विलेख सं० एस-833 श्रौर जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-12-1986

الما المادات بياران والمساول والمساول المساول المساول المساول والمساول والمساول والمساول والمساول والمساول والمساول त्रस्थः नार्दः टी. एम. एतः ------

याथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) पारा 269-म (1) के क्यीन स्चना

#### ALCO SERVE

# कार्यालय , सहायक **बावकर बाय्क्त (निरीक्षण)**

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

निदेश सं० अर्ध-4/37ईई/27617/84-85-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ः इसके पद्यमात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के बंधीन सदाम प्राधिकारी को यह निष्यास कारने का कारण हुं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,(00/- रु. में अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 53-डी, गर्वनमेंट इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांदीवली, (प), बम्बई व उस पर बनी इमारत में स्थित है. (श्रं।र इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विशित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-4-1986

का पूर्वितन सम्योत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यवमान प्रतिफूल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्राहप्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अत-**रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के** लिए तय याया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्दोश्य में उक्त अंतरण जिल्लित पो त्रस्ताव व भाग में किशा नहीं किया नया है छ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत: उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आरिखयो को जिन्हें भारतीय अयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर नीपनियम, 1957 (1957 का 27) औ पर्याजनार्थं जन्तरितौ इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना फाहिए था, छिपाने में सविधा अप निष्ः

 वत: वब उक्त विधानयम की भारा 269-ग वो वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 769-म की उपधारा (1) ले मधीत जिल्लामा व्यक्तिको , सर्वात 🚐 2-416 GI/86

(1) निर्मल प्लास्टिक इंडस्ट्रिज ।

(श्रन्तरक)

(2) द सुप्रीम इंडस्ट्रिज लि०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्द्र भी काक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की ज्वीभ या तत्सम्बर्भी व्यक्तियों सूचना की तामीस से 30 दिन की बदिभा, धों भी वनिषु नाव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (बा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राव मं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यन्ति में छितनद्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत निधिनियम को नध्याय 20-क, में परिभाविध है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विका नवा है हैं।

प्लाट नं ० 53-डी, जो गर्वनमेंट इंडम्ट्रियल इस्टेट, कांदीबसी (प), बम्बई में स्थित है व उस पर बनी इमारत में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि बम्बई सं०ग्नई-4/37ईई/27617/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-4 1986 क रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख: 10-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/27625/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० पलैट नं० ए-701 ग्रीर ए-702, शांता ग्रपार्ट-मेंट, प्लाट नं० 369, एल० पी० रोड कांबीबली (प), बम्बई 400067 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रमुस्ची में पूर्णस्य से विणित है), ग्रीर जिसका करारदामा श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-4-1986

को पूर्वेत्रित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ण
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ , माँ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) कों अधीन , निम्नतिस्ति व्यक्तियों , अधीन :—

(i) मेसस<sup>-</sup>स्भ्रत खिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स यश ट्रेडिंग एण्ड फाईनेन्स लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

पलैट नं॰ ए-701 स्रोर 702-ए, शांता स्रपार्ट मेंट, प्लाट नं 369 एस॰ बी॰ रोड, कांदीवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

स्रनुसूची जैंसा कि कि० सं० स्रई-4/37ईई/27625/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-12-1986

प्ररूप आर्षे.दी.एन.एस.-----

- आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजंन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

निर्वेश सं० भ्र $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{3}$  7ईई $\left|\frac{1}{2}$ 7539 $\left|\frac{1}{8}\right|$ - $\frac{1}{8}$ - $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{3}$ - $\frac{1}$ 

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- स. से अधिक है

3

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा बिलेज एकसर, एस न० 225, एच० नं० 16, 3, 15, 9 योगीनगर, बोरीवली, तालूका बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रीन बम्बई ल्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1~4~1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय कें सांवत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री यू० एच० गांधी

(अन्सरिती)

का यह मूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकोहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बर्प किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गण परिमा-है, यही अर्थ होगा जो उस्स अध्याय मा दिया गया है।

#### अनलकी

जमीन का हिस्सा जो विलेज एकसर, एस० नं० 225, 16, 3, 15, 9, बोरीवली तालुका, बम्बई में स्थित है।

मैं भ्रनुसूची जैसाकी कि० सं० 4/37ईई/27539/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्षमण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) े भ्रजन रेंज~4, बम्बई

दिनांक: 10-12-1986

# प्रकृष आहें .दी . एन .पास . ------

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूचना भारत शुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) -प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-4/37ईई/27648/85-86—ग्रतः मक्षे लक्षमण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आबार मृत्य !,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बंगला नं० 1, बेनहर सुनिता पार्क, चंदा वरकर लेन, बोरीवली (प), बम्बई 400092 (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है

और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयं में रजिस्ट्री है तारीख

1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमाण शितफल के सिए अन्तिरत की गई है और कृष्णे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के एन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित मही किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य अम्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

जत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण भें, मैं सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीन, निग्नि**कित स्थक्तियों, अधित** क्र— (1) मेमर्स के० पी० डेव्हलपर्म

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्प श्राप्ति एल मेटन काप्पे(एशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रूं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राह में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बच्च किसी बन्य स्पन्ति द्वारा अधाहरताक्ष्यी के शस चिकित में किए वा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **मनुस्**ची

वंगला नं० 1, जो तल मंजिल बेनहर सुनिता पार्क, चंदाबरकर, लेन बोरीवली (प), बंबई 400092 में स्थित हैं श्रनुसूची जैंसा की ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/27648/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टंई किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 10-12-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस. .....

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सूचता

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आध्वत (निराक्षण) श्रर्जन रेज--4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1986

निर्देश मं० भ्रई-4/37ईई/27649/84-85-- यतः मझ, लक्षमणदास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त किपिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 /- का से स्थिक है

और जिसकी संव अगली नंव 3 बेन हर, सुनिना पार्क, चंदावरकर वरकर लेन, बोरीवली (प), बम्बई-400092 (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, खु के श्रिधीन तारीख 1--4-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओ यह विषयास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रति-फल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथित नहीं किया गया है: ---

- (क) जन्तरण ते हुई फिली बाय की बाबत, उधर अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाय रा किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के सिए:

Ì,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स के० पी० डेवहलपर्स

(भन्तरक)

(2) मेससं ग्रार० एल० मेटल कार्पोरेशन (ग्रन्तरिती)

की मह सुचना चारी करकें प्रतिकत तम्पित में अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बस्प व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाभूगी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त मिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ स्पेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

बंगला नं० 3 जो तल मंजिल बेनहर सुनिता पार्क चंदावरकर लेन, बोरीवली (प), बम्बई 400092 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37ईई/27649/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> लक्षमणदास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज -4, बम्बई

दिनांक: 10~12~1986

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

भागांतय, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर, 1986

निर्दोश सं० अई--4/37ईई/27478/85--86-- यतः मुक्ते, लक्षमणदास

आसकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावन संगीत्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव बंगला नंव 5, डीवायन बंगलोज कोव ग्रापिक हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, मंडपेण्वर रोड, बोरीवली (प), बम्बई 400013 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रिधीन तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा मूल्य, उसकी बद्धमान प्रतिफल से, एसे बद्धमान प्रतिफल का पंचह प्रतिखत से अधिक है और अंतर्की अर्थर क्षेत्र कारिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पाया गया प्रतिकस, निम्निल्चित उच्चेष्ट से उक्त अंतरण तिविद्ध में बास्तीवक रूप से किम्ब गृहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हुन्द किसी जाय की याजत, उपर जीधनियस के संभीन कर धने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के विश्वार करिया
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बारिसयां. की; जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कधीन, निम्मीनिषत व्यक्तियों, अधीत ह— (1) एम० के० टंडन

(भ्रन्तरक)

(2) एस० टी० सचनंदानी

(भ्रन्तरिती)

भा गृह स्थान जारी कारके पृथीयत नगास्ति के अकः के निग् कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध** मा बाही जा जाला -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजन की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती है, के भीतर पृत्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शास शिक्षित में किए का सर्वोत्ते.

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नम्स्यी

बंगला नं० 5, जो डीबायान बंगलो को० श्राप० हाउभिग सोसायटी लिमिटेड, मंडपेश्वर रोड, बोरीबली (प) बम्बई 400103 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि कि से प्रई-4/37ईई/27478/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायका (निरिटण) ग्रर्जन २ज~, बम्बई

दिनांक: 10-12-1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बईद्रदिनांक 12 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/27553/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्वात् उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसाला उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० 1237, एस० नं० 59, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), व उस पर बनी इसायत, दहीसर (पूर्व), बोरीवली तालुका, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 श्रिप्रेल; 1986

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एए स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्विक रूप से किथत गर्वी किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस किसिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसमें यचने में स्मिश्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:
- कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अन्यक्त मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के ग्राप्ति, जिस्तियिक व्यक्तित्यों, अर्थात् :----

(1) श्री गुरुदास सवाजी देसाई और श्रन्थ ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स चेतन कन्स्ट्रक्शन को०।

ं (**भ्र**न्तरिती)

का यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्यवाहिया करता हो।

उवत भएति के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित्र द्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिभिन में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### समसी

जमीन का हिस्सा जिसकी मी० टी० एस० नं० 1237, सर्वे नं० 59, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), व उस पर बनी इसारत दिहसर (पूर्व), बोरीवली नालुका, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-4/37 ईई०/27553/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, थम्बई

तारीख: 12-12-1986

# प्रकर बाही, द्रौ. एवं. एस. = = = ====

# बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीत ब्यूचना

#### शारुत चडुकार

# कार्यालय, सहायक वायकर नायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

निदेश सं० प्राई०-4/37 ईई०/27616/85-86—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 2, रेबन्यू सर्वे नं 161, हिस्सा न 2 (पार्ट), सी टी ० एस० नं 2796, बिलेज एकसर, बोरीवली (प०), बम्बई—400092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुक्त में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 श्रप्रैल, 1986

को पूर्वेकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह जिल्लास करने का कारण है कि. यथनपूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुद्धं फिली काय की वाबत, उक्क विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; वीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जामा चाहिए था, क्यांने हैं सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

् (1) श्रीमती सेवेस्टीना परेराऔर श्री मीनिना एम० रोड्रिक्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गिचबर्ट लारेंस सीक्वेरा।

(भ्रन्तिशती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### इ.क्स बच्चीत के बर्चन के संबंध में कोई भी नामच 🌫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्**न्री**

्लाट नं० 2, जो रेबेन्यू सर्वे नं० 161, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), सी० टी० एस० सर्वे नं० 2796, विलेज एकसर बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/27616/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्रायधकारी महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिभिन्त, 196१(1861 का 48) धी वारा 263 प (1) के अधीर मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयाका कार्यका (निरीक्षण) कार्यन रिल्लाक अर्थकता

कलकसा, दिनांना । दिनग्रः । 1986

निदेश सं० 210*६/एम*ि० िय--अ/जनकता/86--87----- ग्रय: मुझे, श्राई० के० गावेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परनात् 'जात अधिकार' उन्हा चया हो), जी धारा 269-ख की अधीर सक्षम महिष्टारी को एक जिस्सास भागे का कारण है कि स्थानर सम्भित, जिसका अधिकार मानव 1,00,000//- का व' जिला है

और जिसकी सं० 7 सी है नहां हो कि न हमक त्याय रोड, कलकत्ता में स्थित है (होत इस उपायत सनुमुखी में और पूर्ण रूप से विधान है), हा विस्तृतिकार्ध अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में विस्तृतिक या शिवियम, 1908 (1908 का 16) के अजीव नार्यात 10 अप्रैल, 1983

को पूर्वांकित सम्मस्ति को उधित बाजार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल की लिए लटारिय की गई है और स्थी यह निश्वास करने का कारण ही कि व्याप्योंकिए तपिका का उधित बाजार मृत्य, उसके उदाव र रिक्शा में एसे उपयान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और सम्मण्ड (अवस्था) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच को एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूयिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भाँ, मौँ, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन की निम्ना निम्ना व्यक्तियों, अर्थातः :—— 3-416 GI/86 (1) गंव नामगतिया पौमिली हुस्य ।

(जन्तरक)

(2) ये॰ वंतीया दिना प्रत्यकेष विकित्य ।

(भन्ति ग्नी)

को तह मूच्या जारी करके पूर्वका सम्पत्ति के अर्जन के लिए गार्थविहरों करका हो ।

रुपत सुनि । वे नुर्वत के सावता से कांग्रेट भी आशीष :---

- (क) राव प्राप्ता की प्राप्ता को असमान की ला**रीन से**बहु विकास की किए का असमानकी व्यक्तियों पर
  प्राप्त की लाजिया है 30 का की व्यक्तिया, **जो भी**अस्ति पाद की रावक्ति है। का का को भीवर पूर्वेक्ति
  स्थितिकों को सो निक्ती स्कृतिक स्थापा;
- (स) हास मृत्यस्य है। पार्ता भी प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर तका महण्य सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अप करिया व्यक्ति। अविश्वाधिकी की पाम किस्मा हो विश्वास स्वर्णे।

गण्डलीरारण'—-रवबो प्यवतः गव्यो और एवो का, जो उनस अधिनिधम की बध्यत्य 20-क सो परिभाषित हैं, दुने अर्थ होगा को लाम ाध्यास मां दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस खेस नम्बर 2 सी और 2 डी 2390 वर्ग फुट । प्रिमिसेय नम्बर 7 सी किरन संकर राय रोड, कलकत्ता ।

> श्राई० कें० गायेन \* सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, करकत्ता

तारीख : 9-12-1986

प्रकृष बार्च , टी , एन , एस , ------

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के शाीन सुवता

#### भारत बहकाड

# कार्यासय, सहायक जायकर वाय्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 2405/एक्बी० रेंज-3/कलकत्ता/86-87--श्रत: मुझे, श्राई० के० गायेन

नायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित बाधार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 119 बी है तथा जो मतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अप्रैल, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दश्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि सक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सूस्य, उसके डक्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिवात से विभिन्न हाँ बार बन्तरक (अन्तरकाँ) बार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्र-सिचित उन्देश्य से उक्त मंतरण जिल्लित में बास्तविक रूप हे किथत नहीं किया ग्या है ह—

- (क) बन्तरण वे हुई फिक्की बाब की बाबत, उनक विधिनियम के वचीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कमी करते वा उससे बचने में शुविधा ले लिए? सरि/या
- (थ) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियंग, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियंम, या धन-कर अधिनियंम, या धन-कर अधिनियंम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था स्थिपाने में निका वैसिए;

(1) श्री जसवन्त ,सिंह और ग्रन्य ।

(श्रन्सरक)

(2) मै॰ मन्टिराईन टावर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

की वह क्षता आरी करने पूर्वोक्त स्मारित के वर्षत के निष् कार्ववाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त कर्मात्त के कर्जन के कम्बन्ध में केंद्र भी बाक्रेप !---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की छारीन से 45 दिन की अपिथ या तत्सकानकी व्यक्ति नह स्वान की तामीस से 30 दिन की अपिथ, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (ब) इस तुषना को राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्तक्ष किसी बन्ध म्यक्ति बुगरा अधोहस्ताकरी के शह उस्ते बस म किश जा करेंचे 1.

स्थानीकरण: -- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, औं कव्य जीधनियम के प्रभाग 20-क में परिकाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिस्स प्रमा हैं 🗊

# वन्स् व्हा

जमीन 22 कहा 14 छटाक एवं 15 वर्ग फुट, प्रिमिसेस नम्बर 119-ए मनिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कत्र वाव, वावत वाधिनियम को धारा २६९-ण के समस्रक में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के वाधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, वर्थात् :---

तारीख : 9-12-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन., एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 विसम्बर 1986

निदेश सं० 2404/एक्वी० रेंज-3/कलकत्ता/86-87--भ्रतः मुझे, भ्राई० के० गायेन

आयकर राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 है तथा जो मिनन दारा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन तारीख 16 अप्रैल, 1986

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सी हर्नुह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/प्रा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम क्रो धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै॰ दुटिनो स्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री शत्रुष्त कांत ग्राचार्यं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विशन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितब्रुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 1—एक तल्ला का पर, 1200 वर्गफुट एवं प्लाट, नम्बर 102 दो तल्ला का पर, प्रिमिसेस नम्बर 38, नितन धारारोड, कलकत्ता ।

> स्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, कलकत्ता

सारीख: 9-12-1986

ा और हिन्दुन अपेस । 

(अध्यक्ति)

(३) अमिता सरला धारता एवं अन्त ।

(15**र्गान्ना**र)

। 📆 १६५७क अपर १४६ । हें । क्षा यह सूचना जारी करक पूर्वावत समाति के बजा के निष्

वर्गा संकः ६६ टा खेलन हो सर्वान र संबंध मा व्याखे**त** :----

TIME DE THE SYMEN IT IN THE GALLET किनेटिंग राज्ञीय कि , ज़ि ज़िल एयाए कि जान भीनिय भि कि ,श्रीमा कि एट । इत । इस कि मार्ग कि कि कि कि कि कि 45 दिस की संबंधित की प्राथमिन हो क्ष्मिन हो कि क्रिया से स्थाप में इंप्यूप के प्राप्त एवं व्यक्ति

را فارطبان عليه لمنشط عان علمتيزيل ا माप कि हिन्द्राहेन्द्राहेक लिए एको एक फिकी भक्रमित्री म जागरत भागर रागर रागर हा महा दिक ्षे क्रियान सम्मार्थ में प्रयाधन यस सम्मान क्रियान

1 👙 🖽 निक्री में अधिकार कर भार मिन्द्र थिए निक्र , दे लीधनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित लिक्टोक पार , तक देइ। जोह देइनक कहान भारत पर का उपल

#### अनुसूची

। ग्रस्चु एष्कार्ड्सिस्टें में इसीम 88 5 कड्डा 23 औं फुट, स रए० फनकरो। के पास, 24-4-निमिष् । निकास कुष्ण इजिल्ला , 1 विह जो अभिमिष्टी

〒 1105-፲ ○伊下昨夕

अर्जन रॅं।-3, कलकता सहायक आपकार आयुरा (निसीक्षण) **ग्रिक**ारीक्ष भाग मिष्टी कि व्याप्त

5,

: 万別开 8861-21-6 : होराह

------- . Hy . Hy . 'i3 . \* jalu par

प्राथक कि (1) के 95 प्राथम नाम (६६ कि 1981) 1961 (१४६१म) का प्र

#### भारत सरकार

(गिरशिय, मुहायक पत्रायक वाय्यता (निर्मिश्राय)

अनितान होता अन्यास्या

. 8861 प्रक्रमात्री ए क्लोनको त्रानकानक

-- 78-88/1546-66-65 of period 2012 of period

निया पुर्म , स्राहे ० ते १ व्याप्त

मिल्म माणक किर्मेड तिस्का होगार माल्य की ि क्रांक कि इसके सामिश्वी देश कि भिक्षा प्राप्त माम स्वीत स्वीत कि प्रमात (४८०) भारत होते नाता हो.), को भारत २६०-ष हो <u> असम् (तिवास्तायर, 1961 (1961 का 43) (विका</u>

80:1 , हा मोत्राद एड्स्ट्रेंब्य है में क्लिमिक फलिमिक के Televite par printer or length of the printer (S Figh मियान है (अपने द्याप्त अनुभूता अनुभूता के प्राप्त होते हैं। भिष्मको में ३ हो १ है तथा था ११ रह १६ ११ है । इस प्रमान <sup>2</sup>ਜ਼ ਲਾਈਲ ਜਿ*਼ਠਾ* -\000,00,1

---. 'ह एका एक में निहास का कि के एक कि होना गया है। फिक्सा गया प्रतिकत, निस्तितिवित उद्देष्ट्य शे ३५ए जन्तरण भन्तरिती (अन्तरितिता) के बोच एसे अरंतरण के रिया प्र 18 2 mm) without the Balth & Bitter Brown करने का बाएवा हुने हैं है नियानुभीरत निर्माहर का रांचा बाजार भिष्टियान की राजा प्रत्याच्या हो। यह की बोर पार है अववास क्रामप्रदेश । ११ क्षात्र के व्यक्ति क्षार्य । १० व्यक्ति विश्व विकास क्षार्य के विकास क्षार्य के विकास क्षार्य (1908 का 16) के अधीम नार्गात 24 अप्रेंग, 1986

Thr/File कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भित्राम की अभीन कर दिने की अंतरक की भाषित भ -भीक कर हा होने में कार की बार के अपन की बार को पान कि

(वर) क किया जाना याक्ष्य था. क्यिने म मुवित के पुर प्रमान भित्र में हैं है है है । प्रियोग है भी स्थाप स्थाप स्य अनिमित्रमा १९८१ (१८) र व १८) ए (1922 वर्षा 🚺) सं ८ अनेर ब्युन्स्मित्ता सा । । । का किहें भारतीय जालकार को बाबयर, 1922 ींग्राज्योग कल । १४ मध्य था वास मान्य होत्र (अ)

--: ज़ीएड , फिल्हीक ज़ब्दिनम्ह , लिक्ट क म, मूं अन्य अधिक्रियम की धारा 260-थ के उनमान (1) अतः अब, उन्हा अधिनयम को शाय 269-म के अनुसरण

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन <sup>२</sup>ंन−3, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेण सँ० 2402/एक्वं ० रेंज-3/कलकत्ता/86-87--अतः मुझे, आई० के० गायेन

- एकर सिंधिनियम 19 ... (ए.) स्व स्व १९) (जिस हस्से इसके परवात 'उनता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाउर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000 - रह स अधिक है

श्रीर िसर्का गं० 25 है तथा जो धिलाव संस्कृतर रोड, कलकता में किया है (शार इससे आवड़ चतुसूची में ग्रीर पूर्ण का संवागत 3), रोतस्थ्रीकरनी ग्रीवकारी के कार्यालय, स० रुवाएं भे रितस्थिकरण श्रीवितियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीज 29 अधैत, 1986

को पुर्वित सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से काम के द्रश्नमान प्रतिफल के लिए अन्तारत को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वित्ती स्थापित का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसि द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्तित सास्तिक रूप से कथित नहीं निक्या गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रदीप कुमार खैतान एवं ग्रन्थ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भांति प्रकाश गोयनका एवं श्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जमीन-304.4 5/6 स्केयर मीटर्स प्रिमिसेस नम्बर 25, बालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता । दलील सं०  $1\!-\!6079$  दिनांक  $29\!-\!4\!-\!861$ 

ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, कलकक्ता

तारीख : 9-12-1986

1.

# प्ररूप काई न टी न एन . एस . -----

आयरूर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 2401/एक्वी० रेंज्र-3/कलकत्ता/86-87---श्रतः मुझे, श्राई० के० भायेन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 23 है तथा ग्रौर जो मेडेमिला गार्डक, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 कर्ष 16) के ग्रधीन तारीख 16 ग्रप्रैल, 1986

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उथर नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्ध अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए॥

जतः दव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै॰ सारोगो जुट कम्पनी प्राह्मवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ हरक चन्द सारोगी एण्ड कम्पनी प्रा॰ लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (के) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्यत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# **प्रनुस्**ची

प्रिमिसेस नम्बर 23 मेडेमिला गार्डं रू कलकत्ता । सक्षम प्राधिकारी के पास 16-4-1986 तारीख में रजिस्टर्ड हुम्रा ।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,कलकत्ता

तारीख : 9-12-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती ग्रर्चना राय।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीबी० र० भण्डारी।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 2400/एक्बी० रेंज-3/कलकत्ता/86-87-प्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 32 है तथा जो राजा बसन्त राय रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16 श्रिप्रैल, 1986

को पूर्विक्त सम्पिट्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिट्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए आ सकरेंगें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

पक्का दो तल्ला बाड़ी—जमीन 2 कट्ठा 6 छटाक 40 वर्ग फुट । प्रिमिसेस नं० 32, राजा बसन्त राय रोड, कलकत्ता ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 9-12-1986

मोहर:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप कार्य'. दी. एनं. एसं. .....

भावकड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की जात 269-म (1) के अभीत स्थान

#### भारत सर्कार

# कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयक्त (निरोधक)

भ्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर् 1986 निदेश सं० 2399/एक्वी० रेंज-3/कलकत्ता/86-87--श्रनः मुझ, श्राई० के० गायेन

बायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तित बाजार स्ट्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ा,00,0007 के से आपके हैं श्रीर शिसकी संब 25-ए हैं तथा जो सरत बीस रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुगूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित हैं), श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारि के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16 श्रप्रैल, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तिविक रूप से जिथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ जिसी भार की वासत्त, उका शिविनियम को अधील कार सीते के सांतरफ़; में दास्तित में अभी कार्य कार्य का कार्य के के रिष्ट; कीर/या
- (च) होती किसी बाब वा किसी छव वा तस्थ लास्तियां को, जिन्हों भारतीय जानकार अधिनियम, 1920 (1922 को 11) या उक्त प्राविधिक्ष, या धन प्राप्त की गिन्य, 1007 (0.5.0) र प्राप्तियां संतिरित का विश्वास किया जना काहिए था, कियाने में स्विधिक के किए:

अतः अष्ट उक्त अधिनियम की धारा 269-घ तो, अन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्मतिषित व्यक्तियों, सर्वात्

- (1) मैं ० एन ० के ॰ प्रापनीत प्राइतेस लिपिनेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमदी निर्वता एम० कटारिया। (श्रन्तरिती)

को गत्र मूच्या प्राप्त करके पृथींगत राष्ट्रित के बर्धन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कारी भी भारतन

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से द्रिक्त को अधिय का अधियान कि स्वितः है। म्यान की सम्मान में 20 किन के वर्षा के में सविध शाद की समस्य होती हुई, में भीतर पर्नेवस अवित्यों में भी किसी स्टिन्स स्वास
- (क) प्रण स्थान के राजपंत में शताकार की तारीक से 45 किए जो शीतर नकत स्थानर सम्पत्ति में दिवाबवंध किसी करवा व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारों के पाल क्रिकेट में किया जा सर्वारी।

स्पष्टिकिरण: ---- १ सर्ग प्रयुज्य एउटा और पक्षे का, जो जनर अभिनियम, के अञ्चाय 20-क में परिभाषित गया हो।

## धनुमूची

ण्लाट नं० बी तीन तल्ला प्रिमिसेस नं० 25-ए, सरन बोस रोड, कलकत्ता ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-3, कलकत्ता

तारीख: 9-12-1986

# प्रकार नार्धः हो । एत । एव . ::-----

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 9 दिसम्बर 19

निदेश मं. 2398/एक्बी० एरेंज-3/कलकत्ता—श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- ए. से अधिक हैं
ग्रोर जिनकी सं० 25 है तथा जो मेडेमिला गोडस, कलकत्ता में
स्थित है (ग्रोर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपसे
वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी
में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

भ्रधीन तारीख 16 भ्रप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेदेय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के लिए; श्रीप्रया
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपान प्रमिवध करें लिए।
- स्त. अय. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मैं प्रोबदन मिल्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० ग्ररविन्द टावर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्येक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्सि व्यक्तियों में से किसी क्येक्सि ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्**ची**

दो तल्ला बिल्डिंग, जमीन 1 बीघा 3 छटाक एवं 34 वर्ग फूट। प्रिमिनेस नम्बर 25, मेडेमिला गोडस रोडस, कलकत्ता।

> श्राई० कें ० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9—12—1986

मोहरः

प्रकृप बाइं.दी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेण सं० 2397/एक्बी० रेंज-3/85-86--म्रतः मुझे, म्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 11/3-ए है तथा जो भ्रल बालीगंज से केंड लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 ग्रप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्तीवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए।

अतः अतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तः आधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री देवराज मुखर्जी एवं भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं श्रमुसंघ कन्स्ट्रक्शन एवं इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप हन्न

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, आभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रिमिसेस नं० 11/3-ए, ग्रलु बालीगंज से केड लेन, कलकत्ता एद्भिया 14 कट्टा 13 छटाक सक्षम प्राधिकारी के पास 16-4-1986 नारीख में रजिस्टर्ड हुआ ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकना

तारीख : 9—12—1986

मोहर:

4 ...

प्रकप बाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

#### भारत चरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, क 9 सिसम्बर 198 6

निदेण सं० 2396/एक्बीं० रेंज-3/कलकत्ता/मतः मुझे, भ्राई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/राज्ये से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्व 17 है तथा जो लाला लाजपत राय अरिन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 श्रश्रैल, 1986

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वे क्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक हथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किती बाव की बाबत अवस्य अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे वचने में सुर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिदी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

स्रत: अब, उक्त अिंतियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं व्यूनाइटेड चार्च भ्राफ नार्दन इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री काली चरन भ्रम्भवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथोंकत सम्मत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्ता सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलमध्य किसी अन्य व्यक्ति ध्वार अथोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिसा गवा है।

#### अनुसूची

प्रिमिसेस नं० 17 साला लाजपत सरण कलकत्ता जमीन 7 काठा 3 छटाक सक्षम प्राधिकारी के पाँस 16-4-86 तारीख में रजिस्टर्ड हुम्रा ।

> ग्राई० के० गायेन गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

नारोख: 9-12-1986

#### प्ररूप बाइ . टी. एन . एक . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यांतय. सहायक वायकर कार्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० ए० पी./रेंज/कल/1986-87--श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन. नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🗗 ), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वेशस करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1 है तथा जो एलेनि रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबज़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनितत संपरित का उचित नाजार मुल्य, उत्सको दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्टमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए, बार/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपान में सूबिध्य के लिए,

कतः अव, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-गं के, अगुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखीर व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मालिकन बिलडर्स लिमिडेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश क़मार शर्मा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति वृवाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्य अधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधि नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्ची

3270 वर्गफुट प्रिमाय सेंस नम्बर-1, एलम्ब्रि रोड, कलियाना निनत्तला, सक्षम प्राधिकारी के पास 16-4-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुम्रा ।

> श्राई० के० गायेन पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, कलकत्ता

तारीख: 9-12-1986

प्रस्प बाई. टी. एन. एस., 🕫 - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की परा 269 व्(1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकाड

काशालग, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकमा

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश ० सं ए० भी०/रेंज-4 कल/1986—अत: मुझे श्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 209 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वतःस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिपकी यं० है तथा जो डी डी न० 1-5688/ 86 ग्रप्रैल 86 के ग्रनुपार स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रप्रेल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की पर्ड हो और मूने यह विश्वास का को का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्षत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कृष सं कथित नहीं किया वका है ■——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उ. प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिल्याने से स्विभा के सिए;

कतः भव, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, हैं, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग की अपभारा (1) के अधीन, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री रणधीर पाल चौधरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो सगीता मिन्नाल एंव ग्रन्यान्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी क पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्थंदिकरण : ---इसमा प्रयासत शब्दा आर पदा का, जा उक्त जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जा उस अध्याय में दिशा भया है ।

#### **जन्**स्ची

सम्पति जा डीष्ट न० 1-5688/86 के श्रनुसार श्रप्रैल 86 में कलकत्ता रजिस्ट्रेशन ग्राफिस में रजिस्ट्री हुन्ना।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप बाह्र .टी. एन. एस. ------

(1) धौधुरिस स्टेट प्राईवेट लिमिटेंड।

(ग्रन्तरक)

(2) ऐलेननबारि प्रापर्टाज लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

# जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) को स्थीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निर्देण सं० ए० सी० 59/एम्पू/रेंज 2/कल/1986-87--धातः मुस्से, आर्द्द० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 10 है तथा जो बर्द्धमान रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय म० र० ए ० कलिकना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-4-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार मून्य से कम् के स्थमाद शिकल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्बहुण से हुइ किसी बाब की बाबत, उत्थर विभिन्निक के अभीन कर दोने के बन्सहुक के 'दाबित्व के कृषी कहने वा उससे बचने के सुविधा के किए; बहि/सा

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विम की अविभि या तत्संबंधी कविस्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, यो भी बविध नाय में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशिन की सारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में शिक्ष वा पर्केंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त श्रीभिषय के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

जमीन 2502 काठा निनतला बाडी, प्रिमायसेस बाजार 10 वर्धमान रोड कलिकाना, दिल संश्री-I 6113 दिनाँक 29-4-1986

स्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरिक्षण) स्रार्जन रेंज-2, कलकत्ता

ग्रतः अत्र, उत्रत अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मी, भी, उत्रत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, स्थाति

तारीख . 11--12-1986

प्रस्त्य आह°. टी. एन. एस. ------

# बायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के क्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर त युक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं ्रिंग् सी० रेंज-2/कल/86-87--श्रतः मुझे श्राई० के० गायेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रवात् 'उन्दे क्रीमिंग्यम' महा गया है), की भारा 269 ह के अभीन सक्षम प्राधिकारो को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तितः, जिसका सचित बाबार मृस्य

1,00,000/- र. सं ापक ही श्रीर ई है तथा जो सर्कुलर श्रीर जिसकी सं० 99वी, सीठ डी श्रीर ई है तथा जो सर्कुलर गार्डन रिच रोड कलकता पर स्थित है। श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिनस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिज़स्ट्रीकरण श्रिधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन तारीख 7-4-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थ्यमान गित्रक के लिए अंतरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एँ ध स्थ्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्नुनिवित उच्चेष्य सं सन्त कम्बरण मिवित में बास्तिवक स्थ से कियत नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरम् ६ हुए किली भाग की रागत, उपन क्रिकिश्य क संधीत कर दोने के मन्तरक खे सामस्य को अकी करणेशा उनके रामने में सुनिया भी सिंदा; सांस्/या
- (क) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, विनष्ट भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहां किम। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) इत्यादि प्रकाशनी लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्याम्भु कन्स्ट्रकणन प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना कारी करके प्रबेक्त सम्मरित को वर्षत के जिस्</mark> कार्यनाहियां करता हुं।

# उक्त सम्मारित के बर्जन के सध्यन्य में काई भी बाक्षेप् .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गणा है।

#### अनुसूची

99 बी० सी० डी० ई सर्कुलर गार्डन रिच रोड कलकता पर दलील  $37 \frac{5}{2}$  |203| आर-2 | सी ए एल|85-86| ता० 7-4-1986 के श्रनुसार 28 क 6 छ० 30 व० फ० जमीन स्थित है।

श्राई० के० गायन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता

तारीख: 11-12-1986

## प्रकथ बाइ .टी.एप.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेण सं० ए० सी०-61/म्रार०-2/कलकत्ता/86-87 मुझे ग्राई० के० गायेन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंब इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 19 बी है तथा जो म्रलिपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित) है श्रीर रजिस्ट्रीकत्तां म्रधिकारों के कार्यालय सक्षम म्रधिकारों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908) का 16 के ग्रिधीन 21-4-86

को पूर्विकत सम्पत्ति को जिलत नाजार मूल्य से कम के दृश्यभान अभिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास अरने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ट्रंप दृश्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरका (जन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उदत अन्तरण लिखित के जास्तिक रूप से जन्तरण कि दित

- (क) बन्तरण सं हुई किसी माथ की शबत, उक्त मधिनियम को अधीन कर दोन खे अन्तरफ थ दायित्य मो कमी करने या उससं रूचन भा स्थिक के निष्, मार्/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धप्त या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः स्व. उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) युभाष प्रापर्टीस

(भ्रन्तरक)

(2) कौशल्या देवी नैन एंब प्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निमात मा विश् का सर्होंगे।

स्थष्टिकरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त विधिवयम के अध्याव 20-क में पर्शावित हो वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

19 बी, म्रलिपुर रोड कलकता 26 पर दलील न० 37ईई/म्रार-2/215/ कलकत्ता/85-86 ता० 21-4-86 के म्रनुसार 2637 व० फु० 5 वीं मंजिल फलैंट नं० 5 ए एंव 5 सी स्थित है।

श्राई के गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकर्ता

तारीखाः 11-12-1986

en grande de la companya de la comp (1) 100 1,111 T PTTGGG

(पन्दरक)

( एवर्कित)

नासकर भीवनिवस, १३७। (10), को ४३) का भाग 269-घ (1) के सफीन सूचना

आर्ट्स श्रहणात्

क्रा मिला ११६ ५ ते १५ ते ते ते अप) अर्जन में ! - 2, जान्डम

ानवस, अली र 11 दिपनार, 1986

मुझे आई> के० गायेत

धायका पार्वाचारा, । । । १ 📭 चर्चा क्रम **इसको** १८४५ है। । अस्ति स्ट्री स्ट्री स्ट्री 269-र भी अर्थान गाउँ। भी गर पूर्व एक विक्रवाम अस्में जा कारण है कि स्वास्था पांच किया, क्रिक राजाम अस्थ 1.00 வரா/ கூரி சிசிராக <del>மி</del>

श्रीर िमको सं ८ ८ १ वना इत अलगी लाह रोड, कलकता में स्थित है (श्रार इसने ३ एन्ड भ ुन्दी में श्रौर पूर्ण का में वर्णित है )रिस्ट्रीकरते शिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में भारतीय र्रा थ्लीकरण स्थित्यिष 1908-1903 का 16) के अथार नारीख़ 7—4—1985 ·

कार प्राप्त पर्या । ६ प्राप्त कामल कहर से अब का स्थापना प्रतिकृति के लिए अन्तरित की एं हैं है। करा बहु हैंदरनास करना का काएण हैं कि १७ ए १० १० ० का रहे रही। भाजाद अंतरिती (अंतरितारी) के एक एक एक रहता के हिला तक प्रकार गया प्रतिप स निम्नलिकित उत्दक्ष्य स उपन्तरण लिसित मे **गास्त**िका, तम छ ४७६४ अध्य अध्य हिंह्य, स्था, हिंदि, स

- (क) अन्तरण से हर्इ िक्स्मी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे वचने सो सदिया की लिए; आर/सा
- (শ্ব) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कते. जिन्हीं भारतीय आयरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन ग्रांधानियम, या ছনজৰ লাগিনিল্ল, (1957 ার 27) को प्ररोजनार्थ कार्यास्ती । तथा प्राह्म प्रहीं किया स्या था या किया ज्या सिहार था, विकास सी सकिथा के लिए;

अतः: अव, जन्म अधि। नरम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ रीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5-416 GI/86

भे के अवस्त प्रस्त अनमे त्यांकल मंपिक के दर्भ है दिन यालीकारियां अभा करणा हो।

(1) भी लेगा। एवं गुण्या भारत्राम

१५५ के जिल्ला १९५५ विकास के हरणे और **शास्त्रीय :--**

 $\overline{\tau} = \tau_{-1} + \tau_{$  $\mathcal{Z}_{ij} = \left\{ \begin{array}{ccc} -\frac{1}{2} & -\frac{1}{2}$ क्जना ही असील से 30 केंग में अधि, की भी ्रतीय पार्ट कार्य कि स्टब्स्ट्रिक प्राप्त के स्टब्स्ट्रिक स्टब्स स्टब्स्ट्रिक स्टब

(बा) इस स्थाना ध्रं राजप्रक्र माँ अकाशन की टाशीब लें 🚓 🖰 ्रास्त्र के प्राप्त के किन्<mark>या स्थान के स्थान विवर्षध</mark> रिमाणी कवा व्यक्ति स्वास्य प्रपादिस्यात्वरी ले पास भूतिक प्रतिकर्ष का सुधि के से से अंदर्शिया है।

स्पार्योक्षर्णः ----प्रस्को प्रशास्य देशको स्वां स्वां त्या । जो जन्म शांधिसियम के अध्यान 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया यया है।

# **प्रतृ**युची

ह, अनुकी अपन शोड, कानकता पर 2200 वर फर 2 मंजील पर दलील नं∘ 37ईई/199/श्रार-2/कलकता/ 85-86 दि तंज 7486 के अनुसार स्थित है।

> ग्राई० के० गायेन न्यत्व अधिक्री महायक आयक्तर प्राय्ति (निरंक्षिण) श्चर्तन रेज-2, कलकत्ता

नारीतः: 11-12-1986

- मोहर :

प्ररूप आहू.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० सीए० 183/86—87/1263/प्राई०ए०सी०/एकयू० प्रार०—ग्र/कल०—प्रतः मुझे श्राई० के० गायेन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5, है तथा जो 35 स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी सहायक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य , इनके क्ष्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मीलिक्त उन्नेक्यों से उच्त मन्तरण लिच्ति में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया प्रा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्रिंभिन्न के अधीन कर को के अन्तरक के बाबित्स में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) होती किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती तुहिनका चटर्जी एंव ग्रन्यायन्य (ग्रन्तरक)
- (2) म्राजिगगंज इस्टेट (प्रा०) लि० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यां कितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यव्हीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, थों उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5, 55 स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित सम्पति 1 बधा
19 काठा 10 छिटांक 35 वर्गफिट (जो सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता
के पास सिरियल नं० सि० ए० 183 के श्रनुसार 3-4-86
में रजिस्टर हुआ।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,

तारीख: 11-12-1986

### The will of the the the secretary

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ज (1) जी अधीन ज्ञाना साहत सहकात्र

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रतः मुझं श्री ग्रार० पी० राजेश नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्यांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्यित नाजार मृख्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० 1415, देविका
टावर, 6, नेहर पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भ्रायकर
प्रधिनियम के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण)
श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम
1961 के श्रिधीन तारीख अप्रैल 1986

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- [क) बन्तरक वे हुई किसी बाय की वायस्त, उपस् वीपनियम के बचीन कर बोने के बन्तरूक के स्वीतरूप में क्ष्मी क्ष्युने या उससे वक्षा में सुनिधा वी क्षिए; बोड/या
- (व) एंडी किसी बाद वा किसी धन या बन्द धारितयों का, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किसा बाना पाहिए था, कियाने में धृतिभा ध लिए;

बश्चन वय, उपत विधित्तमम की भारा 269-म में मन्तरण में, में उपत विधित्तम की भारा 269-म की स्पभारा (1) के अभीत, निम्तिनियम व्यविश्वार्ग, स्वास्ति स्थान

- (1) मेसर्स प्रगति कन्सट्रकशन (देविका टावर) चौथा खंड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
  - (2) मेसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लि० हेड प्राफिस 707-712, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु पलेस नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की नह स्थान कारी काहके पूर्वोक्य संपृत्ति की अर्थन की विश्व कार्यमाहिमां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎞 🖚

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास निचित्त में किए वा सकों में 1,

स्वकाश्याः—इसमें प्रमुक्त सन्तों और पर्वो का, को स्थम विभिन्यम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्थ होगा को उस अथ्याय में दिया नवा हैं।

### जन्स्ची

फ्लट नं० 1415, देविका टावर, 6 नेहरू पलेस नई दिल्ली, एरिया 500वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

#### प्रक्रम आहे. हो धून. एस. भ====

नार्वका नाम कर रहता । कर व का का नाम 200-म (1) में भनीन मुक्ता

भागत साम्ब

कायालया, सहासकः कायक्षण व्यक्षकर ्यान्यकारः ग्रजन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 सबस्बर 1986

निदेश सं० भ्राई० का सीक विष्यू 1/4-65/37 हिंदि 29/2-- भ्रतः सुझे श्री ध्रार० पी० राजेग भ्राधकण जो करता, 1961 (1961 का कार्यक का

श्रीर जिल्ही संव है तथा का घाँक गर्व 1916 6, मेह्स परि , पर्ध फिल्ही के स्थित के (कोर है व एक्काइ श्रमुखी के धोर पूर्व रूप स्व पिंदर के कि क्रीकार का चारा के कार्यालय ,हायक जायकर जायका कि क्रिका के श्रीका रेज रेज-1 नई ११ के से पहरते एका के उत्तर प्राप्त भग 1961 के जायीन काराव्य को है के

- (क) वसरण सं हुइ किसी भाग का काक्षा, उपका अधिनियम की अधीन कार दीन क लकारक की कामिल्ल में कभी करने या उमसे कपन में सुकिया के लिए; बरि/या
- (म) एतम जिला कर वर क्यां को, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, या स्व-का स्वीधिक्य ज्ञान क्यां प्रतिका स्थाप स्थाप जो जिल्ला कर ज्ञान का क्यां स्वाप्त स्थाप ज्ञान का नुष्टा, की लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उक्ताम (1) के अधीन, निम्निमिषित क्यिक्तियों, अभीत् :--- (1) प्रस्ता तन हुन्यान कम्पनी, चीथा खंड, **सीतला** हाडा, 73-74, नेहर पत्ती, गई फिल्ली ।

(यन्तरक)

(2) मेनसं वायर काड िल्लो आर्ज लिल, हेड **आफिस**ैं 707-713, चेहम पीटा, नई **दिल्ली**। (यन्तरिती)

की यह सूचन। जारा करके पूजाक्त अध्यक्ति के अजीन **में विद्य** ए त्यस्तिहरू । भा काल्य ह**ा** ।

उक्षत राज्यात क अजीव की राज्यात का कार वा शालीप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन को संबंधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को त्री संवधि बाद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तित्वों को से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस स्वान को राजवश मा प्रकाशन को जारील हो। 45 दिन की भीतर उसन स्थानर सम्पत्ति मी हित-। बहुद दिवनी अप्य व्यक्ति हुमारा अधोहस्ताक्षरी के पत्ता ते तह मा दिए आ सकेंगों।

गण्याकरणः ---द्या प्रकृति शक्त शक्त गिर गक्ष का, वा उक्त । अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही. वहां अर्थ हाला को उस अध्याय में दिया

#### त्रपृष्ठी

फट नं० 1416, देविका टावर, 6 नेहरू पलेम, नई दिल्ली 1 क्षेत्र 440 वर्ग फीट।

> श्रारः पी० राजेण ःक्षम श्राधिकारी ाहायक श्रायकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रजन रेंज~1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

प्रारम आर्थे.स्रा.एन.एस.------

श्रायकर आश्रांत्रभम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) क बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

वर्ष दिल्ली, विश्वित : 5 राजम्बा 1986

निदेश सुरु ब्राई० ए० सार्व (५४४/1/37ईई/4-86/2913 भ्रतः मुझं श्री श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उका अधिकियम' कहा गया हो), की धारा 269 म के भवीर एकम जिल्लाम की यह जिल्लाम करते. का कारण ह ि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ह<sup>ै</sup> क्रीर कार्या संग करीट यंग 1417 है स्थल और देविका टाइए, ६ ४३० पर, नई फिल्सी में स्थित हैं (और इससे प्यावक अनुसूची में अंग पूर्ण रूप सेवाणित है। श्रायकण श्रीधकारी है कार्याता एक्ष्यक हायका (निक्षिण) प्रजेन जिल्हा नई किल्हा से भारतीय रजिस्ही-करण अधिनियम 1961 ४ अधीत नारीय प्रफ्री 86 को। प्रविधन सम्पः ल ही आवश बाजार भूग्य स वस के। अधानन प्रातकल को लिए जन्धान्त का गई हैं लीग । एवं 🖰 । विक्यास करते का कारण है कि जयापवानय समिति। का अधित बाजार मन्य, उनक न्यारा प्रतियक्त से. एस दश्यमान प्रतिकार का

बंद्रह प्रक्षियन से अभाक ही और अक्षरक (अंक्षरको) और अंक्षरिसी (अन्तरितियों) को बाद एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मां कही करने या उसरों बक्तने मो मुबिधा के लिए; और/धा
- (क) धूर्मी (करी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में यूबिया के लिए,
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, टक्न अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों. अर्थास् :---

- (1) प्रगति कन्नद्रकशन कम्पनी, चौथा खंड शीतला हाउस, 73–74, नेहरु पलेप, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मेक्ष्सं वायर कोड दिल्ली प्रा० लि०, इंड आफ्रिस 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का सम् सृवयः आरी करक एअकिन सम्पत्ति के मुर्चन के सिर्ध कार्यवर्शह्या शुरू करता हुं।

उभत सम्परित के अर्जन सम्बन्ध भी काई भी आक्षंप:---

- (क) इस मुजन कं राजण्य में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्देशन किस स्थान

स्पष्टीकरण:----इरामी प्रयूवत सन्दों और पदों का, जो **उक्स** अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषिक हाँ, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया नवा हाँ।

## **मन्स्ची**

फलैंट नं० 1417, देविका टावर, 6, नेहरु पलेस, नई दिल्ली नादादी 560 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) अर्जन रंज–1, नइं दिल्ली

नारीख: 25-11-1986

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.--

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- र्थ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनोक 25 नवम्बर, 2986

निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2914--भ्रत: मुझे श्री श्रार० पी० राजश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो फलैंट नं० 1417, देविका टावर, 6 नेहर पलेस, नई दिंल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्न रूप बिंगत है) श्रायकर श्रिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) श्रजंन रेंज। नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख श्रप्रैंस 1986

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) प्रगति कन्सट्रकमन कम्पनी, चौथा खंड मीतला हाउस, 73-74 नेहरु पलेस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स वायर कोड प्र० लि० हाउस नं० 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

फलेंट नं० 1418, देविका टाबर, 6, नेहरु पलेस, नई दिल्ली एरिया 325 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरिक्षण) ग्रजंन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

भोहर:

त्रक्ष शार्च ,दी . दन . एवं . ------

बायकर मिश्रिसम, 1961 (1961 का 43) की धार भारा 269-म (1) में बभीन त्यमा

## शारत सर्कार

# कार्यासन, बहुानक नामकडु आयुक्त (निर्द्रामण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, निांक 25 नवम्बर, 1986 निर्वेश सं० ग्राई० ए०ॄँसी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2915∘---श्चतः मुझे श्चार० पी० राजधा

कावकार जीशीनवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके परवाद 'उपत अधिनियस' कहा गवा ही, की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित ब्रम्मार 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० 1414 देविका टावर, 6 नेहरू पलेस, नई विल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रायकर अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयकार के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयका (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज—1 नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख अप्रल 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वमान श्रीतफल के लिए मन्सरित की नई हैं और मृभ्ये मह निक्ताल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंदरित (बंतरितयों) के बीच एसे बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निसित्त उद्वास्त से उचन अन्तरण निम्नित वें वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) प्रगति कन्स्ट्रकशन कम्पनी (देविका टावर) चौथा खंड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लि० हेड ग्राफिस 707-712 ए, चिरनजीय टायर, 45, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

बक्त, संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की लगींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी शाजित्व में कमी करने वा उसने समूचे में सूचिधा न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-45 दिन की वंदीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पास निचित्त में किए जा सकोंने।

रचन्द्रीकरण: — इसमें प्रमुक्त कन्द्रों और पृष्टी का, वो सक्तु किय-नियम के बुध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ वर्ष होता, वो उस बुध्याय में विदा गया हैं।

## अनुसूची

फलैट नं० 1414, देविका टावर, 6 नेहरु पलेस, नई दिल्ली, क्षेत्र 500 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

मोहर 🖫

प्रकृष आकृ हो, छन, एख. ...

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के अधीन सुचना

## भारत तरकार

कार्याख्य, सहायक जायकर आवृत्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 25 नवस्त्र 1986 निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्पू/1/37ईई/4-86/2916--श्रतः मुद्दी, श्री श्राप् पी० प्रजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित ताजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अंधिक है

प्रौर जिसकी सं० फलेंट नं० 1422, है तथा जो देविका टावर, 6 नेहर पलेस, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) ग्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय महायक श्रायकर प्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर प्रायकर के प्रायकर प्रा

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की गावत, उक्त जीविनवम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वादित्य में कभी करने या उससे वचने में इतिया के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, चिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उपत अधिनियम, या अनगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तीरती इपाल प्रकट नहीं किया गया था या जिया बाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

बतः भव, उन्त विधिनियम की धारा 269 व क अनुसारक में, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रशांत करण्यात कर्मानी चौना पांड पीताना ताडण, देशिका टाबल, 73-74, नेहरू पलेस, वर्ड जिल्ही।

(धारत क)

(2) पायल पांच दिल्ली प्रा० लि० हेड प्राफिस 707-712 ए, चिल्नजीव टावर, 43 नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह पुस्तः पारो करते हवायः सम्मस्ति के अपने के लिए रामिताहियां राम करता हो ।

उब्ह सम्पृति भी अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी माश्रेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की हारी व वें 45 दिन की श्विध या हत्नाम्बन्धी व्यक्तियों नर मचता को तार्वाल ये 30 दिन की ग्रविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँकर स्माकिनगरों में से किसी कारिक्त हवागः;
- (बा) इस ुना कं राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 35 दिन के भीतर उद्घार सम्पत्ति में हिन्यद्ध किया कन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताक्षरी के पान निक्ति के किए जा सकीये ।

अपव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन्न अध्याव में दिया गया है।

## मन्सू ची

फलैट नं० 1412, देविका टावर, 6 नेहरू पलेस, नई दिल्ली क्षेत्र 350 वर्ग फीट।

> न्नाः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राव्यत (निरिक्षण) ग्रजेंन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

## प्रकार भाषां. डी. एव. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यलग, महायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उनतः अभिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-व के अभीन सभन प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

और जिसकी सं० है तथा जो फलेंट न० 1423, देविका टावर, 6 नेहरू पलेस, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

- है) श्रायकर ग्रधिकारी के कार्यालय , महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निश्क्षिण) अर्जन रेंज-1, नई बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख श्रप्रैल 1986
- को पूर्वोक्स संपत्ति के अभित बाबार मून्य से कम है क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का अखित बाधार मूक्य उसके स्वयमान प्रतिफल क्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्त्रितियों) में बीच एसं बन्दरल 'है सिए पूज पाया गुमा प्रतिक्ता, विम्नितिबित उद्योक से उन्तर स्वयम्प विचित्त में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——
  - (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत... उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्ययस्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) एकी किसी कार्य था जिस्सी का था अस्य आस्तियों की किसी भागतीय अप अस्य अस्ति स्वयं १५०३ (1922 का 11) या उपत अधिनियम, गा भावकर विधिनियम, गा भावकर विधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं ब्यास प्रवट नहीं सिका गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के निग्नः
- स्ता अन्, उपल का बाजनमं की भाषा 269-व की कम्बरण में, में, उस्त अधितियम की धारा 269-म की सपभारा (1) जे सप्तीत निजनतिकित काफिनजों अर्थात् ६—— 6—416 GI/86

(1) प्रगति कन्सट्रकशन कम्पनी, चौथा खंड शीतला हाउस, देखिका टावर 73-74 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्त रक)

(2) मेसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लि० हेड ग्राफिस 707--712 ए, चिरनजीव टावर 43, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कार यह क्षाना आरों करकं प्रांतित संपत्ति से कजन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांड्रों भी बाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विकत प्रक्रियों में संक्रियी व्यक्ति स्वार.
- (स) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन को भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध प्यक्ति, व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्यकी

फलैंट नं० 1423, देविका टावर, 6 नेहरू पलेस. नई दिल्ली तावादी 385 वर्ग फीट्ट।

> श्चार० भी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

कारीख:25-11-1986

प्रकार नार्द्र टी. एव. एस. ० -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत गरकाइ

कार्यासय, सहायक वायकर वायका (निर्दाक्षक)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986 निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2918— म्रत: मुझे म्रार० पी० राजेश

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फलैट नंव 1501 ए और 1501 बी, है तथा जो देविका टावर, 6, नेहर पलेस नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निश्क्षिण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1969 के ग्रधीन सारीख धर्मेल 1986

को प्रशिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से एसे क्ष्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मृल्वरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे क्ष्यरण के सिए वस्पाना यथा प्रतिकास, निम्निशिक्त स्पूर्वरेश से उस्त क्ष्यरण निकास से बास्तिका रूप से काणित नहीं किया बया है

- [का) अन्तरण चं हुई किसी साथ की वाबता, उक्त अधिनियम को अधीव कर दोने के बन्धरक थी धामित्व में कमी कड़ने या उससे बज़ने में सुलिधा के सिद्ध अडि∕या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्य वास्तियों कंग, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वित्या जाना चाहिए था खिपाने में सूर्विधा के रित्य,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) प्रगति कन्सट्रकगनि कम्पनी, देविका टावर, चौथा खंड, गीतला हाउस, 73–74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) लाना पब्लिणिंग कम्पनी प्रा० लि० सातवा खंड ग्रांड बाजार, शहीद भगत सिंह रोड, कोलाबा, बम्बई-400039।

ग्रन्त रि**री** 

का यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां पूरू करता €ी,

**इक्त सम्परित के** अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभ सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हमजासिक करा -- इसमा प्रश्नात शब्दों और पदों का, जो उसर किश्वीनयम के अध्याय 20 का में परिभाविष्ट हैं, यही अर्थ हागा के उस अध्याय में विस् गया है।

## अन्स्ची

फलैट नं० 1501 ए-1501 बी, देविका टावर, 6 नेहरु पलेस, नई दिल्ली 1 क्षेत्रफल 945 वर्ग फीट्र।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

तारीख: 4-9-1986

# इसन बाहु . डीज प्राप्त पुरान्त केलान

बावकर विभिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के विभीन सूचवा

#### धारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जानकर जायुक्त (किर्माश्रक)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1986 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य/1/37ईई/4-86/2925-श्रतः मुझे श्री भ्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह चिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य . 1,00,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 1419, है तथा जो देविका टावर, 6 नेहरु पलेस, नई दिल्ली में हिथत है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रायकर श्राधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1986

को पूर्वोच्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्ब से कम के सम्यान अतिक त के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से एते स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरम ते हुई किसी बाव की बावते → खबत श्रीभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा की सिष्ध और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी किया

आहः वयः उक्त वीधीनयम की धारा 269-य की अनुसरण में, में, सबत विधिनयम की धारा 269-य की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः— (1) प्रगति कन्सट्रकणन कम्पनी (देविका टावर) चौथा खंड गीतला हाउस, 73-74, नेहरु पलेस नई विल्ली।

(ग्रन्तरक्)

(2) मेसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लि०, हेड भ्राफिस 707-712 ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहर पलेस नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्व क्ष्त सम्परित के अर्थन के विष्
कार्यवाहियां करता हूं।

ब कर बम्मीरत के कर्चन के संबंध को कोई भी आक्षेत्र ह—-

- (क) इस स्वना के राथपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तासी? से 30 दिन की अविभि, यो भी विधि नाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

त्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटाँका, जो उक्त व्यथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित इ. वह वर्षहोगा, जो उन्न कथ्याय में दिया गया है।

## मग्स्यी

फलैट नं० 1419, देविका टावर, 6∤ नेहरु पलेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 325 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई टिस्ली

तारीख: 25-11-1986

# प्रकल आहे हो . एन् . एवं .,----

# नायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन स्थना

#### बारत बरकात

कार्यालयः, स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2926-अतः मुझे, श्री श्रार० पी० राजेश,

जानकर अभिगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 1420 है तथा जो देविका टावर 6, नेहर पलेय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रायकर अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रायंत रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1961 के श्रधीन तारीय श्रप्रेंस 86 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को अधिन तारीय श्रप्रेंस के अधिन तारीय श्रप्रेंस को अधिन तारीय श्रप्रेंस को अधिन तारीय श्रप्रेंस को अधिन तारीय श्रप्रेंस को अधिन सम्पत्ति को अधिन स्थाप स्थाप स्थाप स्थित को प्रदेश का अपन है कि यथाप अधिन सम्पत्ति को अधिन आधार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिफल का का सम्बद्ध प्रतिक्रत से जिथक है जोर कन्तरक (वंतरकाँ) और वंतरिकी वंतरितियों) औ बीच एसे वंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल कम से किएत महीं किया गया है ध---

- (क) बन्धरम से हुई किसी बाब की बाब्ध बन्स अधिनिक्य के अधीन कर दोने के अन्धरक के धायित्व के कसी करने वा कवर्ष बचने में वृषिया के किए; करि/मा
- (क) होती किसी नाव या किसी भन या केन्स नारिस्तरों की, विनहीं भारतीय नावकर निर्धानयम्, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम्, या धनकर निर्धानयम्, या धनकर निर्धानयम्, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ नन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया नावा वाहिए था, कियाने से द्विया हो किहा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) प्रगति कन्स्ट्रकशन कम्पनी देविका टावर चौथा खंड शीतला हाउस, 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स बायर कोड दिल्ली प्रा० लि०, 607-712ए, विरनजीव टाघर 43, नेंहरू पलेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सम्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रू कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## उक्त बन्नित के वर्णन के बच्च में कार्य मा वार्क्ष क्र---

- (क) इंग्र स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश थे 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की नविध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शार्थिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्क्यां आरि नर्दों का, को उक्छ जीवनियम, को जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया नदा हाँ।

# **बनुसूची**

फ़लैट नं० 1420, देविका टावर 6, नेहरु पलेस, नई दिल्ली। तावादी 560 वर्ग फीट

> श्चार० पी० राजे**ण** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

प्रकार कार्यः हो। एवः ६४. 🗝 🦠

**कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-च (1) के अभीन गुच्चता

मार्भ संस्थान

# कार्याक्षयः, वद्यायक वायकार वाग्यस (गिर्याक्षक)

श्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2927श्रतः मुझे श्री श्रा० पी० राजेश,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 वन 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रकात (अक्त विधिनियम) कहा गवा ही, की भारा 269-व के शंधीन संक्षम प्राणिकारी को यह प्रिश्वाग करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसंका उचित वावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट गं० 1421, है तथा जो 6, नेहरु पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इपसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) आयकर अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अपैल 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करन का कारण है कि गथापुनांकत संपन्ति का 5 थि। बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिचार से गिथक है बीर बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीम एसे अन्तरम के सिए त्य गथा प्रतिफल, निम्मिशिय उद्योगम में उच्न बन्तरफ निम्मिशिय अनुस्किम में उच्न बन्तरफ निम्मिशिय अनुस्किम में उच्न बन्तरफ निम्मिशिय अनुस्किम में उच्न बन्तरफ

- (क)) वंशरण वे हुए कियी बाब की वाबक, करवा वीधिनियस के नशीस कर दोने के अस्तरक वी दायित्व में कभी कर्ड़ या उससे असर्ग में शुन्तिया वे सिद्ध; श्रीत्र/मा
- (क) प्रेसी किसी नाय या किसी थन या करण वास्तियों की पिक्ट भारतीय वायकर मिनिविक्स, 1922 (1922-का 11) या उस्त अधिनयम, या अन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 को 27) अ प्रवांजनार्थ बस्तरिती प्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में भारूथा ने किए।

क्षतः क्षत्र, कन्त विधिनियमं की भारा 269-त नी धनुकरण तो, जो, उक्त विधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) क वर्धान विश्वपत्तिकतं व्यक्तिकों, खन्नांत् के--- (1) प्रगति कन्सर्ट्रॅंकशन कम्पनी (देविका टावर) चौथा खंड, शीतला हाउस 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स वायर कोड प्रा० लि० हेड श्राफिस 707-7120, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना धारी करके पूचोंकरा सम्मृतिरा यो वर्जन को लिए कार्जनाडिया करता हुं।

अवद संपत्ति के सर्थन हो संबंध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की अविधि, वो भी ब्रिकी वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा वभोहस्ताक्ररी के पाछ लिखित में निष् सा सक्ति।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यो का, को उक्क किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिया नवा हैं।

## and the

फलॅंट न० 1421, देविका श्रावर, 6 नेहरु पलेस, नई दिल्ली, क्षेत्र 370 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1986

# प्रकृप नाइं.टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत बरकार

कार्यां स्य , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज्-1, नई दिल्ली नई दिल्ली विनाक 26 नवस्वर 1986निदेण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2928श्रतः मुझे श्री ग्रार० पी० राजेश

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फलैट नं 1409, है तथा जो देविका टाबन, 6, नेहर पलेस, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विण्त है) आयकर अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आधुकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 86 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वितरण से हुइ किसी नाम की वाबत, अक्तु निध-जियम के अभीन कर को के अंतरक के बायित्व में क्षमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आग आगि जीहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) प्रगति कन्सट्रकशन कम्पनी (वेविका टावर) चौथा खंड शीतला हाउस 73-74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लि०, हेड ब्राफिस नं० 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरू-प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस बुध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं ० 1409, देविका टावर, 6, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

प्रक्रंप मार्चः टी. एन. एसः -----

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) सतै। भारा 269-व (1) के नभीत सुचना

## भारत सरकार

कार्धानय, सहायफ आयकर आयक्त (भिराधिका)
श्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 1/37ईई/4-86/2929— अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कृसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो 'क स्थावर गम्पत्ति, जिसका लिखन बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक हैं

कौर जिसकी स० फ्लेट नं० 1411 है तथा जो देविका टावर, 6, नेहर ग्रस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णारूप से वर्णित है), श्रायकर श्रिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रीविक्षण), अर्जनरें ज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1961 के श्रिधीन, तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई उ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिति उद्गेषय से उनत् अंतरण किवित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया पया हैं।

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी भाग की बादत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; औड़/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्ध अन्तिरिती ब्वायं प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए बा, छिपानं में सुविधा खे लिए;

कतः अस, उक्त समिनियम की भाष 269-ग के समृतरण को, मी, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निव्नतिसित व्यक्तियों, तभीत् ह

- (1) प्रगति कन्स्ट्रवणन कम्पनी देविका टावर, 4था खण्ड, णीतला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स वायर कोड बिल्ली प्रा० लि०, हैंड श्राफिस, 707-712-ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई बिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थला धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए वार्थशिक्ति करता हूं

वक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में काहां भी माओप ः---

- (क) इस मुचना के राजपण भे प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्थान की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिण ब्रुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अयक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकेंवे।

स्पच्छीकरण: ---इंसमें प्रयुक्त शख्यों और पयों का, ओ उक्स मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इंतिही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा गमा है है---

## अनुसूची

फ्लेट नं० 1410, देविका टावर 6, नेहरु प्लेंस, नई दिल्ली । क्षेत्र 500 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

# प्ररूप आहरं.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० / 1/37ईई/4-86/2930-भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है 'कि रशवर स्पित्त, जिसका जीवत आकार मुख्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 1411 है तथा जो देविका टावर, 6, नेहरु प्लेम नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक अध्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रें के-1, नई दिल्ली में भारतीय रिक्स्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीख अभैल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे पह विद्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार पृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में शस्तिक हम्म स्मित्र कर से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध——

- (1) प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (देविका टावर), ल । खंड, णीतला हाउस, 73-74, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स बायर कोड दिल्ली प्रा० लि०, हैंड श्राफिस, 707-712ए, विरमजीव टावर, 42, नेहर प्लेस, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

## भन्स्ची

क्नेट नं ० 1411, देविका टावर, ७, नेहरु घ्लेस, नई दिल्ली; क्षेत्र 465 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : -26-11-1986

如此 本旗"、君、诗人、腹性、一·

भागानाम जागा-भीना । ३६५३ । १५**६१ का ४३) की** परागर १८५८ का २४१ की सम्बन्धिय

-with in seathfully

**ब**श्यन्ति । अक्षर ३ अवर पर अवन्त्र जेन**रीक्षण**}

श्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 नवस्त्रर 1986

निदेश संबंधाई० ए० सी० /एक्य्० 1/37ईई/4-86/2931— श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नामकर अधिनियार . 1964 (1961 का 43) विश्व इसमें इसमें प्रकाम (जन्म अधिनियम ग्रहा गया है), की धारा एका के जी नर्धीन सक्ष्म प्रशासकारी को गह विश्वसस करने का जारण है कि स्काप एक कि प्रकार अधिक सक्स 1,00,000 गा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं व पलेट वं व 1412 है तथा जो देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनृश्चनी में पूर्णरूप से विणित है), स्रायकर स्विकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायक तथा (निरीक्षण), प्रजीतरें ज,-1, नई दिल्ली में भारतिय रिजिस्ट्रीकरण प्रिविचियस, 1961 के प्रधीन, तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मुल्य से कम को एरयमान प्रियान के लिए अन्दर्भर की गई है और मध्ये यह किश्वास करने का उत्तर्भ हो कि अवाधनीक अभिनिष्य के ब्रियान अध्याद मुद्द, के कि अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बनारिश्यों) के बीच शूर्य अल्पूरण को निष्य हुए प्रायम गर्मा प्रायम कम निक्कालिए इंग्लंब ए में स्वस्तु कर्मण किश्वेसक में मानस्थित

- (क) जन्तरण में हाई किसी जाय की बाबस, उन्स मिनिसमा के जनीन कर की के अन्युक्त रे शांकित में कमी कर यह विभाग के शिक्त की राष्ट्रिका के रिकाम वर्षेट/भा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) ५: उच्च अधिनियम, या अन-कर अधिक्रियम, १०६, ११९३७ को प्रयोजनार्थ अकरियमें प्रवास प्रकार नहीं किया गया का किया आता साहिए था, खिलाने प्रवासकार के निर्मा के सिरा के निर्मा के सिरा के निर्मा

(1) प्राप्ति अस्टुबल्य रामापि, चौद्धा प्राप्त, भीत्रका हाउमः १३-१४ सत्क विस्त, सुद्धे दिवसो ।

(१३ल्नरकः)

(2) ने क्षे प्राप्त कोए दिल्ला एक जिल्ला हैंड आफिसे, 700 2) 2 ए, जिल्ला हैंड टावर पड़, बेहर जेंस्स, सर्व दिल्ला।

(यन्नरिती)

करें यह जुड़का जामी कारी वर्षीयन संगानित है। की या रेल्स् वर्षांक्षिके करका हो।

उक्त सम्बद्ध के अर्थन के सम्बन्ध मी कार्ज भी आक्षेप :--

- (क) इस संख्वा के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्वीयेधी व्यक्तियों पर स्वता की नामीत स 30 दिन को शर्था, की भी अवधि बार् के असाम होती हो है कि असे को व्यक्ति मा में असे अधी व्यक्ति च्या ते.
- (क) या म्हास के राज्या मी प्रकाशन की नार्याय से 45 किए के भीतर कि ग्याप्यास सम्बोध मी हिन-न्यूय किसी क्षा योग अपन, टाइड का की दास विकेट की कि के किए के

स्याद्धीत्मस्य ---इसमी प्रमुख्त करने और पन्ने का, जो अक्त प्रोधीनयस्य, के अध्याप 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय मी दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 1412, देतिका टावर, 6, नेहरू प्लेस, गई दिल्ली । क्षेत्र 550 वर्ग फीट ।

> शारः पीर राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अस्त्रेन रेंग्ना, नई दिल्ली

अतः अब, जञ्ज अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, भैं, जञ्ज अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--7--416 GI/86

to the section of the contract of the section of th

तारीख: 26-11-1986

मोहर:

Control of the Contro

# प्रकथ आहे.टी.एन.एस.-----

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासर्थः, सहायक गामकर नामृतः (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

निदेण सं० भाई० ए० सी० /एन्यू० 1/37ईई/4-86/ 2932—अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1.00,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 1413 है तथा जो देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान धितक्त के सिक् बन्दरित की नद्द हैं जोर मुक्ते यह किन्दा खरने का कारण है कि वधाप्त विकास कर खनित बाजार पूर्व, उसके दृश्यमान प्रतिकास से सूचे खन्दान प्रतिकास के दृश्ये खन्दान प्रतिकास के दिन्द प्रतिकास से बिक हैं जोर बंदरका (अंदरका) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काश्त नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दक्षियल में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा आर/या
- (था) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा जन्य जास्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजशार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए मा, किया में सुविधा से किया

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, अवस अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निक्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थीत क्रि--

- (1) प्रगति कन्स्ट्रक्णन कम्पनी देविका टावर, चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरु प्सेंस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मेससं वायर कोंड दिल्ली प्रा० लि०, हैंड आफिस, 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से. 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर्ये. सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तिसाों में से किसी अवस्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नायकर काधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया का है।

#### जसस ची

फ्लेट नं ० 1413, देविका टावर, 6, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ः क्षेत्रफल 465 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

#### शास्त स्रकाह

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० /1/37ईई/4-86/29-39--श्रतः मझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 913 है तथा जो इन्टरनेणनल ट्रेंड-टावर, नेहरू प्लेस, होटला, लि० नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णकृप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1961 के ग्रंधीन, तारीख ग्रंप्रैल, 1986

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के स्पिए अन्तरित की मधुं हुँ और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण हुँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान प्रतिपत्त में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक हुँ और अंतरक (अंतरकों) भार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हुँ:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुलिए के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बी॰ एस॰ संधू एण्ड एसोजिएटस प्रा॰ लि॰, 16, कम्युनिटी सेंटर, 3 फ्लोर, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई-दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) जरीन भसीन पितन भ्रार० के० भसीन, पुत्र भ्रार० के० भसीन श्रौर मास्टर ग्रजुन भसीन सुपुत्र भ्रण्डर गार्डन-शिप श्री श्रार० के० भसीन निवासी-32, हेमकुंड, कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भूर करता हा।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बासपे 🏗 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण: -- इसर्ज प्रयुक्त अस्तो और पर्दा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सूची

फ्लेट नं० 913, इन्टरनेशनल ट्रेंड टावर, नेहर प्लेस, होटल्स लि० नई दिल्ली। फ्लेट एरिया 726 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-9-1986

मोहर:

Brand Brand Comment to the Comment of the Comment of

परूप लाइ<sup>ड</sup> भी एन एस . ---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) को अधीन मचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्वर आध्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई िल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /4स्यू० /1/37ईई $/4-36/2996—स्रत: मुझे. ग्रार० पं<math>\epsilon$ ० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विद्यास करने की अधिक हैं। है जिस सम्प्रीत, जिसका अधिक राज्य राज्य पर्वाप करने की का 190,000/- छ. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं ० लेके नं ० 1407 है तथा जो देविका टावर, ६, तेहरू प्लेश, नई िल्ली भ स्थित है (प्रोर इपसे उपादद्व प्रनुसूची से प्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), आयकर प्रधिकारी के कार्योलय, जायक प्रायकर सायकर सायकर

- (क) बतरण से हुए किसी बाब की बाबसा, उन्नय अर्थक-नियम के अभीन कर तोने के जीतरक के साधित्व में कमी करने या जससे बचने में मृत्यि। के लियु; और/अर्थ
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन मा अन्य शति वा वा भेत निर्देश स्वकरों से अपन्य अपने प्रतिविद्य के कि (१९९८) क्या १६० मा अपने वापनिष्य के प्रतिविद्य के विद्या किसी समस्य जन्म नहीं किस्त १६० मा सा विश्वमा भागा माथिए मा फियान माँ स्विधा के लिए।

कतः अवः अवित अधिनिधम का बारा उत्तत ए के अनुप्रण में . में , उक्त अधिनिधम की धारा २६९-छ ती उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 4था खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नहरु कोन, नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भेसर्स धायर कोड दिल्ला प्रा० लि०, हुँड आफिस, 707-712-ए, चिरनजीय टावर, 43, नेहरू प्लेस, रिनर्हित्ली।

(ग्रन्तरिती)

के यह गुजना गरा कन्क पृथिकत क्षम्यास्त के जानेन की लिए ू ार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- क्षा इक नका कर मध्यपण को एकाका की सारीच छं उद किन को अनीच मा तत्कान्वन्धी क्यक्तियों पर स्थाना की दायील से 30 दिन की समीच, जो भी नव्या नाम पें समाप्त होती हों, के जीतर पर्योका न
- (थ) इस मुख्या के र क्षांत के क्षांत्रक की सारीच में कि कि की भीतर उक्षा स्थावर मम्पत्ति को हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के पास सिमाल में किए का स्थावित के

न्यक्तीकरणः ---- क्षम प्रमुक्त काव्यां और पथी का, को जन्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिशापित हैं, यही अर्थ होगा को एक कथान को किया वक्त हैं।

# अनुसूची

फ्लेट नं ० 1407, देखिका टावर, 6, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली क्षेत्र 560 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

The state of the s

THE THE HE WAS THE COME THE

क्षणकार जोग्हेनाव्यः, १९५५ र १५८ द्रा ४८ ४५ क्षणा १८६का १५८ से अभित राज्या

## ATTE STATES

## बर्गाहरू, सहस्रक गामकार मान्वस (निर्दाक्तक)

श्रजीन रेंज-1, नई पिल्ली नई 14ल्ली, पिपार 26 नंशस्त्र 1986

निर्देश सं० आई० ५० सी० / শূপ্যুত 1/37ईई/এ-86 /2997—अत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

अस्थित अधिकित्यम, 1961 (१८८) तम (४) (१८८ अस्य १८८) (१८८ अस्य १८८) (१८८ अस्य १८८) (१

ग्रीर जिसकी संव पलेट संव 1408 है तथा जो बेबिका हाइर, 6, मेहर प्लेप, सई फिल्मी में स्थित है (त्तीर ह से प्रमावस शनुस्वर में ग्रीर पूर्ण ध्य से विजन है), पानकर व्यवस्वर के प्रमाव प्रमाव है, की प्रमाव ग्रीप्यकर ग्रायकर प्रायक से प्रमाव प्रमाव प्रमाव प्रमाव प्रमाव प्रमाव प्रमाव प्रमाव ग्रीप, 1981 के प्रभीत, नारीख ग्रायी , 1986

को पूर्वित गामिश के शिवन गामिर क्रिय म कान के हर्यमान प्रियमिन के विद्या मन्ति के शिवन के स्थान प्रियमिन के निर्माण के स्थान के

- (क) त नरवा स तुन् किलो काण ली बावरा, उत्तत अधिनियम के अधिन कर दाने भी अंतरक के शोधरा भी कभी कारने या सनस बचन मी स्विधा ही जिए, काण का
- (का) एसी किसा आय या किसी धन या अस्य आसिराओं कां, जिस्हें भारतीय अध्यक्षर किश्वित्यस, १५२५ १६५८) की ११० २ १ १ १ १ अन्नकार विधानिक्य, १५५७ (१५५७ का १८) की १८०१ (१५८० का प्रतिकार असी स्थापन का स्थापन का स्थापन विधान

जतः जब, उत्तर अधिनियम की जरा ३६९ थ है अनुसरण भी, मी, उत्तर अधिनियम की धरा ४०० को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

and the second of the second o

(1) भैपर्स प्रसति कस्स्ट्रवशन कम्पनी, 4 था खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, तेहरू ध्वे , नई हिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं बाधर कोड डिल्नी प्रा० लि०, हैंड ग्राफिस, 707-712-ए, चिप्तजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का बहु स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पांश के अजन के जिसे कारणिकां स्क अस्ता हुं।

उरम्स सम्बन्धि हर अज्ञास की द्रश्यास्त्र भा गाफी भी हाक्षीय . 🗵

- अब सूचना के राज्यपत्र माँ प्रकाशन का तारीच चँ 45 दिन की जमीत था तत्सम्बन्धी व्यावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि ना माँ सभाष्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति तुवात;
- (ध) इस ्थर। के राजपंज में अकारात के तालांक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्ति में हित-ब्रुथ किसी व्यक्ति द्वारा, अमहिस्याक्षरी के पास विकित में किए जा सकींगे।

# अनुस्वो

Ŋ

फ्लेट नं रायक्ति विका टायर, 6, नेहरू प्लेख, नई दिल्ली । क्षेत्र 440 वर्ग फीट ।

> स्रार० पी० राजेश - अक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली

and the second section of the second section is a second section of

नारीख: 26-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1986

श्राई० ए० सी० /एक्यू० /1/37ईई/4-86-2**9**98/ भ्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

धावकर का प्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इतक प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिल्की सं० फ्लेट नं० 1406 है तथा जो देविका टावर, 6, नेहर प्लेश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय, बहायक श्रायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख श्रुप्रैल, 1986 को पूर्वोक्स सम्पिक के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपात्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रीतंशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया श्रीतफल किम्निलिखत उद्दर्थ से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तियक रूप से कथित नही किया गया रु :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीव :---

 $(\gamma_{i,j}) = (\gamma_{i,j})^{-1/2} = (\gamma_{i,j})^{-1/2} (\beta_{i,j})^{-1/2} (\beta_{i,j})^{-1/2} = (\beta_{i,j})^{$ 

- (1) प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 4था खण्ड, शीताल हाउस, (देविका टावर), 73-74, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मेंसर्स वायर फंड दिल्ली प्रा० लि०, हैंड ग्राफिस, 707-712-ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

कां यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तनी अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया

## अनुसूची

फ्लेट नं० 1406, देविका टावर, 6, ने<mark>हरू</mark> प्लेस, नई घिल्ली ।

श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

प्रकथ जाडी ही कम एस 👵

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ष (1) के अधीन मृख्या

भारत सरकार

# कार्यासय, बहायक माजका बावुका (विरीक्षक)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/2999 श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार स्थाय 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो फलैंट न० 1405, देविका टावर, 6, नेहरू पलेम नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाब ग्रमुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) ग्रायकर ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1961 के श्रथीन तारीख ग्रप्रैल 86

को प्रवेकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विषयाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-छल, निम्निसिद्द उद्देशक से उच्त अन्तर्थ लिक्ति में बास्ति वर्ष से कायत है के स्वारत से कायत नहीं किया गया है के स्वर्ण के लिए तस से बास्ति वर्ष से कायत नहीं किया गया है के स्वर्ण के स्वर

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उक्त व्यक्तिनम वी नपीय कर दोने के बन्दरक के दावित्य में कमी करने दा बत्तर बखने में स्विधा के दिश्य; बहि./मा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा अल्य जास्तियों को विन्हें भारतीय जाब-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर व्याधिनियम, 1957 (1957 को 27) से अधीयनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बंबा था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

(1) मेसर्स प्रगति कन्सट्रकशन, कस्पनी चौथा खंड, गीतला हाउस, देविका टावर, 73--74, नेहरु पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वायर कोंड दिल्ली प्रा० लि० हेड स्नाफिस 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु पलेस नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष 🏗

- (घं इस श्रचना के राज्यक कें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (क) इत स्थना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्नारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिलिश में किए वा सकतें।

स्पष्टीकरण :----हसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

फलैंट नं० 1405, देविका टावर 6, नेहरु पलेस नई दिल्ली क्षेत्रफल 325 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजे**ग** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

ang pangang beranda ang kalanggan beranda ang kalangga kalangga beranda ang kalangga kalangga kalangga kalangg

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~

and the time of the state of th

तारीख: 26-11-1986

मासकर व्यथितियम, 1961 (1981 का 43) को

कार्यालयः सहायक आयकार आयुवत (निरीकाण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवस्त्रः 1986 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्शृ/1/37ईई/4-86/3000 भ्रतः मुझे, भ्राङ्ग पी० राज्ञेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमा इसके प्रभापत अक्त अभिनियम' कहा एमा हु"). की आरा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का प्रमारण है कि स्थावर अधिक, जिसका अधिक एकार अस्थ 1.00.000/-रा. ये अधिक है

और जिसकी सं० हैं तथा जो फर्ट्ट नं० ,1404, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) आयक अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर ग्रायुक्त (निश्लिण) अर्जन रेंज1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्राधितियम 1961 के श्रधीन तारीख अप्रैल 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार ज़ल्य में क्रम के क्षण्यात्ति अतिकल के लिए। अन्तरित की गई है जाँर मुखे सह विश्वास करने का कारण के कि यथान्वीकत संपत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध रंग से उसते बुतारण लिखित में बास्तिबक रूप से को कम नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उब्त बिधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायिल में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या

अत. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (१) प्रापि राज्यस्यानायन प्रम्पनी देखिका टावर चौथा खंड, पोक्या प्राज्य, 73~74, नेहरू प्रलेस, नई र्यक्ति।

(अन्तरक)

(2) मेनर्प राप्तः होंड दिल्ली प्रा० लि० हेड आफिस 797-712ए चिरनजीव टावण, 43, नेहरू पत्तेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

कारों १५ क्षा<sub>रिक</sub> का १६६ वर्ष के की की **भाषाभा**रत कर **पंजांध की दिला**।

जन्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (त्रः) इस स्वान्धा के राजपन भी प्रकाशन की तारीस से तह दिन नहीं अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर १०११ १० हो भेटा है है। हो की अवधि भी मी रही राज के में भरता है निहें हो की भीता प्रकारण
- (क) दस र तेन की कालग्र की अकाश्वन की वार्ताल र 45 दिन को भीतर उपनेत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहन्तकारों के पांध किसी को किसा वा सकीयो।

ाल्यांकियात्राक्षा तथा प्रयुक्त श्रम्याते स्वीत प्रवाति स्वात् स्वा नास्त्र अध्याय 20-क में परिभाषिक स्वाति स्वात

## ग्रनुसूची

क्तभैट पं० 1404, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> श्रा∀० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

वारीख: 26-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

LEG TO THE PRODUCT OF SECURITY OF SUBJECT OF SECURITY OF SECURITY

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एनप्/1/37ईई/4-86/3001— प्रत: मुझे, प्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का जीएण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 - राज से अिक है

और जिसकी सं० ्रेंह तथा जो फलैंट नं० 1403, देविका टावर, 6, नेहरु पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अप्रीन तारींख अप्रैल 86

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं तिकया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मैमर्स प्रगति कन्स्ट्रकथन कम्पनी, चौथा खंड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)

Carlo sulfar campumentari sepan alban illigati, pelini cali alla illigati.

(2) मेसर्स वायर की डं दिल्ली प्रा० लि०, हेड श्राफिस, 707-712ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसं अध्वाय में विया गया हैं।

#### जनसूची

फलैट नं॰ 1403, देविका टाइट 6, नेहरू प्लेस नई दिल्ली क्षेत्र 370 वर्ग फीट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/137ईई/4-86/3002 श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० 1401, देविका टावर, 6, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाब ब अनुसूची में और पूर्ण रूप , वर्णित है )आयकर अधिनियम के कार्यालय सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 86

को पूर्वोंक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई हैं और मूक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्तत अधिनियम क्री धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 (1) प्रगति कन्सट्रकशन कम्पनी, चौथा खंड, शीतला हाउस, देविका टावर, 73-74, नेहरु फ्लेस, --नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्सा वायर कोंड दिल्ली प्रा० लि०, 707-712 ए, चिरनजीव टावर, 43, नेहरु प्लेस नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कित संपह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त संपर्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया ही।

# **प्रन्**स्ची

फलैट नं० 1401, देविका टावर, 6 ने हरू पलेस, नई विल्ली, क्षेत्र 460 वर्ग फीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम् प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई विस्ली

तारीख: 26-11-1986

माहर:

# प्रकृष आहें.दी.एव.एवं. हर्पण्यसम्बद्धः मानकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के मंधीन मुक्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 26 नवम्बर 1986

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/4-86/3003:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-फ. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या है तथा जो पलैट नेतृं 1402, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत की ) जिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय आयकर अधिकारी के कार्यालय आयकर अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1986

कुत पृथिकत भक्ष्मित के उण्यत बाजार मृत्य से कम के अवमान शितकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथिकत सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिकल से, एसे रूपयमान प्रतिकल के पंद्रह् तिशवत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए उप पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण निनित्त में वास्त्रियण रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनसरण से शुरू जिस्सी भाग की शान्स, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक की बाहेशस्य से कभी अस्ते या उक्के बच्चने में सुविधा के शिए; बाह्य/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,-जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा खें किए.

भारा अब, उन्स अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण, मी, मी अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) कुश्यत, जिल्हीतिक व्यक्तिक्षी, वर्षांत ——  प्रगति कस्ट्रक्शन कम्पनी चौथा खण्ड शीतला हाउस, (देविका टावर) 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स वायर कोड दिल्ली प्रा० लिमि० हैड भ्राफिस 706-712 ए, चिरनजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

न्धे मह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के बर्धन के दिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राधपण में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, यो उपत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### बन संची

फ्लैट नं० 1504, देविका टायर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली क्षेत्र 400 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेण, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंजः 1 नई दिल्ली

दिनांक: 26-11-1986

मोह्रर:

# प्रका बाह्, टी ् एन ु एस् । मक्तार विकास

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### नारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-4, नई विल्ली

नई विस्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1986
सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-86/3019:-ग्रत मुझे, ग्रार० पी० राजेश,
अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात 'उक्त विधिनयम' कहा गडा है), की भारा

इसके पश्चात् 'उकत वीधिनियम' कहा पता हैं), की भारा 269-च के विभीत संक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उजित बाबार भूस्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या है तथा जो जी० एक-2 बिल्डिंग नं० 53-54, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली है,) रिजस्ट्रीकर्ली अधिकारी के कार्यालय सहायक आवक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भार कि जिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके स्थममान प्रतिफल सं, एसे स्थममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (वितिरितियों) के बीच एसे संवर्ष के बिए तम पासा गया प्रतिक क्या विश्वास के स्थम स्थापिक के बाकारिक स्थापिक के सामानिक स्थापिक स्थापिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उनक अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अस्तिरियो द्वारा श्कट नहीं किया एवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका को बिका;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बन्सरण हो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री राज वर्मा,
- 2. श्री राकेश वर्मा,
- रीता वर्मी,
   मिसेस बीना वर्मी निवासी ए 342,
   डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुनील श्यास और मिसेस सुशीला श्याल निवासी 27., ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

श्री क्ष्म क्ष्मुका बाड़ी करके पूर्वोक्स सम्पर्तित से वर्षा से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उन्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में खोड़े भी जानोप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त प्राजर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित के फिए जा सके थे।

स्थळीकरण र ज्या प्रमुख्य कर्मी कहि पयो का, वा उपल विधिनियम के वश्याय 20 क वे परिकारिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसू जी

शाप फ्लैट नं० जी० एफ 2, तादादी 612 वर्ग फीट बिल्डिंग नं० 53-54 नेहरू पलेस, नई दिल्ली

> भ्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-9-1986

प्रकर आहें हो एक एस : \*\*\*\*\*

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## मारत शरकार

कामालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

स० श्राई० ए० सी०/डब्ल्यू०/1/37ईई/4-86/3037:— श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधि सक्षम प्राधिकारी का यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लैंट मं० 421, 370 वर्ग फीट, चौथा खण्ड देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विश्त है), आयकर प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण), प्रजेन रेंज 1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 अधीन, तारीख प्रप्रैल, 1986

को पूर्वोत्रक्ष सम्मित्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा धूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वंतरिती (अंतरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्रिक रूप से कथित महो किया गया है

- (क) अन्तरण के हुई किसी अध्य की जावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायस्य में कमी करने या उससे अचाने में सुर्दिशा के लिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी अगर या किसी बन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

अतः अव, उक्त आंधितियम की धारा 269-ग कं अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सी० एन० ए० पीजे एक्सपोर्ट प्रा० लिमि०;
 227, ओखला इण्डस्ट्रियल, एस्टेट,
 फैंस-3, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 एक्लव्या होल्डिंग प्रा० लिमि०, 107, प्रग्नवाल हाउस, 35-36, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं अपिक्तयों पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्युची

प्लैट नं० 421, तादादी 370 वर्ग फीट चौथा खण्ड, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

ग्नार० पी० राजेश, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण); श्रजेंन रेंज--1, नई दिल्ली

भ्रज

तारीख: 26-11-1986

# वस्त्र वार्<u>ष्ट्री. एव . एस . स-- गर्</u>गा

# नायकर अभिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सचीन सूचना

## नाया सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

सं अप्तर्ष ए० सी ०/डब्ल्यू ०/1/37ईई/4-86/3038:---ग्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैंट नं० 423, 385 वर्ग फीट चौथा खण्ड, देविका टावर, 6, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय सहायक प्रायुक्त िरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन, तारीख अप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाकार मृत्य स कम के दलस्मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अभ्वरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वरेष से उक्त बन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है

- (क) अन्तरण से धुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें अरतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिक्षी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था. कियाने में सविधा के लिए;

अतः अभ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः :--- सी० एन० ए० पी० जे० एक्सपोर्ट प्रो० लिमिटेड,
 227, ओखला इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
 फेस-3, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स एकल्वा होल्डिंग प्रा० लिमिटेड , 107, ग्रम्याल हाउस, 35-36, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना बारी करके पृथ्वेक्ट सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्वन्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :-----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथीं से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. कही वर्ष होगा धो उस अध्याय में दिया वया है।

पलैट नं० 423, ताबादी 385 वर्ग फीट, चौथा खण्ड, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1,नई विल्ली

तारीख: 26-11-1986

## BANK MAR - ME . CAR ! THE ! COMMENTERS

#गण्डार विभिन्नियम, 1061 (1061 ला ८३) ली भाषा 760-च (1) को संचीर स्वाप

## मारत सरकार

# कार्बाजय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्तक) ग्रर्जन रेंज-7, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 सं० ग्राई० ए० सी० डब्ल्यू०/7/37ईई/4-86/545----ग्रत: मुझे, वी० के० भंगोत्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रूपमें सं अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो प्रापर्टी के 34 सी कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख श्रील, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके स्थमान प्रतिफल है, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताों) के बीच एसं अन्तरक (अन्तरकों) सीर अन्तरिती (अन्तरिताों) के बीच एसं अन्तरक से लिए सप्य पाया अध्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क), अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त वर्तिषीनकम के बधीन कर बोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी बाव वा किसी धन वा अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने से सुनिया खें किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—— गृश्रीमृती आज्ञावती पत्नी सलदेव नाथ द्वारा एटोरनी श्री स्तीण सेठ सुपुत श्रार० सी० सेठ जी-1/16, श्रंमारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गीता गोपाला कृष्त पत्नी श्री एम० जी० के० पिल्लै निवासी-बी-2, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## उक्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोर्द्ध भी नामांच 🛭 🖚

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताम्लि से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकने।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया सथा है।

## अनुस्पी

प्रथम खण्ड का भाग प्रापर्टी नं० के-34 सी, तादादो 373 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

> वी के० मंगोता, सक्षम भधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-7, दिल्ली

दिनांक: 11-12-1986

# प्रकथ बाह्युद्धी पुरान्त्र सुन-------

# हाबक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारत 269-मु (1) में सभीन स्माम

#### ATTE TTER

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-7, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/583:— अत सुझे, बी० के० मंगोल्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ह 69 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह निश्चाद करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्री जिसकी संख्या है तथा जो दूसरा खण्ड प्रापर्टी एम-66, तादाद 196 वर्ग गज ग्रैटर कैलाश-1 मार्किट नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणित है), सहायक श्रायकर श्रीयुक्त निरीक्षण श्रजेंन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनयम, 1961 के श्रधीन तारीख श्रग्रैल, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की नहीं ही बीर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दक्यभान प्रतिफल से, एसे दक्यनान प्रतिफल से नन्द्रह प्रतिकात से कांधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए ह्य गया गया प्रतिफल, जिस्नितियों के बीच एसे बन्तरण से लिए ह्य गया गया प्रतिफल, जिस्नितियों करिया गया ही:—

- (क) अन्यरण से हुई किसी बाय की बावसा, सबस निर्मानका की स्थीत कहा यो में शन्तकक सी वाजित्व में कभी करने ना सबसे म्यने में स्विका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. फिल्हों भारतीय बाय-कार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिवियस, या धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगना अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया बाना वाहिए था, कियाने के निए;

क्तः वन, उपन निधिनियम नी भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उपन अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री भूषन कुमार उप्पल सुपुत्र डी-73, पंचणील एंकलेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मास्टर धनुराग प्रग्नवाल द्वारा पिता राम प्रकाश श्रग्नवाल ग्रौर मिसेस नेती श्रग्नवाल पत्नी विनय श्रग्नवाल द्वारा प्रकाश कोल्ड स्टोरेज बदांयू (यू० पी०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आइसेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राषपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्**स्ची

दूसरा खण्ड प्रापर्टी णं० एम-65, नादादी 196 वर्ग गज ग्रैटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रद्भक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–7, दिल्ली

दिनांक: 11-12-1986

मोहर 🗧

# शक्ष आर्द्, हो . एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहस्रार

कार्यासय, महायक कायकर बाब्यत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-7, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

सं० श्राई० उए० सी०/एक्यू/7/एस० श्रार-3/4-86/529-श्रतः मुझे, थी० के० मंगोन्नी,

जायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसफें पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

्रग्रौर जिसकी संख्या है तथा जो प्रापर्टी नं० एम-36, ग्रैटर कैलाग-2, मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रप्रैल, 86

को पूर्वोक्त सस्मत्ति को उचित भाषार मूल्य सं कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए नंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का का कारण हो कि स्थाप् के किस सर्पाल का अधिक बाजार मूल्य, उसके स्थापन प्रतिफल सं, एसे स्थापन प्रतिफल का विश्व का प्रतिफल का विश्व हो और जंतरिती को स्थापन स्थापन प्रतिफल के लिए तथ पाना प्रया प्रतिक का जोति के सिंग क

- (कः) अन्तरण संक्ष्य किसी आयं की बावत, अवस विविद्यम ती अभीत सार पाने से अन्तरफ के दासित्य मों कभी कारने या उससे अचने मों सुविधा को लिए; और/या
- (का) एसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतिय आय-कर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिक अपिक्समीं, अधीन 9—416 G1/86

- मैसर्स माल्हन बिल्डिरस ई-588, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स किनका एक्सपोर्ट्स द्वारा मिति स्वर्ण सेठिया पत्नी कमांडर पी० पी० सेठिया एस-220, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां ६ तो हुं।

# उथल सम्परित के वर्जन के संबंध के कोई भी भाक्षण ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नगिष मा तत्वान्य भी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के किसी व्यक्ति इवारा;
- (म) इस सुमना की राज्यम्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्वावर सम्भीता में हिटबप्र किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनिदम दे अध्याद 20-क में परिजाविश है, वहाँ अर्थ होगा, जो उत्त अध्याद में दिना गया है।

## अनुसूची

एफ-36, ग्रैटर कैलाश-2, मार्किट, नई दिल्ली कुल पलाट क्षेत्र 195 वर्ग गज।

> वी० के० मंगो**हा**, सक्ष**म ग्रधिकारी,** महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-7, दिल्ली

दिनांक: 11-12-1986

I organizació

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस श्रार-3/4-86/582:-श्रत मुझे, बी० के० गंगोत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

श्रौर जिस्की संख्या है तथा जो प्रापर्टी मं० एम-66, ग्रैटर कैलाभ-1, मार्किट, नई दिल्ली 196 वर्ग गज है तथा जो प्रापर्टी नं० एम:66, ग्रैटर कैलाभ-1, मार्किट, नई दिल्ली 196 वर्ग गज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986

को प्वांकित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकित संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण े. में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री भूषन उप्पल सुपुत्र स्वर्गीय मुल्क राज उप्पल डी-64, पंचशील एक्लेब, नई दिल्ली।
- 2. राम प्रकाश अग्रवाल बिगेर (एच० यू० एफ०) द्वारा प्रकाश कोल्ड स्टोरेज, बदायू यू० पी०।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी-अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकनो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्रथम खण्ड प्रापर्टी एम-66, ताबादी 196 वर्ग गज ग्रैटर कैलाग भाग-1 मार्किट नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायु<del>य</del>त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीखा: 11-12-1986

## अक्ष्य वाह<u>ें :</u> टी., पुन<sub>े</sub>, पुत्र . ....

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 सत्र 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्थाप

## भारत संस्कार

कार्यासय, सहायण भागकर नायुक्त (रिनर्जिक)

भ्रजीन रेंज-7 नर्ष विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 दिसम्बर, 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०डब्ल्यू०/7/एस० श्रार-3/4-86/539-श्रतः मुझे, वी० के० मंगोत्ना,

बावकर विभिन्यम 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारक है कि स्वादर बस्मति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो मकान नं० सी०—106, ग्रैटर कैलाग—1 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986 को पूर्वोंकर सम्यक्ति को उचित बाचार ब्रस्त से कम के क्यमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाचार मुक्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह श्रीतकात से विभिक्त है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया प्रवा प्रतिक्त फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या बच्च आसितवीं, की, विक्रं भारतीय जायकर सीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, विकास वा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वामा जाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;
  - कतः कव, उका विभिन्नियम की भारा 269-म की, कन्तरम में, में, उका विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री जगमोहन सिंह वियल, सी०-106, ग्रैट कैलाश-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद खुराना ग्रौर मिसेस भर्चना सलुजा 12/5, डब्ल्यू० ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इन्द्र सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारते हुनन

- (क) इस सूचना के रायप को प्रकासन की तार्रांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की सवधि, यो ती अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाह सिवित में किए वा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त कव्यों और प्यों का, को उपस वीभिनयम को बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होना को उस बच्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मंजिल मकान नं० सी०-106, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048-300 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंजें-7, नई दिल्ली

दिनांक: 11-12-1986

प्रकार सार्व 👸 हों , एन , एक ,-----

नायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) नी धारा 269-म (1) के नधीन स्वया

#### भारत बरमर

# कार्यांचय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/डब्ल्यू०/7/एस श्रार-3/4-86/ 553—श्रत: मुझे, वी० के० मंगोता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके परवास 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निष्नात करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो प्रथम खंड, रियर भाग प्रापर्टी नं के 34सी तादादी 373 वर्ग गज है तथा कैलाण कालोनी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता धिंधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल, 1986।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल है, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तम पावा नमा शिक्का, निम्निशिवित उद्योक्त से उक्त बन्तरण विश्वित में शास्त्रिक कर से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की नानता, उनता वीभीनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दामित्म में कभी करने ना उत्तवे वभने में सुनिधा के लिए; मौर/या
- (व) ऐसे किसी नाम मा किसी धन या जस्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का प्रतियम, का किया जाना जाहिए था, जियाने भी सुजिधा की किया

भतः सम्, उनतः अधिनियमं कौ भारा 269-न सै जनसरमं तो, मी, उनते अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्निसिय व्यक्तियों, समृत्यि हम्मन  श्रीमती श्राज्ञायती पत्नी बलदेव नाथ द्वारा जनरल एटोरनी सतीण सेठ जी-1/16, दिरया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मिसेश गीता गोपाला कृष्णन पत्नी एम० के० जी० पिल्लै वी-2, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

धनतः सन्गरितः के बर्जन के जन्मन्य में आहे जी आहोत 🏖 🥕 🤊

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 व दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे वा सकते।

स्थकोकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्ना मौर पदों का, को इस्त विधिनयन के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं नर्भ होगा को उस अध्याय में दिया नया ही।

## अनुसुच्ची

प्रथम खण्ड रियर पोरशन प्रापर्टी नं के 34 सी तादादी 373 वर्ग गर्ज 1 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली

> वी० के०पंगीता. सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, **नई दि**ल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986 निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू 7/एस ग्रार०-3/4-86/ 530---ग्रतः मुसे, बी० के० मंगोल्ला,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो प्रापर्टी नं० एस—
244, ग्रैटर कैलाण—2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे
उपात्रक अनुसूची में श्रीर पूर्ण कुछ से विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रील, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल को एंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री देव दत्त शर्मा, सुपुत्र स्वर्गीय पंडित दौलत राम निवासी 22 जी, पाकिट कें, शेख सराय फेस-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीता कुमार पत्नी श्रथवनी कुमार निवासी एस०-172, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप अमें प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

धरातल खण्ड श्रौर बेसमेंट प्रापर्टी नं० एस-244, तादादी 300 वर्ग गज ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेंज ७, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

# THE REAL PROPERTY AND PERSONS ASSESSED.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) में स्पीन सूचना

# कार्यासम् , सङ्घायक बावकार बाव्यतः (निरोक्षक)

श्चर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 11 दिसम्बर 1986.

निदेश संभ्राई ए० सी०/एक्यू०/7/एस भ्रार--3/4-86/536:---भ्रत: मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चार 'उसत मिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित साधार मूच्य 1,00,000/- रु. से मिथक हैं

1,00,000/- रं. सं निषक हैं
श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो सी-11 डिफ न्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986 को पूर्वेकित सम्पत्ति को उधित भाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है मोर मृक्षे यह विकास करने का कारल है कि यभाव्यों कत सम्पत्ति का उणित भाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल सं, एसे क्यमान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रतिकत से अधिक हैं और नन्तरक (अंतरकों) और नन्तरित (बंतरितिकों) से नीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा मृत्य प्रति-क्ष विकासितिक कुल के देवल सम्प्रत्य कि किए तब पावा मृत्य प्रति-क्ष विकासितिक कुल के देवल सम्प्रत्य कि किए तब पावा मृत्य प्रति-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की नावत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा की सिए;

कत जब, उक्त जिम्मिनयम की भारा 269-ग की अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) वै क्योग . निम्मितियिक व्यक्तियों स्वासीत क्रिक्त

- कर्नल रिटायर्ड ग्रार० डी० ग्राडवाणी, सुपुत्र डी० जी० ग्राडवाणी सी--11, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
- (ग्रन्तरक)

श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी
 इकबाल सिंह, श्री इकबाल सिंह
 सुपुत्र केशर सिंह
 डी-14/16, माडल टाउन,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उपन सम्बरित के वर्षात के बच्चन्य जी आहे. भी बाधांच ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अध्य स्थावर सम्मित्त में हिल्थ नव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी का पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सम्बद्धी

एक मंजिल प्रापर्टी नं० सी--11, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली। तादादी 325 वर्ग गज

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

तारीख: 11−12−1986

# अक्य बाई .डी. एन. एस. ---

# भागकर वीभीनयम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सुचना

## भारत चर्चार

# कार्यासम्, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

आधकर कि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो प्रापर्टी नं सी-59, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब स्थान सुची में और पूर्ण रूप वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख ग्राप्टैल 86

1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रप्रैल 86 स्त्रं पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित व्याजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्न से, एसे स्वयमान प्रतिपत्न के पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न , निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वत में वास्तविक क्य में किथित नहीं किया एया है :--

- (क) अभ्यारण से हुई जिस्सी जाय की बाबरा, उक्क अधिनियम की अधीन कर दने के अन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या अनकर विधिनयम, या अनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयां अनार्थ कन्ती रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आगा चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए;
- भतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गंगा सिंह सुपुत्र स्वर्गीय नरपत सिंह, बी-27, कैलाश कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) खुशीराम सहगल सुपुत्र स्वर्गीय महीन राम सहगल, निवासी सी-59, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत सम्मिस के नर्जन के संबंध में कोई शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक जें 45 दिन की अविभ या तरसंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदित स्थितता में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कट्यां गौर पदों कर, के उद्यु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स् ची

प्रापर्टी नं० सी-59, तादादी 325 वर्ग गण डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

मोहरः

# प्रकृष कार्याः, द्वीः एतः, एसः ----

# बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-म (१) में मधीन स्पना STATE STATES

# कार्यासन, सञ्चयक आयक्तर भावनत (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य्/7/एस आर०--3/ 4-86/527--- प्रतः मुझे, वी० के० मंगोला,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भक्तात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा, 269- के अभीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/⊬ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० बी-223 ए, ग्रेडर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे जपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धाविकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख **भ्रप्रै**ल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरममार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबॉक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, **उपके रम्**यमान प्रतिफल से, ऐसे रम्यमान प्रतिफल का पन्<del>त्रह</del> प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरम के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निकासिक्त उद्वेषयों से उन्त कम्तरण जिल्लेक हैं बास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया नया है क---

- (क) मन्त्रहरू से ह्रार्य किसी जान की बाबल, उन्त विभिन्नियम् स्रो वसीन कर दोने के वस्तर्यक के शक्तिस्व में सभी फरने या उससे बचने में श्विभा के लिए: भौहा/या
- 🐿 🕽 एली किसी जान या किसी धन या जन्म 🛎 🛠 🖎 लाई को जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या जनत मुधिनियम्, या धन-**कर वरि**न्सिन, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ जन्त्रिती बुधारा प्रकट नृष्ट्यी किया गया भावा किया बाना बाहिए था, कियाने में सनिका चे सिर्ः

व्यवश्यम , उभव मधिनियम की थाका 269-म के अनुसरक **बै, मैं**स **उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा** (1) चै वर्गान्, निम्नसिचित व्यक्तिको<sub>ण</sub> वर्गात ह—-

- (1) डा० टी० के० नन्दी पुस्त्र टी० पी० नर्न्दी, निवासी-223ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
  - फ'तेहचन्द्र, सपत्र (2) श्री ग्रार० एल ध्पर कैचाश –I धर्।तल खाँड, B-223ए, ग्रेंटर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन करे सारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से बिसी व्यक्ति दवाराः
- (ar) इत स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवास अभोहरूत:आर्टी के क्या मिक्ति । किए का उक्रें के अ

विधिनवंत के बध्याय 20-क में परिशाविष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में निका

## अन्स्ची

पूर्ण धरातल खंड साथ में चपरासी मकान प्रापर्टी बियरिंग नं०-223 ए, ग्रेटर कैनाग-1, नई विल्ली-1, तादादी 1500 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोब्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्ष ण) श्रर्जनरेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## प्रकृष बाह् , टॉ. एव , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) वे अधीन स्पना

#### माइत बहुकार्

## नार्थालय , सञ्चारक बायकर बाव्यक (निर्धिक)

श्रर्जन रेज-७, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/एस० श्रार०-3/ 4-86/532--श्रत: मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना

शायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसं इसमें स्वाध परवात् 'उस्त अधिनियम' सहा गया हैं), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० एस०-244, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इस उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्न रूप विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रप्रैस 1986

1908 (1908 का 16) के अधान ताराख अप्रल 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वयंत्र के स्वयंत्र प्रतिकास के लिए अंतरित की महं हुं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त स्म्मितित के उचित बाजार क्रूबा, उसके इत्यमान प्रतिकास से, एसे न्य शन प्रतिकास का कन्द्र प्रतिकात से अधिक है नीर बंत है (वां रका) बीर बंतरिकी (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरम के लिए तस पाया नवा बना प्रतिकात निम्नीवित सद्वोच्य ने स्वयं बंतरम विविद्य में सम्बद्धिक रूप से अध्यक्ष नहीं किया नवा है हिन्स

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिसत व्यक्तियों, अथित् :——
10—416 GI/86

(1) देशवत्त शर्मा, 22-जी, पाकिट के शेख सराय फेस-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० नी० मामक, एच० एस० मामक डी० डी०-33ए, कालकाजी एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के जिला कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति है वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप--

- (क) इब बुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

## अनुसूची

दूसरा खंड एस-244, ग्रेटर कैलाश-2, क्षेत्र 300 वर्ग गज 1515 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोलां सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई किल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निवेश सं अर्ध ए० सी । एक्यू / 7/37ईई/एस अर 3/4-86/533--श्रतः मुझे श्री वी० के० मंगीता **बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विश्वास करने का कारंण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000// रत. से अधिक हैं और जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० एस-171 ग्रेटर कैलाश-2, नई बल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के अत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पारा गया प्रसिफल, निम्नलिखित उत्दोषय से उक्त बन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में . मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन , निम्निसिखित व्यक्तियों , अभित् :—

- (1) ध्रमर नागन्थ सुपुत्र रणजीत नागर्थ द्वारा जनरल एटोरनी श्री सतीश सेठ सुपुत्र झार० सी० सेठ, निवासी जी-1/16, अंसारी रोड, दरियागंज नई विस्ली।
  - मिस्टर कृष्ण तनेजा सुपुत्र राम नुभाया निवासी ए-22, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्था करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दूसरा खंड प्रापर्टी नं० एस-171, सादादी 298 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राथिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निश्क्षिण) श्रर्जन रेंज–6, नई दल्ली

तारीख: 11-12-1986

## प्रकृषाई वी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### SIEG REWIS

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/7/एस० म्रार०-3/ 4-86/531--म्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना

इसको पर्वात 'उक्त अभिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-क को अभीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका स्थित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- और जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० एस-254, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रथिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1986 को पृथ्विक मपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए जंतरिश की गई है और मृष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिचत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निकत उद्यक्षण में उचत बन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--
  - (क) अन्तरण सं हुइ जिसी भाग की बाबत, उक्त किमिनियम के मधीन कर देने के बन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
  - (स) एसी किसी नाय या किसी धन ना नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिता ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया कारा वासहए था, जिन्मा में सुनिधा की लिए;
- कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अन्तरण भिमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अध्यतः निम्नालीकत अधिनत्वोः. अधिक :—

- (1) देवदत्त शर्मा सुपुत्र स्वर्गीय प० धौलत ाम, 22 जी, पाकिट के०, शेख सराय फेस-2, नई दिल्ली (श्रम्तरक)
- (2) मिसज मथू गुजराल परनी राजिन्दरसिंह, ए-15/17 वंसल विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिंसी)

को यह सम्मना जारी कारके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिध या तत्सं ती व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जबिध जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वृत्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्यान्स इवारा;
- (ख) इत पूचना के राजपण में प्रकासन की तारीख हैं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहा बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी अ पास निवित में किए जा सकोंगे।

#### वस्याची

प्रथम खंड प्रापर्टी नं० उस-244, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश, नई विरुली।

> वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) • ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7/एस आर-3/4-86/528---अतः मुझे श्री बी० के० संगोता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर निसकी सं 0 13 के है तथा जो कैलाश कालोगी, नई िल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विश्वति है), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख भ्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है ध-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्ननिश्चित व्यक्तियों, वर्षात :— (1) वी गुर्विया (पंजीकृत), उए/8सी, डब्लयू ए, करोल बाग, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरजीत सिंह जोहर, सुपुत्न ए एस जोहर सी-170, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्श सम्मेत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्प्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से , 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृष्ठीक्त के स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पटकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उधत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

के-13, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (एक मंजिल)

वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) श्रंजेन रेंज–7, नई दिल्ली

तारीख 11-12-86 मोहर: प्रकृप बार्षः ही . एन . एस . ------

## नानकर वीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नधीन स्वना

#### नार्व करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/7/एस म्रार-8/4-86/ 535--- भ्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोत्रा नायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उनत नीवनियम' नहा गया है), की भारा 269-ब के मधीन समाग प्राणिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित वाजार भूज्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है है तथा जो एस-254, ग्रेटर कैलाश और जिसकी सं० नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याणी नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल 86 को पूर्वोक्त सम्मोत्त के खिनल बानार बुक्त से कम से सम्बनान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

सरि/या

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितः बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल स्त्र

पन्त्रह प्रतिधात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनह भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवेश्वनार्व अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) भाटिया श्रपार्टमेंट प्रा० लि०, ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष बासाला (एच यू एफ), एस-264, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हूं।

## उनक राज्याचि के वर्षन में राज्यान में होहाँ मी बार्सक हरूर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कड़ सूच्या की सामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ५४ स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किंदा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणाः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, को बन्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कम्पलीट ग्राउड फ्लोर 3 बैंड रूम, 3 बाथरूम डांईग डाईनिंग, किचन, सामने का लान सैन्ट्रल कोर्ट यार्ड एक चपरासी मकान स्टोर, कार पाकिंग बैसूमेंट∴के भ्रन्दर साथ बाथरूम 1/4 भ्रभिभाज्य भाग मूल क्षेत्र 299 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०VII एस० आर०/4-86 526 मुझे, बी० के0 मंगीला

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

मक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो मकान नं० 187, बलाक एम; ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-कर्ता प्रि कारी के कार्याख्य नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख भ्रप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उभरा अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० एच० राम, एम~187, ग्रेटर कैलाश⊸2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(2) मैसर्स चांद श्रपार्टमेंट प्राठ सिठ, ई० -124 ग्रेटर कैलाग-II नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में क्योद भी आक्षेप द-

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की जबीं भी और जबीं बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स स्मित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहरसाक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगी।

स्पक्तकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमीनसम, के अध्यास 20-क में परिभाषिट हैं, यहीं जर्थ होगा जो उस अध्याक्ष में दिया गया है।

#### सत राजी

पार्टली कन्स्ट्रकटिड हाउस नं० 187, ब्लाक एम० 400 वर्ग गज ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## इरुप बार्च . टी . एन . युष ्वववक्राव्यक

# आयक्त विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) वे अधीन क्यान

#### 

## कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 विसम्बर 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1830 श्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

वावकर विधित्वक, 1961 (1961 का 43) (विशे इसके इसके प्रथात 'उनक विधिवन' कहा हवा हैं), की धारा 269-व के वभीन समान प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्मीत, विश्वका दियह बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 206, 4, भीमकाजी कामा प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 86

सी प्रवित्त राज्यित के जिया वाधार मृत्य के का की काववान प्रतिकान के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वाध धरने का कारण है कि वथाप्नोंक्त बंपरित का उचित वाचार मृत्या, उसके कावचान प्रतिकत ते, ऐसे कावचान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिकात से विधिक है बीर अंशरक (अंशरका) और अंशरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रति-कता, निम्निविश्त उद्दोख से उच्छ कच्छरण विविद्य में वास्ता-विक क्य से किथा मही किया बदा है ड़---

- (क) बक्षरण वं बुद्धं कियाँ भाग कर बावत है कारक के बाविय कर बोगे के बन्दरक वी वायितक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्ष: व्यक्ति का
- (थ) ऐसी किसी जान वा किसी यह ता कला जारिएकों थी; निन्हों नारसीय वाब-कर जीविनवज, 1922 (1922 का 11) या अक्ट विविनवज, या थन-कर वीविनवज, या थन-कर वीविनवज, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिसी श्वारा इंकट नहीं किया परा वा वा किया वावा वाहिए वा, क्रियाचे के सुरेन्कर के क्रिए)

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रेफको प्रा पट्टीस एंड इन्बैस्टमेंट कार्पोरेशात एस एंड पी प्राफिस 232, शास्त्री नगर, जम्मू (जे एंड के)

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ग्राई० ग्रार० टेक्नीलजी सर्विस ग्रा० लि० बी-8, कामर्स सेंटर, तरदयों रोड, बम्बई-34 (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथांकत सम्पर्टित के वर्धन के सिए धार्यमाक्ष्मां करता हों।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध सा तरसवधी व्यक्तियों पड़ सूचना की सामील से 30 दिन की जविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थाबर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावित स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इरुमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जनसर्ची

फलैट नं० 206, दूसरा खंड 4, भीमकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली, ताबादी 610 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

**सारीख: 11-12-1986** 

## प्रकृष् वार्षः हो । एव । एस् , -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यामय, सहायक जायकर जायका (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/5-86/1828 भ्रतः मुझे श्री बी० के० मंगोता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० 401, 6, भीमकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961 के श्रिधीन तारीख श्रील 1986

को पृथेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृथेक्ति सम्पन्ति का उचित क्लार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूर्विका के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना चाहिए था छिपाने में स्विक्त के बिक्ट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री एस० एल० साबू, गोबिन्द मेंशन द्याप० एल० श्राई० सी० बिल्डिंग, अंसोल बैंस्टबंगाल। (अन्तरक)
- (2) सीताराम भारतीय इन्सटीटयूट श्राफ साइंटिफिक रिसर्च 1181, नई बिल्ली 27, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली:

(ब्रन्तरिती)

## की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त चन्नित के वर्धन के किए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी अनक्षेप :- 🖙

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिश्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निया है।

#### करपरी

फलैंट नं० 401, तादादी वर्ग फीट कन्सट्रकशन बिल्डिंग नं० 6, भीमकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारी**क:**: 11-12-86

## प्रकार बाह् , ही. हुन , हुन , ----

भाषकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की मधीन स्थान

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर वाय्वय (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986 निदेश श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1767/ श्रत: मुझे श्री बी० के० मंगोता

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० बी-212, भीमकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाश्रद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) सहायक प्रायकर श्रामुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, नई दिल्ली में भारतीय र्गजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यां मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार कृष्य उगके द्रायमान प्रतिकल से एसे द्रायमान प्रतिकल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच एसे अंतरक अंतरण किए तय पाया का प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किए तय पाया की साम

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अस्तरिती बुवारा प्रकट नश्ली किया गया था या किया जामा चाहिए था, स्थिन में सुविधा औ किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--11.--416 GI/86

- (1) सोमदत्त बिल्बर्स प्रा० लि०, 56, कम्यूनिटी सेन्टर, इस्ट ग्राफ कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (1) मिसेंज ललिता दत्त, सी-22, ग्रेटर केलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

## की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के कियू कार्यग्राहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की श्रमिश का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रमिश, को भी सबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध कि की कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाद कि विकास के किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ह बही वर्ष होना थो उस सम्पाप में विका गया है।

#### ममुस्पी

फलैट न० बी-2212 दूसरा खंड 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 640 वर्ग फीट।

> वी० के मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

मोष्ठर:

## इस्म बाइ', दी. एव. एव

## बावकर वॉपनियत, 1961 (1961 का 43) की धन्छ 269-व (1) के समीय क्वान

#### बारत सरकार

## कार्यस्य, बहुरक शादकर गायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/37ईई/4-86/1766 भ्रतः मुझे श्री बी० के० मंगोत्रा अध्यक्त श्राण नयस 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे

इसके पर्वचात 'उक्त अधिनियम' व्यहा गया है, की भाग 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मल्य 00 000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फलैंट नं० बी-217, 5, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्व प्रानुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) सहायक प्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भा तीय अन्दिनिकरण श्रिधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख प्रप्रैस 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित काजार मूल्य से कम के द्रायमान गोनफल के लिए कल्लीरत की गएं हैं और मुक्के वह विश्वास उन का कारण है कि बधापुर्वोक्त मुख्यित का उनित बाजार गोंदर प्रतिशत्त से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

पढ़ प्रातशक स आधक है आर अंतरक (अंतरका) आर अंतारता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया।

""" प्रिम्माणिक अध्यक्ति व बक्त बक्तरण विविद्य व वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

'ं अन्तरक में हुंड़ी किसी बाब की बाबत, उक्त जीभीनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक की दर्भभन्य में कबी करने या उक्से अभने में सुविधा के लिए; जीर/या

ामी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार बाधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उन्तर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) विकास किया किया जाना चाहिए था, छिपानी मीं

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) सोमदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सैन्टर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मिसेज उषा दत्त, सी-22, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का वह तृषमा वारी करके पृत्रीकत संपृत्ति से वृष्येत् वै जिल् रू भार्यमाहिया करता हूं।

## कार क्यारित से सर्वन से सम्बन्ध के बांदे भी नार्वका--

- (क) इस ब्यास के राज्यम में प्रकारन की पार्टीय है । 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी का नित्यों पर स्थान की दानीन से 30 दिन की स्वीध को भी स्वीध नाम में समान होती हो, से सीतर प्रवेशन के स्वीक्त को में दिन्दी न्यांच्य दुवाय;
- (क) इस सुमता के राभपन में प्रकाशन की राशीय से 45 प्रिन के मीतर उक्त स्थापर संगरित में हित्यक्ष किती बन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के शास प्र निवित में किस्सा स्वींगे।

स्थाकरण:—इसमे प्रवृक्त सन्दों भीर पर्यो का, वां उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया े भवा हैं...

## जप्तुची

फलैट नं बी 217, दूसरा खंड 5-भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 635 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–7, नई विल्ली

तारीख: 11-12-1986

मोहरः

प्रारूप जाहाँ .टी . एव . एवं . <u>काल्यक्राक्त</u>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना** 

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1825 प्रत: मुझे श्री बी० के० मंगीला आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो बी-206, 5, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), सहायक प्रायकर प्रायकत (निरोक्षण) प्रजंन रेंज नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख प्रप्रैल 86 का पूर्वोक्त सम्भात के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान इतिज्ल के लिए अन्तरित की गई और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का सन्तर्भ, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का सन्तर्भ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिन्तरित उद्देश्य से उकत अन्तरण निवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं कथा गया है है—

- (क) कन्तरण सं शुर्क किसी बाय की बावत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य के कमी कड़ने या उत्तर्थ कमने में सुविधा ने लिए। औड़/बा
- (च) एसी किसी बाम मा किसी धन वा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना धाहिए था, जिपाने के सुनिधा वी खिहा;

बतः सद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों अधीत् हरू

- (1) सोमदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर इस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मिसेज सरला दत्त, एम-16, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उनत सम्मिल के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपन में अकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविंध, जो भी नविंध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (व) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-क्वभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास स्थितित में किए जा सकोंगे।

स्वच्चीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पतों का, वो उक्त विभिन्नमा, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बी-206, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख:11-12-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

## बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के बधीन सुचना

#### RING EVER

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1847 भ्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परनात् 'उक्त विभिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विश्वका उपित वाचार मृश्व 1.00,000/- रा. से जिधक है

और जिसकी सं० है तथा जो फलैंट नं० 211, 2-ए, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली -1 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 86

को प्वोंकत सम्मत्ति को जिया गायार मृस्य वे कम को क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्य प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से कि मिक है जीर अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे जन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिफल का पन्तिरितियों) को बीच एसे जन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिफल किया गया है :---

## किंद्री मण्डासम्प सं हुन्द्री दिस्ती साम की सामत क्रमस अभिनियम में समीप स्टब्स दोने में सम्बद्धक से समित्य में सभी सहये या उपसे समने में सुनिधा से सिए; सोह/सा

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

बार ब्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुब्रस्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिधित व्यक्तियों, वर्षीत् ह—

(1) कैलाश नाथ एंड एसोसिएटस, 1006, कंचनजंगा 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेस कान्ता एगल पत्नी एन० एस० एगल इ-582, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की जबिच या तत्सम्बन्धी स्पिक्शमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

. फलैट नं० 211, क्षेत्र 728, बर्ग फीट जमा 21 बर्ग फीट बालकोनी दूसरा खंड बहुमंजिली कर्माणयल बिल्डिंग एल्पास 2-ए, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## प्रकृष मार्थे <u>ही एन एक अञ्चलका</u>

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 विसम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1824 ग्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असक पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो ए-211, दूसरा खंड 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 607 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर

अफ़िनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल86
को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और
अंतरिती (अंतरितयार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
भी बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बावत, उनत अभिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के शक्तिक में कभी करणे वा अवसे क्याने में सुदिया के लिए; और/वा
- (६) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

नत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिनिकत व्यक्तियों, वर्थात् :---

- (1) सोमदल बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मिसेंस सरला दत्त एम-16, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सृथना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वाच्याकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### मगुल्या

एफ नं० 211, दूसरा खंड 5, भीकाजी कामा पलेस; नई दिल्ली । लगभग क्षेत्र 607 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-7, बम्बई

तारीख: 3#11-1986

मोहर 🗈

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस. न्यानावास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन -7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986
निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/VII/37ईई/ 4-86/

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रश्नात् 'जन्द निधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० सं० 206-ए है तथा जो दूसरा खण्ड 5, भीकाजी-कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है म्रार इससे उपाबस मनुसूची में पूर्णरूप से विगत है), सहायक म्रायकर भाष्ट्रक (निरीक्षण), म्राजनरें न-7, नई दिल्ली में भारतीय म्रायकर भाष्ट्रिनरम, 1961 के भ्रधीन, तारीख मर्प्रल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मून्य से फाम के स्वयमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जायित बाबार मूम्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-दित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण वे हुई किसी बाब की बाबता, उसता विधिनियम के बुधीन कर दोने के बंधरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए; और/या
- (क) एंथी किसी आब या किसी धन या बन्च आस्थियों की, जिन्हें भारतीय बावकर विधिनयम,, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया नया या किया जाना बाहिए था, छिनाने वे दिन्दा के दिन्दा

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) दे प्रभीन, निम्निक्ति व्यक्तियों, जयौत ह—- (1) सोमवत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर,. ईस्ट कैसाफ लाग, नई विल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) मिसेस उषा दत्त, सी-22, ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, थो भी बधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, सथाइस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किये का क्केंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा क्या हैं।

#### वय्युत्री

प्लोटनं० ए-2, दूसरा खण्ड 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 1 लगभग क्षेत्र 614 वर्ग फीट।

> बी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजन रें अ-1,नई दिस्ली

तारीख: 11-12-1986

ब्राह्म आहें टी.एन.एस.---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सङ्घ्यक बायकर बायुक्त (निर्देशण)

श्रजूनरेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986
निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० 7/37ईई/4-86/
2935—श्रग्नतः मुझे, बी० कै० मंगोला,
बायकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें
इसके बरवात 'उक्त विधिनिवम' कहा गया है), की धारा
269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर बम्पेरित, जिसका उचित भाजार मृल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैंट न ० 1012 है तथा जो प्रकाशदीप 7,
टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
मंग्रीर पूर्णे हप से विगत है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,
1961 के श्रिधीन, तारीख श्रम्ल, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कें क्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है •••

- (क) बंबरण से हुई किसी नाम की नानता, बक्त अधिनियम के नधीन कर बोने को जन्तरक को वासित्य में कमी कर्ष या उससे कलने में सुनिधा के लिख; और/धा
- [क) एंची किसी बाब या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृद्धिया के जिल्हा;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-च की उपधार (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों। स्थृति ह—

- (1) श्रीमिति सवंत कोर पत्नी स्व० जी० एस० यंगा, पो० श्रो० मेटबोर, जिला—गुरदासपुर, पंजाब। (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर शयद बोहरा यू०/जी० श्राफ सतीश कुमार बोहरा के-113, हाँज खास, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

## वन्य बन्धित के वर्षन के संबंध में कोई भी वासंद 🛌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलेट नं ० 1012, प्रकाश दीप, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, नई लाहि

तारीखा: 11-12-1986

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/ 7/37ईई/4-86/ 3034-ग्रतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० पलैट नं० 902 है तथा जो 13, टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपापद मानूसूची में मीर पूर्ण रूप से विगत है), सहायक भायकर भायुक्त, निरीक्षण), भ्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1961 के भ्रधीन, तारीख भर्मेल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं शिक्या गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) वक्शी विक्रम विकास कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्रा॰ 13, टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) पानीपतं प्रोपर्टी प्रा०लि०, 17, कम्युनिटी सेंटर, न्यू फडस कालोनी, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय फ्लैंट नं० 902, तादाब्री 696 वर्ग फीट, नौवां, खण्ड, बहुमजंली बिल्डिंग, 13, टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली 1 (निमणाधीन ।

> ृिबी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायरक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## प्रकृष आहाँ.टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत शरकार

## कार्यालंड, सहायक जासकर जास्कत (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज -7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश मं० श्राई० ए० मीं० /एक्यू० 7/37ईई/4-86/3033 श्रत: मुझे, बी० के० मंगोला,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिकं है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 11-ए है तथा जो बंदना बिल्डिंग 11, टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्र इ अनुसूची में श्रौर पूर्गरूप में विणित है), सहायक ग्रायकर श्रीयक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिध -नियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख ग्रग्नैल, 1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्किलिखित स्व्योक्त से उक्त खंतरण लिखित में बास्त्रिक कप से किथा नहीं किया गया है -

- (क) अंतरण से हुई फिसी जाय की बाधत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में स्ट्रमी करने या उससे अचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्ताः स्ता, उस्त औधीनयम की भारा 269-ग के सन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (:) से बधीस कार्यासन क्योंक्तवा, संबंद ३— • 12—416 GI/86 (1) कालिमा प्लास्टिक प्राप्तः , 11-ए, वंदना बिर्लिङ 11-ए, टाल्सटाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) देण राम बरी, 112, जोरवाग, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सन्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पलेंट नं० 11- ए, बन्दना बिल्डिंग, 11, टाल्सटाय भाग, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-गंज, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहाय ६ कामकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जून रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेण मं० ्रिंग्राई० ए०/ सी० / एक्यू० 7/37ईई/5-86/ 1765—ग्रत: मझे. बी० के० मंगोला,

आयकर सीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें करवात 'उक्त अधिनयम' कहा नया हु"), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उकित बाबार सूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ए-212 है तथा जो 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन-रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख श्रर्भल, 1986

हो प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्थामान गित्रका के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह तिश्वास करने कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सोमदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स साधना सिंह, डी-77, साकेत, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इश्व सूचमा के राज्यान में प्रकाशन की दारीं एर 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर मूचना की प्रामील में 30 दिन की अविधि, को भी जबिध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव किक्ति में किए जा सकेंगे।

प्यक्रिकरणः — इसमें प्रमुख्य घन्यों करि थया का, भां जनस विभित्तिया की कंश्वाय 20-क में परिभाषिक ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यवा ही।

## **प्र**मृसूषी

पलैट नं० ए-212, दूसरा खण्ड, 5 भीकाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 623 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगो त्रा मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज -1, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

प्ररूप भाइ', टी. एन. एस.-----

# बायकार अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीत स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यार. इ. सहायक आयकर आय्क्स (निर्शक्षण) प्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० मी० /एनयू० 7/37ईई/ 4-86/ 3031—-भ्रतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

बायकर जीधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उपत अधिनियम) कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौरितिसकी मं० फ्लैटनं० जी० ए०फ, 5, टाल्स टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं(श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), सहायक् श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अग्सरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का प्ल्वह प्रतिशत में अश्यक हैं और अंतरिक (अंतरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रींबक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आप की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के मिए;

श्रेतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण
 भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ग्रंसल प्रोपर्टी इंडस्ट्रीज प्रा०लि०, 115, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) रमेश कुभार कोहली, एफ-7, /32, क्रश्न नगर, दिल्ली-57

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अंजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी के पान लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है कि

#### अन्सची

पलैट नं० जी० एफ०~5 टाल्स टाय माग, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## बक्द बार्ड की एन एत .---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० मी० /एक्यू० / 7/37ईई/ 4-86/ 182—श्रतः मुझे, बी० के० मंगोल्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी-2 396 जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (भीर उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1961 के भ्रधीन, तारीख म्रप्रैल 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी गाय की वायत, छक्त अहैंपनियय में अधीन कर पंते से अस्तरण से वादित्य में केसी करने वा उत्तरों वचने से सुविधा से बिद्ध सहित्या
- (स्त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः जब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बलवीर सिंह सुपुत्र प्रवतार सिंह, हिन्दुस्तान कापर, लि॰, 8, बेमक स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रेम वासन रोहत वासन, सी-31 राजौरी-गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी यिक्तयों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (थ) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मोत्त में हितवहुष किसी जन्म स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोगे।

साष्ट्रीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक्ष में दिया गया है।

अनुसूची

सी-2, 396, जनकपुरी, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1988

प्रस्प बाह्र'.टी.एन एस. ------

आमकर विधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन मृत्या

#### भारत सरकार

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू० /7/37ईई/4-86/ 3040——अन: मझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें स्मक्र प्रश्नात जिल्ल का प्राप्त कहा गार्ग का नाम 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आंर जिसकी मं० एन-70, ग्रेटर कैलाश,-1, नई दिल्ली-48 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुचची में और पूर्णक्य से विणित है), महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-7, नई-दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम आयकर 1961 के अधीन, तारीख अप्रैल, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, समक स्थमान प्रतिफल में एमं स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं., मैं अक्र मौधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) • के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ा गरानी चोपड़ा, एण्ड सन्स श्रीमित रीता खरबन्दा, एन-70, ग्रेटर कैलाश, -1, नई दिल्ली-48 (श्रन्तरक)
- (2) मेमर्स स्रोम प्रकाश पेरीवाल एच० यू० एफ०-2, श्रीवित भानुमति पुरीवाल, 2400 तिलक गली, पहाइगंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थादर सम्पस्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टितिकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक्दर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन-70, ग्रटर कलाग, 1, नई दिल्ली-18 295 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोन्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

. आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायंक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई ए० सी० /एक्यू० / 7/37ईई/4-86--3022--श्रत: मुझे वी० के० मंगोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० सी-48ए, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख श्राप्रैल, 1986

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल में एमें स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सुमिता देवी श्रयवाल, सी-48 ए, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मास्टर ग्रंजू मिगलानी श्रांत मास्टर श्रंजित मिगलानी, 162, 16 वां खण्ड, के क्षितिज बिल्डिंग, नीपो सीए रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुवी

सी-48 ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली

वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन रेंज-7₀ नई दिल्ली** 

तारीख: 11-12-1986

## प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्तिक)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश मं० आई०ए० सी०/एक्यू० /7/37ईई/ 4-86/ 2073—अस: मंभे, वी० के० मंगोत्ना,

बायकर जीधनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इनवें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' सदा नया हैं), की भार 269-व के अधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का बारफ हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य, 1.00,000/- रा. में अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० एफ० नं० बी० टी० 9, है तथा जो 5, भीकाजी, कामा पेलेस, नई दिल्लीमें स्थित है (स्रीर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से बीणत है), सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंट-7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायतर स्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीज श्रवस, 1986

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिकास के निए बंतरित की गई है और गुभ्ने यह जिल्लान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके स्वमान प्रतिकास सं, एसे स्वयमान प्रतिकास का बन्तह प्रतिकात से विधिक है और जन्तरक (मन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय नय पहल प्रशा प्रतिकात विकासिक उन्हों किया गया है :——

- (क) सम्प्रदम से हुइ किसी थान की नावस, उक्त बांधानसम को अधीन कर दोने के बन्तरण के स्रविद्य में अभी करने या उसमें क्याने में स्थिका क निका; बीस/मा
- (अ) एसी किसी बाब वा किसी पन या अन्य अधिकती की, जिन्ही भारतीय बाब-कर जिल्लिमिका, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1922 का 27) अं प्रशासनाथी बन्सरियों द्वार प्रयत नहीं क्या प्रणाप का प्राप्त का क्या क्या का प्राप्त का प्रयास का प्रयास का प्राप्त का प्रयास का प्रयास का प्रयास का स्थास का लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण लैं, कें. उक्त अधिरियम की धारा 259-भ की उपधारा रहें। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) नोम दत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर ईस्ट प्राफ कंलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) ब्रह्म दत्त (एव० यू०एफ०), एम-516, ग्रेटर -कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स उपिकत्तवों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास विति जा सन्ते ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० बोटो, 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 213 वर्ग फीट ।

> वा० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नारीख: 11-12-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० / 7/37ईई/ 4-86/ 2992—ग्रन: मुझे, बी०के० मंगोन्ना,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी पं० प्लाट ग्० एम-63, है तथा जो ग्रेटर कैनाश-2, नई दिल्ली, तादादी 250 वर्गगण में स्थित है ग्रीर इस सेउपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्यच्य से वर्णित है), सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रर्यंत्र, 1986

को पूर्वोक्त संस्पोत्त के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत कुसंपत्ति का उचित बाजार पूर्व, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एोसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तद प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पामा गया प्रतिफल, निक्तिणियत अद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंटी विक्ती अप यह किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवस्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अर कर, उन्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक :—

- (1) श्रीमिति मंनजात कोर पत्नि श्री श्रीतम सिंह, एम-185, ग्रेट कैंबाश-2, नई दिल्ली 48
  - ∦(ग्रन्तरक)
- (2) साहित विल्डमं द्वारा पार्टनर बी० के० नारंग, ई-266, ग्रेटर कॅलाग, 2,नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए 🛌 कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन वे सम्बन्ध में करंड भी बाक्षपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं एम-63, ग्रेटर कैं लाग-2, नई दिल्ली, तादादी 250 वर्ग गज।

वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्रकृष आई. ही. एन. एस्. -----

# बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 196

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू० /7/37ईई/ 4-86/ 2072—अत: मुझे, बी० के० मंगोन्ना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

िंग्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी० टी० 5, बेसमेंट फ्लोर, कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर
पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रिजीन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम,
1961 के श्रिधीन, तारीख श्रिप्रैल, 1986

का पूर्विकत सम्परित को उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का व्यारण है कि स्थाप्चेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह अतिकत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर बन्तरितों (अन्तरित्वार) के ताच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्दर्श से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्षण से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ह अयाखनाथ अन्तिरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया के किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित व्यक्तियों. अर्थातः --13--416 GI/86

(1) सोमधन्त बिल्डसं प्रा० लि० 56, कम्युनिटी सेटर, ईस्ट प्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

(2) ब्रह्म दक्त (एच० यू० एफ०), एम-1, ग्रेटर कलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के शर्जन के संबंध में कोई भी बार्सप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख ने 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ वर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सन्पाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से न्जिसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उन्दर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूप्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अभ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या है।

#### वगसची

पलैट नं ० दी० टी० 5, बेंसमेंट फ्लोर, फ्लोर 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली । लगभग क्षेत्र 258 वर्ग फीट ।

> वी० के० मंगोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (रिरीक्षण) भ्रजेंन रेंज -7, नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

प्र**रूप आर्ड .टी . एन . ए**स . . -----

महारकार कविनियम, 1961 (1961 का 43) की अपन २०० में (१८ के स्पृत्ति सामाद

#### भारत सरकार

रूपर्शालयं , प्रहासका कायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्राचीन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिशंक 11 दिसम्बर, 1986 हेर्नेश सं ० श्राई ० ए० सी ० टीक्स ० | र्या २ र्याई थ-86|

निदेश सं० श्राई० ए० सी० 1/एक्य० / 7/37ईई/4-86/ 2071—ग्रातः मसे, बी० के० मंगोला,

बायक अभिभिन्न 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसमें प्रचार किन अधिनियम क्या गया है), की धारा 269-ए की अभी एक पापिकारों के वह विकास करने का कारण है कि स्थापन गंपन्ति जिसका उनित बाकार मृत्य 1,00,000 के से बाधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं तथवे जो एफ ब्लंब बी बटी ब 4, 5, भीकाजी कामा, ब्लंस, ई दिल्ली लगभग 624 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपायद पनुसूची में श्रीर पूर्णक्य में वर्णित है), सहायक श्रायकर प्रायक (िरीक्षण), अर्जे रें ज-7 ही दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रार्थित, के श्रशी , तारीख अर्थेल, 1986

को प्रवावत (सम्पंत व विमान का एक मान्य प्रकान को सम्प्रमान प्रतिक्रित को निग्र राजिन्य को को का मान्य प्रकान के निग्र राजिन्य को गई है अप भारते कहा हिश्वाम जनने का कारण है कि स्राथ प्रतिक्रत राज्यिक का उत्ति । अन्य मूल्य , उसके राज्या को एक भी ए । राज्या का जिल्हा के समा के सिन्य । जनके राज्या के सिन्य (अत्तरका) और अत्यानिम विद्यानिम को सिन्य के सिन्य

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबक, उन्ने अभिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दासित्य में कभी करने या जससे बचने में सूबिधा किसी, भरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया धन कर सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- र्थं पर्वा अस्ति का धीनत्व को धारा १७०० का के क्यानमा भा भाँ भागा अधिनियंत्र भी पार १८० मा भाँ स्थान (१) के अधीर्य, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सीमदत्त बिल्डनं प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट ग्राफ कैलाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) ब्रह्मदत्त (एच० यू० एफ०), एम-16, ग्रेटर कैलास,-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मृणना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के निक्क कार्यवादियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचन। के राजपत्र मो प्रकादन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो की
  अवधि याद मो समाधा होती है।, के किर प्रवीक्त
  व्यक्तिकों को स किसी क्रावित द्वारा
- (स) इस राज्या के राज्यात्र में प्रकार कर परिस्थ में 4.5 पिन में जीवन उक्त राज्यात्र नेपणि में हिसा देव किमी असे के जिल द्वान अधाहरताक्षरी के पास लिखिन का विकार सकता।

स्थाकरणः ---- द्वसभी प्रगुक्त कर्वो और पर्यो का, जो जक्त ऑधिनयम, को अध्याय १०-क मी परिभाग्यत ही, बहा अर्थ होंगा को तम अध्याय मी दिया गम हों।

## अनुसूची

एफ० नं० 4, 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 624 वर्ग फीट।

> बी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

अरहर जाइ<sup>ह</sup>ें डी. एन**े एस**्नननननन

कारकार व्यापनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १६६० थ (1) के अभीन स्पना

ACTES! WEREAR.

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

्निदेण सं० स्राई०ए०सी० /एक्यू० 7/37ईई/ 4-86/2070~ ुग्रत: मुक्षे, वी०के० मंगेत्वा,

गायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इनसें हुनकें परशाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

रौर जिसकी सं ०एफ ० नं ०एन ० जी ० - 14 है तथा जो 5, भीकाजी, ोमा प्लेस, 1ई दिल्ली में स्थित ई (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरोक्षण) र्जन रें ज-7, तई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधियम, 1961 के श्रधीन, तारीख ग्रशैल, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उपित वाजार मून्य से कम के दृष्यमान .तिकन को लिए बंतरित को गई है जोर मूक्के यह विद्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक वाजार पूर्व, उसके दृष्यमान प्रतिकृत सो, एसे दृष्यमान प्रतिकृत का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जिन्तार तिस्ता के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गन्दर तिस्ता, किम्नीलिखित उद्योग से उनत बन्तरण सिवित में शास्त्रीयक कप से कायत महीं किया गन्दर है

- (स्व) बंतरण हे हुई किसी बाय की बायस, उच्छ बचित्रियस के अधीम कर यांचे को अंतरक के लिएल के कार्य केलन या उसने बचने था स्विधा कार्यए। अध्यान
- (६) एका किन्दी आम या किन्दी बंद मा कथ जास्तिमी करा, किन्दा भारताय वारण्यास अधिनियम, 1922 (1925 को 111 दे। दे हा गाँवाकामा, या क्रिका को किन्दा के किन्दा किन्दा किन्दा किन्दा किन्दा का मानिक्या का म

५ तल शर ७३८ विभिन्न में याचा १६८-म के सन्मरण हैं, बैं, ८४स विभिन्न की भारा 269-म की उपधारा (1) ब अभोतः विभन्निक्षिण मिक्सिकों मुक्ति क्रिस्ट (1) सामदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युिटी सेंटर, ईस्ट श्राफ कैलाग, १ई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं गीता दत्त एम-16,ग्रेटर कैलाण-1, पई दिल्ली (श्रन्तरिती)

का यह स्थना आरी कारके पूर्वीवत सम्प्रीत के वर्धन के लिए कार्यवर्गहरूम करता हुई।

उक्त संयोध के अर्जन के संबंध में काई भी भारतय :---

- (क) इस स्वना के राजपण मों प्रकाशन वर्ग सारोब सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी प्रकार पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा शी अवधि पाद में अमान्त प्राधी हो। के महिल प्राधी व्यक्तियों मा से फिसी न्यांक्त इंदारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारोध स 45 दिन के भीता एवस स्थातर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किभी अन्य व्यक्तित हुमरा जवाहुत्वाक्षरी के वास निश्चित में दिये वा सकति।

स्वाकारण .-- प्रसमी त्रयम्त कट्यों और पक्षा का, आं उभर वाधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, यही वर्ष क्षोचा, और उन अध्याम मी किया प्रभा ही।

## अनुसूची

एफ नं ० 4, 5, भोकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली लगभग 203 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

तारीख : 11-12-1986

٠ ا प्रकत् अर्थि-दी-द्व-द्व-------वानकार अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) वर्षे

गरा 269-व (1) के व्योद व्यव

भारत सरकार

श्राचीवय, बहायक वायकर नावृत्रत (निरक्षिण)

मर्जन रें ज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/ एक्यू० /7/37ईई/4-86/ 2069---- मत: मुझे, वी० के० मंगोला,

बार्कर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रचात् 'उन्त निधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269-च के नेधीन स्क्रम् प्राधिकारी को वह विस्तात करने का कारण है। कि स्थावर स्म्यति, विसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से जिथक है।

धौर जिसकी सं० एफ सं० ए-210 है तथा जो दूसरा खण्ड 5, भीकाजी प्लेस, नई दिल्ली 375 वर्ग फीट में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्णरुप से वर्णित है), सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निक्षिण), ध्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय ध्रायकर ध्रिधिनयम, 1961 के ध्रिधीन, तारीख ध्रप्रैल, 1986

को पूर्वीक्य बंग्य्यि के उचित बाकार मून्य से कम के अवस्थान इतिकत्त के सिए बंदरित की गई हैं और मूक्के वह विवयात करने का कारन है कि प्रवाप्तोंक्य सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ल्य प्रतिकृत से मूखिक हैं और बदर्क (बंदरकों) और बंदरिती (बंदरितियों) के बीच एसे बंदर्ज के लिए तब पाना बना प्रतिकृत क्य निकासिया स्मूखिक से सक्त बंदर्ज मिथित में वास्त-

- (क) नंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्स विधितृत्व के ब्योन कड़ दोने के बंद्युक के दावित्य में कावी करने मा बंदले बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय हा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सोमवत्तं बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सरला दत्त एम-16, ग्रेटर कैलाश-1, नई 🏞 दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

**को नह नुमना जारी करके नुवॉक्त सम्म**त्ति के सर्वन **में** सिक्ष् कार्यमाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किसे व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस दे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विठ-वसूच किसी जन्म स्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क्षे पास सिर्मित में किए या सकेंगे।

स्वकारण:---- इसमें प्रयक्त घट्ते आप क्यों का, जो उक्त विजिनसम के मध्याण 20-क में परिभाविष्ठ ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विष्य गमा ही।

## अनुसूची

एफ नं ० ए-210 दूसरा खण्ड 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 375 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोसाः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जनरेज-7, नई दिल्ली

तारीख 11-12-1986

प्रकल्प *आह*ं.टी.एन.एस.-----

जायफर अधिनियम, 19€! (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रें ज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० श्राई ० ए० मी० /एक्यू०/7/37ईई/4-86/ 2068—-श्रत: सुझे, वी०के०मंगोन्ना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उब्ध अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 619 6ठवां खण्ड 9, भीकाजी कामा प्लेस. नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण), श्रजंतरेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 के अधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्रंह प्रतिशत से अधिक हैं और अत्तरक (अंतरको) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिष्क , विश्वतिद्वार उद्योध से उक्त अन्तरण श्रिक वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुंचूं किसी आयं की बाबस, उक्स अधिनियस के अधीन कर दोने के बंधरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः बय, उनत विभिनियम, कौ भारा 269-ए कौ बन्यरच मों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारत (1) कौ अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) सामदत बिल्डर्स प्रा० ति०, 56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) ब्रह्मदत्त इन्वेस्टमेंट एण्ड फाईनेन्स क० प्रा० लि० कार्यालय प्रशासन, एम 16, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आर्थ करके प्रशेक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है

## उन्स सम्मात्स के अर्जन के संबंध के कोई' भी आधीर 👵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुदारा अर्थाहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## **अनुस्**ची

नं ० 619 6ठवां खण्ड, १, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 556 वर्ग फीट।

> वी ० के ० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-7, नई दिल्ली

तारीखः: 11-12-1986

भूक्त आहें. टा. पून. पूर्व .....

ৰাধ্যক। লখিবস্থান । ১৮৪৬ (1**96) কা 43) কী পায়ে** ১৯৯৮ন । ক কেইব চুপ্তা

AND APPEAR

कार्यास्य, सक्ष्यक कार्यकर आयुक्त (निर्दासक) अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

बायकर मिलिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस' इसमें इसके परचार जिल्हा बिलिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन गर्भ परिकारी के गह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० फ्लेटनं० 428 है तथा जो 4था खण्ड नं, भी पाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्धं श्रमुसूची में ग्रीट पूर्ण रूप से बिल्लि है), सहायक श्राय कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज नई दिल्ली में भारतीय 'श्राय कर श्रिधिनियम, 1961 के श्राचीन, तारीख स्रप्रैल, 1986

को पृथिक्त सम्याण के उपित अलाग भूतक में क्षम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह निरुधाम करने का कारण है कि यथापृश्वित संपंत्रि का उपित आजार भूल्य उसके ध्वयमान प्रतिकल सं, एतं सम्यमान प्रतिकल का पत्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एतं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एतं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रिकल, निम्नलिकित उद्योग से उन्त अन्तरण सिवित में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुएं किसी जाम की सामक जक्त गणिनिजय के मधीन कर बंधे जो कलरक तो सांबरण में कमी करने या उसने वचने में स्विधा से लिए; ओए/या
- (क) एसी किसी साथ वा किसी धन या अव्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय सामकर सिर्धीनगढ़ 1922 १1922 की 11) या उत्तर अधिनियम - मा भन कर सिर्धानयम 1957 (1957 की 27) के व्याननाथ जन्तिरिक्ष स्थारा प्रथ्य अही 1 क्या विमा या वा किया जाना चाहित् था, विभाने हैं स्वीक्या के किसा

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण के मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अं अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकाँ, अवित्

(1) मोमदत्त बिल्डमं प्रा० लि०, 56, कम्यूनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कलाण, नई दिल्ली।

(भ्रग्तर

(2) ब्रह्मदत्त इन्बेस्टमेंट एण्ड फाईनेन्स क० प्रा० लि०, एम-16, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के वर्षण के किए कार्यवाहियां शक करता हुएं।

बन्द भन्यरिस का कर्तन के रूप्यांच्य के राजि भी वासी।

- (का) ६ स नूषना के राष्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूषना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक प्रं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्वष्टिकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना को छश अध्याय में दिया तथा हैं।

#### वनसूची

फ्लेट नं० 428,4 था खण्ड फ्लोर 9, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 356 वर्ग फीट।

> बी०के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रोयुक्त (निरीक्षण) स्रजैनरेंज-7, नई दिल्ली

नारीख: 11-12-1986

ब्राक्टर शहरे. तो इस एस. .

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत **स्था** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिस तर, 1986 निदेश सं० स्नार्ड० ए० सी० /एक्यु० / ७/ ३७ ईई/ ४-८६/ 2066-अतः मुझे, बी० के० मंगीवा,

अप्यक्तर अभिनियम, १३६। (१५६) का 45) विश्वे प्रथमें क्**रबंदे पह**राम् विकास संभित्तेत्रारा भावा गाउँ **स**्रि, "व्हें भा**रा** 269-ख के अधीन नदान प्रतिधकारी को, यह धिरवास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उवित दाजार मुल्य 1,00,000/- দ. ম লিখিক है

श्रीर जिसकी सं० प्रणासन आयित्याः एफ नं० 424 है। तथा जो। 4 था खण्ड, भी ाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 1 में श्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुचची में श्रीर पूर्ण रुप से विष्त है), सप्तायः **श्रायकर** अश्यक्त (निरीक्षण), अर्जन रें ग्र-७, बई दिल्लों में भारतीय आयकर श्राधिनियम, 1961 के श्राधीन, तारीक अप्रैल, 1936

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य रो क्रम के इश्यमान विकल के लिए वंशिरत की नई हैं और वृक्षे यह विक्यास करने भर कारण है कि संथापूर्वोंकर सम्पत्ति का **उपित नावा**र लुस्थ, उपके बद्यमान प्रतिफल से, श्रंगे बद्यमान प्रतिफल का अन्याह प्रतिकाल से अधिका है कार अन्तरका (अंतरकाँ) कार बंतरिती ्बर्स के पिर्देश में हैं अब अधिक सुन्धा । करका बा के रक्षण तम बर्सा । एक र परिकास, नियमीनिष्यतः उपयोग्यासं उपत मंतरम मिनिया गौ पास्तिक क्ष्य से **कविषक्ष नहीं विकास कहा है** है——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कामी कारन का उत्तास द्वान में मुक्तिया की किए: क्षोर/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमाँ का, जिल्हा भारतीय जायकर ग्रीभाग्यम, १९४३ (1'922 का 1) का असी अधिनयम ता धरायार क्षितिक्ष, १९५७ र १५५७ व्यक्तिकाय जनवरिती कुराम प्रयक्त गहें। महत्वा गहा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात .---

, the au -matrix of the following section au -matrix au -matrix au -matrix au(1) सामदन विलडम आठ जिंठ, 56, प्रम्यनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कलाण, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म बहा दत्त इत्वेस्टमेंट एण्ड फाईनेन्स क शा ०लि० प्रशासन कार्यालय-16, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती

कार शह स्वास आर्थ कारक वया जिला अभ्यारत के अर्थन के विवस कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) क्या भूखमा को एगा-५७ ६) अन्यायन की नारीस से 4 प्र विकास अभि प्राप्त कि मार्ग के मार्ग के मार्ग के कार्य के कि मार्ग के कार्य के कि मार्ग के कि मार्ग के कि मुख्याना का लामीरा में (14) दिल तो अध्यापि का की अवस्थि राव औं अवस्थि हाती हो। के सीक्षर प्**र्वीपरा** क्रामिक्स करें की अने दिन की न रोक्ट - १०,८०५
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 पित्र के भीतर संबंध भावर सन्पर्धि के विस्त्रहरू किमी अन्य व्यक्तित दुवारः गातेक्रम्ताकरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

**कारदोक्तरण:-----६माम एक्टरपट राज्यों कोट पद्यों तहा, यह उन्तर** विधिविषय के अध्यात 20-क में परिभाविश है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया अराध्यः होते ह

एफ नं० 424, 4था खण्ड 9, भीकाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली। 531 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज ~7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्रस्त बार्ट. टी. ८४. ५४.-----

an ing paggangan arawa dinana di

## बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) स्त्रे अभीत सुचार

#### भारत सरकार

क्षाश्रासक, वहायक कायकार आग्राक (गिर**विक्रण)** प्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उसते अधिनियम' काला गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह निर्धाद कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

आंर जिसकी सं० फ्लेट नं० 412 है तथा जो बिणवा सदन, प्लाट नं० 9, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (आंग इससे उपावख श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवि-नियम, 1961 के श्रधीन, तारीख स्रग्रैज, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि उपभूषों कर सपित का जोचत कायार क्ल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किथा नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-मियम के दाधीन कर दीने के लिएक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; अप्त/कः
- (स) एसी किसी जाब या किसी अन या अस्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आस्तर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) वा उक्ट अधिनियम, या अस्य अधिनियम, या अस्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 259-३ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नायगेरा होटल्स एण्ड बिल्डर्स प्रा० लि०, विक्रम टावर 17, राजेन्द्र नगर प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर साकेत सूरी (छोटा) द्वारा श्रिभभावक पिता श्रो जोगेन्द्र पाल सिंह सूरी, 33, पूसा रोड, नई बिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

क्षाबद्ध साम्परित को जात्रन को सम्बन्ध में कोडी भी साक्षांप ३०००

- (क) इब सुलना के राजपत्र में प्रकाशन की सरक्षेत्र से 44 किन की अवधि का संस्थानकी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की नगिंग, को भी समित्र बाद में प्रभावत कुमेनी हों, के भीतर पूनांकत प्रमित्नका की का स्थान स्थानका
- (स) इस स्पान, को पाजपत्र मीं प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतप उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किमी लग्ग पाकित त्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस - विकास के अध्यान २० के भारतीय से हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वास्तार

#### बनस्पी

प्लौट नं० 412, विश्वासदन प्लाट नं० 9, जनकपुरी सेंटर, नई दिल्ली।

> त्री० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-7, नई दिल्ली

तारीखा : 11-12-1986

मोहरः

प्ररूप गाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1973-ग्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोता

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो फ्लैंट नं० 411, विशवा सदन प्लाट नं० 9, जनक पुरी डिस्ट्रीक सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम

1961 के प्रधीन तारीख अप्रैल 86
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रिष्ठिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्रे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण निस्ति में
वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूमिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीर्सी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

आत: ₹ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकिस ध्यक्तियों, अधीस्:—
14—416 GI/86

- (1) नाथरगेरा होटल्स एंड बिल्डिरस प्रा॰ लि॰ त्रिकम टावर, 16 राजिन्दर प्लेस, नई दिल्ली (प्रन्तर्क)
- (2) मास्टर माकेत सुरी (छोटा) द्वारा ध्रभिभावक जोगिन्द्र पाल सुरी 33, पूमा रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं वा, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाक्ति है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 411, विश्वा संदन प्लाट नं० 9, जनक-पुरी डिस्ट्रिक सेन्टर, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; – 7, नई दिल्ली

तारी**ख**: 11-12-1986

i . .

## श्रक्त बाइं. शी. एत. एस. -----

## नायकर विभित्तियम 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

#### STATE CHARGE

## कार्यास्य, बहायक जायकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्/7/37ईई/4-86/1972 श्रत: मुझे श्री वी० के० मंगोत्ना

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० है तथा जो फलैंट नं० 410, विश्वा सदन प्लाट नं० 9, जनकपुरी डिस्ट्रिक सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) सहायक श्रायकर श्रायकत (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख श्रिप्रैल 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और (बन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय वाया मबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकित कर्मित कर से किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व भें अभी करने या उक्त देशने में सृष्यिमा के लिए; साँग्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के व्यक्ति . जिस्मिशिवित व्यक्तियों : अर्थात :----

- (1) नायगेरा होटल्स एंड बिल्डिंरस प्रा० लि० त्रिक्रम टावर, 16, राजेंन्द्र पलेस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शारदा सुरी पत्नी जोगिन्द्र पाल मुरी 33, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्विक्त सम्पृत्ति के वर्जन के विष्कु कार्यवाहियां कुरू करता हुई।

## उक्त सम्परित के अर्थन के तंथंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चनक के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बयुष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वकटीक क्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, वा उक्त अभिनियम के अध्याय 20 कि में पीरभावित है, बही वर्ष हीगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

### अनुसूची

फलैंट नं० 410 विश्वा सदन प्लाट नं० 9, जनकपुरी डिस्ट्रिक सेंटर, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज∼7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप भार्च . ठी . एन . एस . -----

अप्रकर अभिनियम, 1964 (1961 का 43) की गारा 269 थ (1) से स्थीन सुवमा

#### कांश्त सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7/4-86/1971 श्रतः मझे श्री वी० के० मंगोवा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'तस्य करिनेत्रम' कहा पण हैं) की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्रतिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो फलैट नं० 409, विश्वा सदन प्लाट नं० 9, जनकपुरी डिस्ट्रिक सेंटर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ज अनसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्ति है )सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1986

की भूमोंकर कम्मरित के उचित बाबार मृश्य से कम के क्रम्माय क्रिंतफ़ के सिए मन्तरित की नहें ही और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण ही कि वथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मृत्र्य, उत्तके दश्यमान प्रतिकास के, एसे वस्त्रमान प्रतिकास का क्रम्मह प्रतिकाद से बिधक ही और अन्तरक (जन्तरकों) और कन्तरिती (जन्तरितीं) के बीच एसे बन्तरूक में बिए यब पाया बना प्रतिकास निम्नितिबित उन्तर्वस्य से उच्त अन्तरक जिल्लित के बास्तिक क्रम से क्रमित वहीं किया नवा है है—

- (क) नन्तरूण वे हुए किसी नाव की वावत उक्त निध-विवय में अधीय कुछ हुने में सन्तरूक में दासित्न में कमी करने ना स्थल नवने में सुनिधा के जिए? बील-/धा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी पन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः जन, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-व के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) नायग्रा होटल्स एंड बिल्डिरस प्रा० लि० विक्रम टावर, 16, राजिन्दर पलेस, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) जोगिन्दर पाल सुरी सुपुत्र स्वर्गीय मेला रामसुरी 33, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकेंत्रे।

स्वाकरणः -- इतमें प्रमुक्त धव्यों भीर पर्यों का, वा अवत अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा थीं उस मध्याय में दिया गया हैं।

धनु सूची

फलैट नं० 4409, विश्वा सदन, पलाट नं० 9, जनक पुरी डिस्ट्रिक सेंटर, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1970 ग्रतः मुझे, श्री वी० के० मगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो फलैंट नं० 408, विश्वा सदन, पलाट नं० 9, जनकपुरी डिस्ट्रिक सेंटर नई दिल्ली में स्थित है )श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रौर पूर्न रूप से वणित है) सहायक श्रायकर श्रायकत (नि रिक्षण) श्रजेंन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिथिनियम 1961 के श्रथीन तारीख श्रप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/गा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
मोहर :

- (1) मेसर्स नायगेरा होडल्स एंड बिल्डिरस प्रा० लि० विक्रम टावर, 16, राजिन्दर पलेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रमन सुरी सुपुत्र जोगिन्द्र पाल सुरी, 33, पूसरा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

#### अनुसुची

पलैट नं० 408, विश्वा सदन प्लाट नं० 9, जनकपुरी डिस्ट्रीक सेंटर, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्रकार नार् . टी . एवं . एकं . .....

मानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

काबीलब, सहायक नायकर बाबुक्त (निरीकर)

**ग्रर्जेन** रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1968 ृश्चनः सुझे, श्री बी० के० मंगोता

शासकथं अधिनियम, 196. (1981 का 43) (धिसं इसमें इसको परचात् 'उसत अधिनियमं कहा गया हैं'), की पाछ 269-व को अधीन सम्म प्रिकारी को, यह विश्वाध करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्मति, विश्वका उचित वाचार स्व

- श्रोर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० 431, चौथा
   9, भीकाजी कामाप्लेस, नई दिल्ली में स्थित है) श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख तारीख शर्पेल 1986
- की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के श्वसमाध मित्र की पूर्वोक्त सम्पत्ति को गई है जॉर मुक्ते यह विकास करने धरने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके सम्मान प्रतिकत से, एसे श्वसमान प्रतिकत का नंदह प्रतिकत से यिथक है जीए बंदरक (अंतरकों) जी शेव बंदरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाना पदा शिक्तन, निम्नसितित उद्वोक्य से उच्य बन्तरण विविद्य में बास्त्रिक क्य से क्षित नहीं किया पना है है—
  - (क) बन्तरण ये हुए सिनी मान की वायत समय निध-विकय में बनीन कर दोने में नन्धरक के दायित्व में कनी नारने या उनके बचने में सुविधा के सिक् बीर/या
  - (क) इसी किसी आव वा किसी भन वा कम्य आहितकों की, जिन्हों भारतीय बाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा के सिक्त

अत: अव., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, के, अक्त अधिनियम की भारा 269 घ की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) सोमदत्त बिलंडिरस प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी संटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।
  - (म्रन्तरक)
- (2) मिसेज श्रंजली श्रान्नद, बी-11, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्रिस सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

बन्द सर्व्यास के गर्यन के सन्दर्भ में कार्य भी वालंग ह

- (क) इस स्थान के राज्यण में प्रत्मक्षत की तार्यक सं 45 दिन की नविध या सस्सम्बन्धी स्वित्सवों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, क्रो की क्षत्रीय नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तिसर्थी में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के प्राचपत्र में प्रकारत की तारीच के 45 बिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दिया- वर्ष किसी कृष्य व्यक्ति इवास विभोक्तिकारी के वास विभिन्न में किए जा सकीने।

क्यक्दौकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को समस अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होना, को उस अध्याम में विका यमा हैंडी

#### जन्स्ची

एफ नं० 431, चौथा खंड 9, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली। लगभगग क्षेत्र 342 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–७, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

11.

## श्रुक्य आध्रा.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुक्रमा

#### भारत सहकार

## कार्याचय, सहायक भायकर बाब्क्त (विरोधन)

म्रर्जन रेंज -7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० धाई०ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4~86/1967 धतः मुझे श्री वी० के० मंगोता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कही भागा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० है तथा जो फलैंट नं० 430, चौथा खंड 9, भीकाजी कामा प्लेस नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसुची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख भन्न 86.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित बाकार मूल्य से क्रम के दूसमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूक्य, उसके दूसमान प्रतिकल से, एसे दूसमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्वरकों), कोंद्र अंतिहती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्बलिखित उद्विष्ठ से उसत अंतरण कि बित में अव्यविक क्रम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जास की बाबस, आयकर विभिन्निय के अभीन कर दोने के अन्तरक करे दाजिस्थ में कमी अस्ते, या उससे व्यने के सुविधा के सिद्ध, और/वा
- (ण) होती किसी जाय वा किसी भूज या जान जातितकी को , रिज़न्ह" भारतीय जासकर जिभिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , वा भन्-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वात प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए था खिनाने में सुविधन के सिहुर

नता त्रवा, उक्त न्हींभनियम की भारा 269-व को नन्तरण में त्र वें त्र उक्त विभिन्निय की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्निजित्त व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) सोमदत्त बिल्डिरस प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) मिसेन गंजली श्रान्नद, बी-<sup>∐</sup>ग्रेटर क'लाश-2, नई ( नई दिल्ली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

सकत सम्मृति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूच्या के राजपण मों प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की जनिथ या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूच्या की काबील से 30 विन की क्वाधि, को मीक क्वाधि का मों संसादत होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी काबिल ब्वासा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्दार किया अपहिस्ताक्षरी के पाछ जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

फलैंट नं० 430; चौथा खंड 9, भीकाओ पलेस; नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र-432 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरिक्षण) स्नर्जन रेंज-7; नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप कार्ड, टी., एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई-4-86/1966 श्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोद्वा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्ने इसके पश्चात् 'उथत अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा ≈269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ंधौर जिसकी सं० है तथा जो फलट नं० वोटी 45, बसमेंट फ्लोर5, भीकाजी कामा ध्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवानयम 1961 के श्रिधीन तारीख श्रप्रैंल 1986

को पूर्वे कत सम्मित के जीवत बाजार मूक्य से कम के दरयमान प्रतिकान के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार ब्ल्य, असके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बंद्ध प्रतिकत से विभक्त है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे बन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकाब निम्निवित्त स्वविद्य से उक्त बन्तरण हिस्बित में बास्तविक क्य वे कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण वे हुई किसी आप की वाबता, वबसे नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए? बीर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्निलिस्त स्यक्तियां, अधीत क्रिक्त

- (1) सोमदत्त बिल्डिरस प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली। ू (श्रन्तरक)
- (2) मिसित श्रंजली श्रानन्द, बी-11, ग्रेटर कॅलाश-2 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाँत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यकितयों में से निश्ती व्यक्ति ब्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फलैंट नं० वी०टी 45 बेसमेंट पलोर 5, भीकाजी कामर पलेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 199 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगीला सक्षम प्राथिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नारीख: 11-12-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायंक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986.

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1966 ं श्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमे प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० विं०टी० नं० 44, 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) सहायक श्रायकर श्रायकर श्रीयुक्त (निरिक्षण) श्रजंन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित .बाजार मूल्यं से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति . का उचित बाजार मूल्यं, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सोमदत्त बिल्डियस प्रा० लि० 56, कम्युनिटी संदर, इस्ट भ्राफ कंाण, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मिथि। श्रंजली श्रान्नद, बी-11, ग्रेटर कैलाश-2/ नई दिल्ली।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

एफ नं० बीटी 44, बेसमेंट पलोर 5, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली 1 लगभग क्षेत्र 406 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~7, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1779 अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोता,

- अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है
  - श्रीर जिसकी मं० है तथा जो एफ नं० 433, चौथा खंड भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक प्रनुसुची में श्रीर पूर्न रूप से विणित है) सहायक प्रायकर प्रायकत (निणिक्षण) ग्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख प्रग्रंल 1986
  - को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृस्य सं कम के क्ष्यमान मितिक के लिए बन्तरित की गई है और मृम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार ब्रुच, उसके दूरमान प्रतिफक सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफक का वंद्रह भविष्य से विश्व है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वन्तरितियों) के वीच एसे सन्तरक के लिए तब पाश गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक का से क्षिस नहीं किया गया है :---
    - (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा औ सिक्ष आहेर/क
    - (ग) एसी किसी नाय या किसी पर वा नन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के यांज्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 15—416 GI/86

- (1) सोमदत्त बिल्डिंग प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सोटर इस्ट श्राफ कैलाण नई दिल्ली। (श्रन्तर)
- (2) गिसेन अनुराधा दत्त मुजाल, डी-151, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायकार हमा क्षक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां ६२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाना होती हो, के भीतर एक्टिंस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारत.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :—-इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया वसा हाँ॥

#### जनसूची

एफ नं० 433, चौथा खंड भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 487 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजेन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

हरूप बार्च, टी. एन. प्स्.-----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

# कार्यातय, सहायक शायकर आध्वत (निरक्षिण) भर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 11 दिसम्बर 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/17/86 ग्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोता गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पत्त्वात् 'जुक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० 624, छटवा खंड भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली लगभग 540 वर्ग फीट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है)सहायक श्रायकर श्रायुनत (निरीक्षण) श्रजन रेच नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के श्रथीन तारीख श्रप्रैल 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान बितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्ट्य से उक्त बन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (%) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक औ इस्पिट्स में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को किए; जीर/बा
- एसी किसी बाव या किसी भन या वन्य विस्तर्यों के जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः। अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सोमदत्त बिल्डिसे प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

🏅 (ध्रन्तरक)

(2) मिसेज अनुराधा दत्त मुजांल डी-151, इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए े कार्यवाहिया करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर अवस्थि में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए या सकेंगे।

स्पृथ्वीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिसा गया है।

# मनुसूची

एफ मं० 624, छटवां खंड 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 540 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निशिक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

सारीख: 11-12-1986

# अक्य जाह<u>ै ही एन एक उत्तरकार</u>क

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-अ (1) के नधीन सुन्नसः

#### शास्त्र सरकार

# कार्यक्रव, बहायक बावकर बावुक्त [िनर्क्षक] भर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

निवेश संज्ञाई० ए० सी०/एक्यू/4/37ईई/4-86/1777 अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोता, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. हे अधिक हैं और जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० 432, चौथा खंड भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावस अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापबंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का नन्त्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) अप बीच एसे अन्तरम के बिए एक वाबा गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरभ लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उक्स वीधिनयन के जभीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचाने में बृविभा दादित्व के जिए; और/वा
- (च) एसी किसी जान का किसी भन ना अन्य कास्तिनों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रघोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, खिपारे वें सुनिधा खें जिए:

अताः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् : (1) सोमदत्त बिल्डिरर्स प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर, इस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) मिसु चारूदत्त, सी-22, ग्रेटर कलाश-1,नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

का वह त्यमा भारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के सिन् कार्यवाहियां युक्त करता हुं।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षन के तस्वत्य में कोई भी वाक्षेत्र ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए जा सकोंगे

स्वक्टीकरण : — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं कोई होगा, को उस अध्याय में दिसा गया है।

#### वनस्थी

एफ नं० 432, चौथा खंड 9, भीकाजी काम प्लेस, नई दिल्ली। लगभग श्रव 341 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरिक्षण) भ्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## एक्स् कार्रा वर्षेत्र एर्ग्य एर्ग्य वर्ष

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

भागांसय, बहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रें ज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 विसम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/3कईई/4-86/1775 श्रतः मुझ, श्री बी० के० मंगोत्रा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० बीटी 36 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली लगभग 259 वर्ग फीट में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्न रूप से विणित है) सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण (ग्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रायकर ग्रिध नियम 1961 के ग्रधीन प्रारीख ग्रफैल 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंस के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह गिरवास करन का कारण है

कि यह यथा पृथेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त संतरण कि बियत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया क्या है:---

- (क्यू ज्यारक ये हुई कियों बाय की बायह, क्ष्मप बीधीयक के बंधील कह दो में स्माहक के बाधित में क्यी करने वा उत्तरे मचने में बूबिधा के शिए: शहर दा
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन वा जन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आब-कर क्षिनियस 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियंत, वा अस-कर अधिनियंत, वा अस-कर अधिनियंत, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया वा धा वा किया जाना आहिए था, कियाने जें स्विधा जे जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त स्थिक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सोमदत्त बिल्डिर्स प्रा लि॰, 56, कम्युनिटी सेंटर, इस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मिस चारु दत्त, सी~22, गेटर कैलाश-1 नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उस्थ सम्पत्ति क वर्षन् के संबंध में कोई भी भाषाप :---

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकासन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, से भी अवधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इंड सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीत्र उनत स्थावर सम्मिख में हिंद-ब्युथ किसी जन्म व्यक्ति य्वारा, अभोहस्ताक्षरी वें भास निधित में किए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याम में दिया गुरा हैं।

#### वनुसूची

एफ नं० बीटी 36, बेसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी काम प्लेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 259 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-, नई दिल्ल*ी*

तारीख: 11-12-1-86

प्ररूप आई. टी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1986 निदेश सं० घाई० ए,० सी०/एक्यू/737ईई/4-86/1774/ घत: मुझे, श्री वी० के० मंगोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो एफ न० बीटी-35 बेसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा फ्लेस नई दिल्ली में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थाष् :—

- (1) सोमदत्त बिल्डिसं प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी मेंटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई विल्ली,। (ग्रन्तरक)
- (2) मिसज चारु दत्त, सी-22, ग्रेटर कैलाश-1, नई नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्पञ्चीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

#### असमची

एफ नं० बी-35, बेंसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी प्लेस, नई दिल्ली, लगभग क्षेत्र 251 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) स्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

## . प्र**कल् बाह्<sup>1</sup>.डी .यम्.यस्** <sub>स्थाप</sub>न्यन्यस्था

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 11 विसम्बर, 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी/एक्यू/7/37ईई/4-86/1773 भ्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरख हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं है तथा जो एफ नं एल जी-10 लोयर ग्राऊंड फ्लोर, 5 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है) सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) प्रजन रेंज नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख धार्यक 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उषित बाबार मूल्य से कम को धरवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मूल्य, उश्वे दस्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिबत से जिथक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिति (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिकत, न्विनिवित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिचित वे वास्त्रिक रूप से कायत नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आव या किसी वन् या बच्छ बास्तिवी की, जिन्हों नारतीय वाब-कड़ विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) सोमदत्त बिल्डिसं प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मिस चारु दत्त सी-22, ग्रेटर कॅलाश-1 नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

## क्यत सम्मत्ति से अर्थन से सम्मन्ध में कोई भी वासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिवत में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत जीभनियम, के नध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को इस मध्याय में दिका गया है।

#### वनुषुषी

एफ नं॰ एस जी-10; सोश्रर ग्रांउड फ्लोर 5, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली, लगभग क्षत्र 478 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेज-7, नई दिल्ली

तारी**ख**ः 11-12-1986

मोइर:

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.---

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--7, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 दिसम्बर 86

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/4-86/1770 श्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० बीटी नं० 38, बसमेंट फ्लोर भीकाओं कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससें जपाबध ग्रानुमूची में पूर्ण रूप से घणित है) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण') ग्रजंन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रल 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कंपित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग को, जनुसरण मों, मों, उक्षत् अधिनियम को धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सोमदत्त बिल्डिर्स प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर इस्ट प्राफ कैलाण, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिस लितका दत्त, मी-22, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपह्लि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विकायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्यं व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

एफ नं० बीटी 38, बेसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा फ्लेस, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 261 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

तारीख्ः 11-12-1986

मोहरः

प्ररूप आइ. . टी. एन. एस. -----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंक -7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर, 1

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवयू/7/37ईई/4-86/1764 अतः मुझ, श्री वी० के० मंगोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० बोटी 39, बैसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा, प्लेस नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्राजन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख अप्रैल 1986

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर प्रतिकास से अन्तर प्रतिकास के अन्तर के अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से सुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों क्यं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में स्विधः के लिए:

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सोमदत्त बिल्डरस प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेटर, इस्ट भ्राफ कैलाग्न, नई विल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मिस लितिका दक्त मी-22, ग्रेटर कलाग-1, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षना बारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के वर्षन के किय कार्यवाही शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में करेड़ी भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थानत की तामीज से 30 दिन की जनिथ, जो भी अपनित याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में के किसी काकत बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकावन की बारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में एंटर-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

क्लक्किरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रम्बों और पश्चें का, को उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता. यो उस अध्याय में दिश, गया है।

#### अनुस्ची

एफ नं॰ बोटी 39, बैसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, लगभग क्षेत्र 405 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

# प्रकप सार्च . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-ध (1) के अत्रीन सचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, पहारक अध्यक्त आयक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज,-7 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986 निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्य्/7/37ईई/4-86/1772 **ग्रतः मुझे**; 🖁 वी० के० मंगोला,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के लभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कीरण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रा से बिधक है

🖚 ौर जसकी सं० है तथा जो एफ नं० बोटी 24, बेसमेंट फलोर, 5 भीकाओं कामा पलेस, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, बहुरक अपनक आवस्त ( निरिक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख .प्रेंग 1986

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान गितफल के लिए अन्तरित की ग**र्इ हैं और मुक्ते यह विश्**वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूलय, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के क्क्ष्र प्रतिकृत से अभिक है और बंतरक , इतरकों) और बंक⊸ रिली (अंतरितियाँ) 🙄 ीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया ा प्रतिक्रम निम्नसिधित उद्देश्य से उस्त बंतरण सिधित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दान के कन्तरक ध वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (न) एसे किसी जाम या किसी भन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रबोधनार्थ बन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया प्रया भावाकिया वाना चाहिए भर, छिपाने में सुविधा के लिए।
- 🖫 क्षतः कस्रा, अन्त जिथिनियमं की धारा 269-ग **स्ट्रै अनसरण** ं में, सकल विधितियम की भारा 269-ल **की उपभारा (1)** े बधीर, निक्ति**लिस व्यक्तियाँ अर्थात्** हु—न

- (1) सोमदस बिल्डरस प्रा० लि॰, 56 कम्यनिटी सेटर, इस्ट श्राफ कैलाश, नई (भ्रन्तरक)
  - (2) मेसर्स साधना सिंह, डी-77, साकेत, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारौँ छरके प्रबेक्त प्रमुक्ति के वर्षन के सिक् कार्यमाहियां चुक करता हु" ।

उक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बद्ध में कोई भी बास्त्रेय :---

- इस ब्रम्मा के राज्यभा के प्रकारक की तारीस सं 45 विंग की बंबीप था तत्सम्बन्धि स्पक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की वविभ, वो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के एकपन में प्रकाशन की ठारींब से 45 दिन को भीतर जबत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव शिवित में किए वा सकेंगे।

श्यक्षतीकरण :---इसमें प्रयुक्त तका वीर पदों का, जो उक्त विधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा को उस जभ्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

एफ नं० बोटी 24, बेसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा लगभग क्षेत्र 415 वर्ग फीट। पलेस, नई दिल्ली,

> वी के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरिक्षण) श्रजंन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-86

मोहरः

5 -416 GI/86

प्रस्यं बार्च .टी .एग .एस्. :----------

# कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्बाशक, सहायक वायकर बायकत (विरोक्तिक)

प्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक11 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू/37ईई/4-86/1771ध्रतः मुझे, नी० के० संगोद्धाः,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो एफ नं० बी 23 बैंग्मेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली लगभग क्षेत्र 253 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूज से वर्णित है)सहायक श्रायकर आयुक्त (निरिक्षण) धर्णन रेंज नई दिल्ली में भारतीय आयकर धिनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 86

को पूर्णेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृह मित्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देष्य ने उद्दे अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दनें के अनरक के दावरव वे कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या करण जास्तिनों का, जिन्हों बारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के थिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण जै. जी. उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सोमदश्त बिल्डरस प्रा० लि०, 56 कम्युनिटी सेंटर इस्ट ग्राफ कैलाश नई विल्ली

(भ्रन्तकर)

(2) मेसर्स साधना सिंह, डी-77, साकेत, नई विल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो ... अवधि बाद में समान्त्र होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितज्... किसी जन्य व्यक्ति वृत्तारा क्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस नेसा हैं।

#### बन्स्ची

एफ नं० बोटी 23, बैसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, लगभग क्षेत्र 253 वर्ग फीट।

> वी० के० मंगोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिस्ली

तारीखः 11-12-86

मोहरः

## प्रका बाइ". दी. एवं. एवं.----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुकता

#### नारत बहर्कर

# -अर्थासय, बहायक नायकर नायक्त (निडीसण)

म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/7-37,ईई/4-86/2074 श्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा १.69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य और जिसकी सं० है तथा जो फलेट नं० बोटी 10 बेसमेंट फ्लोर 5, भीकाजी कामा पलेस, नई विल्ली क्षेत्र 413 ;वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्न रूप से विणत है)सहायक प्राथकर प्रायुक्त (निरिक्षण) प्रार्जन रेंज, नई विल्ली में भारतीय धायकर प्राधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख अप्रैल 1986

श्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवाक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्रो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के उपी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सोमदश्त बिल्डरस प्रा० लि॰, 56 कम्युनिटी सेंटर, इस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
  - (2) ब्रह्मवत्त (एच यू एफ) । (अन्तरिती)

को समृ सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को सर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याम में विया गया ही।

#### अन्स्ची

फलेंट नं० बोटी 10, बेसमेंट फ्लोर 5, भी नाजी कामा पलेस, नई दिल्ली, लगभग क्षत्न 413 वर्ग फीट।

> वी०के० मंगोला सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरिक्षण) प्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-12-1986

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110 011, the 1st December 1986

No. A.32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period shown against each or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of U.P.S.C. (Staff) Regulations, 1958.

S. Name No.		Period				
S/Shri 1 B. N. Arora		. 20	6-11-8	6 to 9-1-87 (AN		
2. B. D. Sharma .				Do.		
3. D. R Madan	-			Do.		
4. Dhanish Chandra				Do.		
5. S.D. Sharma				Do.		
6. P. D. Srivastava		-		Do.		

#### The 11th December 1986

No. A,32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri N. Namasivayam, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 11-12-86 to 10-3-87 or until further orders, whichever is carlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of U.P.S.C. (Staff) Regulations, 1958.

No. A,32014/1/86(i)-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period as indicated below against their names or until further orders:—

Period		
6 to 28-2-87		
ю.		
00.		
00.		
Oo.		

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 22nd December 1986

No. 3/26/86-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Satish Sahney, IPS (MAHA: 1963) as Deputy Inspector General of Police, on deputation basis in the

Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th December, 1986 and until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the

December 1986

No. D.I-13/86-Adm-3.—Consequent on their appointment to the post of JAD(A/Cs)/Audit Officer in CRPF, on deputation basis, the undermentioned officers have been posted as Audit Officer in the Internal Audit Party as mentioned against their names, and have taken over charge from the dates shown against each, in temporary capacity till further orders:—

S. Name of the Officer No.	Posting	Dpte of Taken over
1. Shri S. K.Mohiuddin	I A Party (South Zone) O/O IGP S/I, CRPF, Hyderabad	27-10-86
2. Shri Jyotirmoy Gupta .	IA Party (East Zone) O/O IGP S/II CRPF, Calcutta	6-11-8 <b>6</b>

(Sd/-) ILLEGIBLE Dy. Director (Adm).

New Delhi-110 003, the 22nd December 1986

No. O.II.214/69-Estt-I.—Shri Sunder Singh, Assistant Commandant (Second-in-Command), 5th Bn., CRPF expired on 3-10-1986 (FN). He is accordingly struck off the strength of the Force with effect from 3-10-1986 (AN).

No. O.II.538/69-Estt(CRPF).—Consequent on his voluntary retirement from service M. K. T. Garga, Commandant 86 Bn., CRPF relinquished charge of the post with effect from 30-11-1986 (AN).

No. D.I.29/85-Estt-I.—Consequent on his repatriation from Punjab Police, Shri D. K. Khurana, Assistant Commandant, resumed his duty in CRPF at Delhi on promotion as Commandant in the forenoon of 13th October, 1986 and proceeded on 40 days LKD.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt),

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 24th December 1986

No. 2391/CA.I/GS-69.—On his attaining the age of superannuation Shri Gurdial Singh, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Director of Audit (Food), New Delhi has retired from Central Govt. service with effect from 30-11-1986 (AN).

D. N. ANAN Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E) | MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th December 1986

No. Admn.I/GO'S/PF-SRK/283/1525.—Shri S. R. Ksnhe (01/173) a permanent Accounts Officer O/o the Accountant General (A & E) II M.P. shall retire from Central Government service w.e.f. 31-12-86 (AN) after attaining the age of superannuation.

(Authority: A. G. (A&E)I's order dated 15-12-86).

NIRANJAN PANT Sr. Dy. Accountant General (A).

## MINISTRY OF LABOUR LABOUR DEPARTMENT (LABOUR BUREAU)

Shimla-171 004, the 2nd January 1987

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by seven points to reach 692 (Six hundred ninety-two) for the month of November, 1986. Converted to Base 1949=100 the index for the month of November, works out of 841 (Eight hunder forty-one).

VIJAY KUMAR Deputy Director, Labour Bureau Shimla

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 24th December 1986

No. 15/12/86-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes, Hombay is pleased to appoint Shri S. K. Chatterjee, Assistant, Ministry of Labour, New Delhi as Administrative Officer Regional Labour Institute, Kanpur under this Directorate General on deputation basis for a period of 3 years w.e.f. 12-12-86 (FN).

K. A. NARAYANAN Dy. Director (Adm.) for Director General

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd December 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1033/74-Admn(G)/5966.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Batra, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports as Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Grade II of Central Trade Service) with effect from the forenoon of the 7th November, 1986 and until further orders.

No. 6/1039/74-Admn(G)/5974.—The President is pleased to appoint Shri M. M. De, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service)

in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the forenoon of the 6th November, 1986 and until further orders,

SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports.

# MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 24th December 1986

No. 2(89)/FST.I/86/5484.—Shri S. K. Chandok officiating on ad-hoc basis as Assistant Director, Gr. II (P&D) in the Office of the Powerloom Service Centre, Gaya, a subordinate Office of the Textile Commissioner, Bombay voluntarily retired from Government Service from the forenoon of 11-9-1986.

VIRENDRA B. VERMA Jt. Textile Commissioner.

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 24th December 1986

No. A-31014/1/85/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following Assistant Inspecting Officer (Engineering) substantively in the permanent posts of the Assistant Inspecting Officer (Engineering) with effect from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name of Officer				Date of confirma-
1. Sł	ri O. N. Lashkari				01-02-1983
2. Sh	ri M. Madhava Rao				01-02-1983
3. Sh	ri Jaswant Singh			٠	01-09-1983
4. Sh	ri R. S. Minhas .				01-10 1983
5. Sh	ri B. K. Arya	-			07-05-1985
6. Si	ri R. K. Das Gupta				07-05-1985
7. SI	ri P. N. Phagre				07-05-1985
8. St	ıri A. M. Paranjpo				07-05-1985
9. St	ri V. Nandan .				07-05-1985
10 Sh	ri K. N. Nagraj				07-05-1985
11. Si	ıri T. R. Ghosh			٠	07-05-198 <i>5</i>
12. St	ri S. C. Gurg .				07-05-1985
13. Sh	ıri S. K. Jain 🧠				01-09-1985
14. SI	ıri N. S. Natrajan				01-09-1985
15. Sb	ri S. K. Mukherjee				01-11-1985
16. Sl	ıri A. K. Kuttan			٠	01-01-1986
17. Sl	ri K. R. Narayan				01-02-1986
18. St	rí B. M. Saran				01-06-1986
19. Sh	ri D. Bandhopadyay				01-06-1986
20. Si	ri C. P. Srivastava				01-06-1986
21 Si	ri S. K. Pandit				01-08-1986
22, Sł	ri G. H. Mondal				01-09-1986
23. SI	iri R. K. Malhotra		•	٠	01-11-1986

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director Genl. of Supplies and Disposals.

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 11th December 1986

No. 8507B/A-32013(AO)/78-19A.—Shri D. B. Bhasin, Superintendent. GSI has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10-11-86 against the leave vacancy of Shri A. V. P. Rao, Adm. Officer, Western Region, GSI, Jaipur for the period from 10-11-86 to 12-12-86.

A. KUSHARI Director (Personnel), for Director General.

#### Calcutta-700 016, the 11th December 1986

No. 8517B/A-19011(3-MI.K)/80-19B.—Shri M. L. Kumbhare, Chemist (Jr.), GSI, has made over charge in GSI with effect from the afternoon of 26-9-1986 for joining as Director (Regional Laboratory) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Deptt. of Agriculture & Co-operation, New Delhi.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd December 1986

No. A-19011(95)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri Babu George, Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 8-11-86.

#### The 24th December 1986

No. A-19011/195/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. R. Bhaisare, Senior Chemist, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Chemist the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 18-12-1986 (AN).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

# MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (Det Genl. H.S.)

New Delhi, the 24th December 1986

No. A-38012/3/86-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Dr. Mohendra Singh Director (CBHY) in this Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of the 31st October, 1986

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B).

# MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th December 1986

No. A.19027/1/85-A.III.—On his appointment as Lecturer in the School of Planning & Architecture, the resigna-

tion tendered by Shri S. K. Mehra, Assistant Planner in D. M. I., Faridabad, has been accepted with effect from 17th Nov., 1986(AN). Shri Mehra is not on the strength of D. M. I. from the date of acceptance of his resignation.

ANITA CHOUDHARY Agril. Marketing Adviser. to the Govt. of India

# DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRE

Sribarikota, the 25th November 1986

No. SCF/PGA/ESTT II/15.—The Controller, SHAR Centre hereby appoints on promotion Shri N. Penchaliah to the post of Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29-9-1986.

P. S. NAIR Head, Personnel & General Admn. Division for Controller

#### MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 8th December 1986

No. 11-TR(6)/76.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Prabir Ghosh, Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta w.e.f. 3-11-1986 (AN).

N. K. PRASAD Dy. Director Genl. of Shipping

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Savera Marketing Company Private Limited.

Gwalior-474 009, the 18th December 1986

No. 2182/PS/CP/2854.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Savera Marketing Company Private Limited, Bhopal unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Blkash Roy Production Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 22786/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bikash Roy Production Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Anushilan Agency Private Limited.

Calcutta-20, the 12th December 1986

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 19826/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date

hercof the name of the Anushilan Agency Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fabcon Chemicals Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 32099/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Fabcon Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Calcutta Courier Service Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 31771/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Calcutta Courier Service Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hindusthan Drum Manufacturers Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 24605/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hindusthan Drum Manufacturers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Puthighar Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 26869/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Puthighar Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Dr. P. K. Mohanty Engineers Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 27974/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dr. P. K. Mohanty Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mica Insulation Industries Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 24969/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mica Insulation Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Agai Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 29185/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Agai Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. K. Das & Co. Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 21615/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. K. Das & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the sald Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ranjan Mica Industries Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 30387/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ranjan Mica Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sheogaurav Private Limited.

Calcutta-20, the 22nd December 1986

No. 28983/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sheogaurav Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA Addl. Registrar of Companies West Bengal

#### FORM ITNS-

(1) Bulchand H. Mensukhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chambur Blue Diawand View C.H.S. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 12th December 1986

Ref. No. AR.III/37EE/2799.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 294 (p) Subrlan Scheme No. III S. No. 1594 (p) 5941/1, 2. Chembur, Bombay

situa ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 29-4-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 294 (p) Subraban Scheme No. 3, Chembur City, S. No. 1594 (p), 1594/1 and 2, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with Sub-Registering Officer at Sr. No. S-833, dated 29-4-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-12-1986

#### FORM ITNS———

(1) Nirmal Plastic Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Supreme Industries Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27617/85-86.—Whereas, I. **▲**XMAN DAS,

eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act') have reason to believe that the immover property, having a fair market value exceeding to 1,00,000/- and bearing to No. 53-CD in Government Industrial Estate, Kamdinali (West), Bombay together with building standing hereon and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and registered II/s 269AB of the said

ias been transferred and registered U/s 269AB of the said ct in the Office of the Competent Authority at ituated at Bombay

ombay on 28-4-1986

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made a writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

17-416 GI/86

THE SCHEDULE

Plot No. 53-D in Government Industrial Estate, Kandivli (W), Bombay. Together with building standing thereon.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37FE/27617/86-85 on 1-4-1986

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-12-1986

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Smrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Yash Trading & Finance Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27625/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-701 & A-702 atShanta Apartments, Plot No. 369, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-701 & A-702, Shanta Apartments, Plot No. 369, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/27625/85-86 on 1-4-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-12-1986

#### FORM ITN8-

(1) Vijay K. Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. U. H. Gandhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th December 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27539/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece of land lying at Village Eksar S. No. 225, H. Nos. 3, 15, 9 at Yogin Nagar, Taluka Borivli situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument.

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay has more the said Act in capee, of any moore arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of- the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land lying at Village Eksar S. No. 225, H. Nos. The agreement has been registered by the Competent 16, 3, 15, 9 at Village Eksar Taluka Borivli.

Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27539/85-86 on 1-4-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-12-1986

#### FORM ITNS--------

(1) M/s, K. P. Developers.

(Transferor

(2) M/s, R. L. Metal Corpn.

(Transferee

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay 10th December 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27648/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Bunglow No. 1, ground floor, Benhur, Sunita Park, Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a.

  45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person instead in the said immov able property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sal Act, shall have the same meaning as give in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 1, ground floor at Benuhr, Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92, Sunita Park

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27648/85-86 or 1-4-1986.

> LAXMAN DA: Competent Authorit Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bomba

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1986

#### FORM ITNS

(1) M/s, K, P. Developers.

(Transferor)

(2) M/s, R. L. Metal Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1986

Ref. ARIV/37EE/27649/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Bunglow No. 3, ground floor, Benhur, Chandayurkar Lane, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 3, ground floor, Benhur, Sunita Park, Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been regioned by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27649/85-86 on 1-4-1986.

> LAXMAN DAS Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-12-1986.

#### FORM ITNS

(1) S. K. Tandon,

(2) S. T. Sachanandani.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1986

Ref. ARIV/37EE/274/8/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bunglow No. 5. Divine Bunglows Co-op. He Mandapeshwar Road. Borivli (W), Bombay-400103 Hsg. Ltd.,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 269. The free and the agreement is registered under Section 269. Who is the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorogaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the appearent consideration therefor by more than fillions per aint o each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been tried stated in the said instruction of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any message arising from the transfer; ano /or
- (b) facilitating the concealment of any income or aug moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any or the microsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 5, Divine Bunglows Co-op, Hsg. Scty. Ltd., Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-400103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27478/85-86 on 1-4-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;-

Date: 10-12-1986.

#### FORM ITNS----

(1) Shri Gurudas Sabaji Desai & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Chetan Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. ARIV/37EE/27553/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land at Dahisar (E), C.T.S. No. 1237, S. No. 59, Hissa No. 2(p) alongwith structure standing the ein, Taluka Borivli Dist, Bombay situated at Bombay and more fully described in the schedule annexed hereto), here here transferred and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fransferce for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land with structure at Dahisar (E), C.T.S. No. 1237, Survey No. 59, Hissa No. 2(p) at Taluka Borivli, Dist. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent 1-4-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-12-1986.

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Sebastiana Pereira & Mr. Minino M. Rodricks.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gilbert Lawrence Sequera.

(Transferee)

#### COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27616/85-86.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the anid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Plot No. 2 at Revenue Survey No. 161, Hissa No. 2
(Part) C.S. No. 2796, Village Eksar, Borivli (West),
(und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Bombay-400 092 situated at Bombay Bombay on 17-4-1986

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(%) (acclusing the reduction or evaluated the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

71 Ashuaisus the concealment of any income or any saveneys or other assets which have not been or the normal to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 th of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax n. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2 at Revenue Survey No. 161, Hissa No. 2 (Part) City Survey No. 2796, Village Eksar, Borivali (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27616/85-86 on 17 April 1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-12-1986.

#### FORM ITNS----

#### (1) Nangalia Family Trust.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Omero Hold has Private Limited.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAID AHMED KIDWAI ROAD CAI CUT (A-16

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2406/Acq.R-HI/Cal/86-87.—Wherean, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to was the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1 00 000 /2, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7C, situated at Kiran Shankar Roy Road, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tae Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at under Registration No. 37FE/Acq.R-III/740 dt. 10-4-86

at under Registration No. 37FE/Acq.R-III/740 dt. 10-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of this occurre arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the conrealment of any income or any observe the exercise which have not occur of which englished disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Sai Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269O of the said Act to the following persons, amely:—

18-416 GJ/86

Objections, if my to the acquisition of the said property have been in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- I've terms and expressions used acress as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same menting as given in cost Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office space No. 2C & 2D measuring 2390 Sft. at 7C, Kiran Shankar Roy Road, Calcuta-1. Registered before the IAC., Acquisition Range-III, alcutta vide No. 37EE/Range-III 740 dated 10-4-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta.
Acquisition Range-III.

Date: 9/12/1986

FORM ITNS----

(1) Jaswant Singh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Multi isc Towers Private Limited.

#### (Transferec),

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA-16

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2405/Acq.R-III/Cal/86-87,—Whereas, J. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 119A, situated at Motilal Nehru Road, Ca'cutta

RS. 1,00,000/- and bearing

No. 119A, situated at Motilal Nehru Road, Ca'cutta
(and more fully described in the Schedule amexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer
at under Registration No. 37EE/R-III/761 dated 16/4/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fiften per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the rervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land about 22 cottah 14 chittack and 15 sfg. together with brick built building and structure and out houses constructed on the said land lying at premises No. 119A, Motilal Nehru Road, Calcutta. Registered before the JAC., Acquisition Range-III, Calcutta vide No. 37EE/R-III/761 dated 16-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta.
Acquisition Range-III.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely.—

Date: 9/12/1986

FORM J.T.N.S.

(1) Hatino Estates Private Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satrughna Kanta Acharya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI ARMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2404/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/-and bearing
No. 38, situated at Jatindas Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been fransferred and registered under the Registration with the Competent Authority u/s. 269 AB of the said Act read with rule Officer at

at under Registration No. 37EE/Acq.R-III/801 dated 16/4/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the councies him for such transfer in agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-OXX Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor measuring 1200 sq. ft, and flat No. 102 on the 1st floor at 38, Jatindas Road, Calcutta. Registered before the IAC., Acq.Range-III, Calcutta vide 37HE/Acq.R-III/801 dt. 16-4-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta. Acquisition Range-III.

Date: 9/12/1986

FORM ITNS----

(1) Rahul Dev Burman.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT: 1961 (43 OF 1961)

L'TYLER, TREE À L'AU MENNETANCE LE . . . .

(2) Sint, Sarala Totla & Ors.

(Transferee)

THIVEREMEDIT OF AMMA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 9th December 1986

Rof. No. 2403/Acq.R-h1/Cal/86-87,-Whereas, I, J. K. GAYEN,

being the Composent Authority under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 36/1, attracted at Southend Park, Calcutta thank more fully described in the Echedule annexed action, has been image real and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A., Calcula under Registration No. I-5911 dated 24/4/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have become to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitatoing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any crosses on others assers which have not been or which oright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the such Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of dry days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of angre on the respective's persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All that the premises No. 36/1, Southend Park, Calcutta, measuring 5 cottans 23 sq. ft. Registered before SRA., Calcutta, on 24-4-1986 vide deed No. I-5911.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta. Acquisition Range-III.

Date: 9/12/1986

TREATMENT OF THE CONTROL OF THE CONT

#### FORM ITNS-- ----

(1) Predip Kumar Khaitan & Ora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. (2) 1. Shanti Frakash Gosnika, 2. Pakan Kamer Gozella. 3. Raj Kumar Goen'a & Vinay Kumar Goenka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF EMAKE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calculta, the 9th December 1986

Ref. No. 2402/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authory on he Section 26°AB of the the meometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Soid Act') have reason to believe that the immortable

Rs. 4,00.000/- and booking wo.
No. 25 storted at Enlygungs Charlar Road, Calculate tand more taily described in the Ethedulo tangeness and registered under the Registration Act 1908 (15 of 1908) is the office of the Registering officer at SRA. Calculat under Registration No. I-5079 dated 29-4-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the thought property, and I have reason to believe that the fire norther value of the smaller to he offersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said limitument of transfer with the object of ---

(4) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

moneya on their meets which have it took of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income in A. 222 (11 of 1922) or the said hat, or the Womania Act. 1987 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the usua of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, with a Mowing persons, namely :--

 $4.0 \pm 0.00$  . The second second section is a second seco

or the of the attaceant persons within a period of the police in the Official Gazette of a period of 30 days to me the service of motion on the respective persons, wallshover period expires later;

(b) by any other person interested in the said reconvable payments, water 18 doc for the rate of the rubication of the natice in the Oberal Gazette.

PERLANATION :- . Long. Long of expression and berein ar and demaid in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All toat revenue free land measuring 3045.46 sq. mtr. together with dwelling house, out houses etc. being part of remines. No. 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Legisteral before Silvin, Cal., vide Deed Mo. 1-6079 dated 29-4-86.

> I. K. GAYEN
> Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-lax
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta. Acquisition Range-III.

Late: 9/12/1986

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF THOMA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2401/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, 1. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 23, situated at Mandeville Gardens, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registration officer
at IAC... Acqu.R-III, Calcutta under Registration No. 37EE/
R-III/779 dated 16-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appresent consideration and that the consideration for said to instant to agreed to business the norther has not over senter somed in the said instrugement. transfer with the object of ...

- (a) michitating the reduction in everton of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer. mauft fagt
- 16) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Saraogi Jute Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Harak Chand Saraogi & Co. Pvt. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 23, Mandevilla Gardens, Calcutta. Registered before IAC., Acqu.Range-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/779 dated 16-4-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafl Aumed Kidwai Road Calcutta. Acquisition Range-III.

Date: 9/12/1986

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Archana Roy.

e esperante de la compositión del compositión de la compositión de

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

(2) Sri B. R. Bhandari,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

A CONTRACTOR OF THE COMME

ACQUISITION RANGE-III 54, KAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th Decembor 1986

Ref. No. 2400/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter leferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing

No. 32 tituated at Raja Basant Roy Road Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquirent, Calcutta under Registration No. 37EE/R-III/780 dated 16-4-1986. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) transming the reduction or eversion of the mandity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(ii) facilitating the concesiment of any memor or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for one purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions well berein as are defined in Chapter XXA of the said PEXPLANATION Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that partly two & partly three storeyed brick built measure & dwelling house together with land measuring 2 Cottahs 6 Chittaks 40 sq. ft. at 32, Raja Basant Roy Road, Calcutta, Registered before IAC., Acq.R-III, Callcutta, vide 37FE/R-III/780 dated 16-4-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Insperting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Dated: 9/12/1986

Scal :

#### FORM TIMS-----

(1) N. E. Properties Private Led.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala M. Kataria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

MOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF PICOMF-TAX

ACQUISTION RANGE-III 54, RAFI AHMED EIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutto, the 9th December 1986

Ref. No. 2399/Acq. 8-111/Cal/86-87.--Whereas, 1, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propert, having a live matter value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing. No. 25A situated at Strat Bose Boad, Calcutta (and more fully described in the Schedule annoted hereto), has been transferred and registrated with the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Mo. 37EE/R-III/780 dated 16-4-1936.

for an apparent consulation in a mich is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tangent of any liames with the result of the constant of the co + The Edge
- to facilitating the contentationed of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the United Income tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Westthener Ace 200 17 " of 19 " " 1.

(a) by any of the ofcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, the period of application to the period of the persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Representation: The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the according to both the second premius in give.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B on 2nd floor together with one storeyed room in the building af 25A, Sarat Bose Road, Calcutta.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Fafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 9/12/1986

Approximate the first process of the complete of the process of the complete p

1) Sobishar Mitta. PURM 111

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TRE INCOMPTEN ACT, 1901 143 OF 1961)

C & H. Tower, Pet. Ltd.

AL THE WAR POR STATE

(Hiansferee)

and the property of the second of

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III 54, PARI AHMED KIOWAI ROAD CALCUITA

Calcutta, the 9th December 1986

Rof. No. 2398/Acq.R-III/Col/86-87.-Whereas, I,

\* I. K. GAYEN,
being the Compensed Americally under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (15 of 1961) thereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair modes value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25, situated at Mandavilla Gardens Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed bereio).

- (and more fully described in the Schedule annexed bereio), has been trunsferred and resistered under the Registrate. Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Office at IAC, Acan.Range-III. Calcutta under Registration No 37EE/R-III/780 dated 16-4-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :--

19-416 GI/86

(a) by any of the aforestic persons within a period of 45 toys from the date of publication of this notice in the real. I means or a period of 30 days from the real of the persons will be period persons will be period exones later.

Objections, it was, to the acquainter of the said property may be made in writing or the rederronal to

(i) the pay ofthe person interested in the said immove the grann victim 45 cases from the date of the physician contacts at the difficult statetts.

PARAMATICS: The terms and expressions used berrin as and bure out to AEX perquit in Employee shall bave the same meaning or a remain that Chapter

# THE SCHEDULE

All that one stroyed brick built messuage tenament of dwelling house, godowns, outbuildings and two storeyed brief, built agreed building containing an area of 1 Bigha 2 bit of 824 ng. 9, of land at 25, Mandevilla Gardens Rd., Calgotin, Registered before AC., Ann.R-BI, Cal dated 16-4-86

T .....

I. K. GAYEN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
54, Roft Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 9-12-1985

(1) Mr. Debraj Mukherjee & Ors.

ಪದರದ ಪದವಾಗಿದ್ದರೂಪ್ ಸಂಪರ್ವಿಸದವರ್ ನಿನಯರು ಪ್ರಪರ್ಧದ ಸಂಪರ್ಣಿಸಲು ಬರುವರು ಪದವಾಗಿಯ ಮಾರ್ವಿಯ ಪರವಾಗಿಯ ಪರವಾಗಿದ್ದಾರು.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Anuruddha Construction & Investment (P) Ltd. 2. Avadhecsh Properties & Holdings (P) Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2397/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/3A situated at Old Ballygunge 2nd Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC. Acqn.Range-III, Calcutta under Registration No. 37EE/R-III/788 dated 16-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Premises No. 11/3A, Old Ballygunge 2nd Lane, Calcutta, measuring 14 Cottahs 13 Chittaks, Registered before IAC., Acg.R-III, Calcutta vide 37EE/R-III/788 dated 16-4-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI 54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9/12/1986

Scal:

FORM ITNS----

- (1) United Church of Northern India Trust Association.
  (Transferor)
- (2) 1. Kalicharan Agarwalla,2. Raj Kumar Agarwal.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1986

Ref. No. 2396/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. situated at Lala Lajpatrai Sarani, Calcutte (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.Range-III, Calcutta under Registration No. 37EE/R-III/819 dated 16-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in the Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

- a) facilitating the reconstruction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Premises No. 17, Lala Lajpatrai Sarani, Calcutta. Two storcyed building with land measuring 7 Cottabs 3 Chittaks. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/819 dated 16-4-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ct, to the following persons, namely:—

Dated: 9-12-1986

#### FORM TINS ---

(1) Muticon Builders Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2090(1) OF THE ISLOME TAX ACT. 1961 (47 OF 196)

(2) Mr. Mahesh Kr. Sharma

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION MANGESHIL CALCULTA

Calcula, the 9th December 1986

Ret. No. 2395/Acq. R-III/Cal, 86-87.-Whereas, 1,

being the Corapetent Authority under Section 269B of the momentax Act 1951 As of 1951 and the matter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'sant Set') have reason to believe that the immovable property, having a few market value to cooling. Rs. 1,00,000%—our bearing Ne.

No. I situated at otherway Read, tolerate,
(and more fully domined in the Semi-art to exercitation, has been transferred under the Registration Act 1908—(15 of 1908) in the office of the Registration No. 37HH/R/-HI/795 dated 16-4-1986

for an apparent consideration which is less than the faut market value of the atoresaid property and I have ensure to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there are by mine than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as an end to between the parties has not been truly stated in the wife instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, he respect of any income arising from the transfer endlor
- (b) tacilitating the conceanment of any means of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Cojections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in will un to the un tersianed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the seasons of notice on the respective persons whethere, period expires later
- (b) by may other person interested in the said immovable property within 45 days from the uste of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2nd hoor of the building measuring 3270 Sq. ft. at 1, Allemby Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EF/Acq. R-III/795 dated 16-4-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-12-1986

(1) Ranodhir Gal Choadhuri

(Tran felor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sangite Mittel & Ors.

(Transferee)

#### LICVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1986

tracections, it may, to the acquisition of the said property .. benetterday in thing in the understand.

21 22 23

Ref. No. AC-58/R-11/Cal./86-87.-Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No. ad some data As per Dead No. 1-5688/66 or spail, '86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred and the same is registered under the

has been transferred and the same is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calenna under Registration No. I-5688

of transfer with the object of :-

dated Apr.J. 1986 for an apparent consideration, which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen partition is to be appearant consideration and than the consideration for still timefor as agreed to boween the parties has not been train stated in the said instrument

the try thing his the effective necessity in the a control of the 45 days from the date of publication of this notice in the Official General of a period of s0 dam come the person of curve on the tesperative countries WE SHE IN WEST THRESTED PRESENTED SHAPESTS

the English of the property within 45 days from the due of the publication or the nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The films and repressions used herein as and in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

M .. /\*\*

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which anght to be disclosed by the transferee for the rangemen of the Indian Income-tax Act, 1922 (4) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

From the feet Deed No. 1-5688 of April, 1986. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-5688 of April, 1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely :--

Cated : 11-12-86

Seal v:

# (1) M/s. Chowdhury's Estate Private Limited. (Transferor)

(2) M/s. Ellenbarrie Properties Ltd.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1986

Ref. No. 59/Acq. R-11/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 10 situated at Burdwan Road, Calcutta

has been transferred and the registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under Registration No. I-6113 dated 29-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 25.02 Cottahs together with three storeyed brick built building, servants quarters, garage & other construction being premises No. 10, Burdwan Road, Calcutta. Registered before Sub Registrar of Assurance, Calcutta, vide Deed No. I 6113 dated 29-4-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 11-12-86

(1) Ityadi Prakashani Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swayambhu Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

1

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1986

Ref. No. AC-60/R-II/Cal/86-87.-Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing
No. 99B. C, D & E, situated at Circular Garden Reach Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at C.A. under registration No. 37EE/203
R-II/Cal/85-86 dated 7-4-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or hie Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with structure, area of land 28 k. 6 ch. 30 sft., situated at premises No. 99B, C, D & E Circular Garden Reach Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/203/R-II/Cal/85-86 dated 7-4-86 registered by the C.A.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-12-86

# FORM ITNS-----

(1) Suphan Properties.

(Transferor)

(2) Kaushol wa Deyi Jain & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

The state of the s

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION OF STATE BY CALCULA

Calcutta, the 11th December 1986

Ref. No. AC-61/R-Ii/Cal/86-87. -Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (the marter referred to as the 'said Act'), have reduce to believe that the immove ble property, having a five merter value curreding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 192, situated at Alieur Read, Crients (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at C.A. Registration No. 378E/216, R. 1/Col/85-85 data/21-4-86

No. 1923, stituted at Albert Read, Circuit (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registration Officer at C.A. Registration No. 377E/216, R. 1/Coll8:-86 dat a 21-4-86 for an apparent consideration which in less than the fair parket value of the aformald property and I have read to believe that the fair market value of the property as aforms a exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aspets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2637 sft. on the 5th Hoor flats No. 5A & 5C at premises No. 19B, Alipur Road, Calcutta-27. More particularly described in deed, 37EE/R-II/215/Cal/85-86 dated 21-4-86 registered by the Competent Authority.

l. K. CAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Cabutta-16

Dated: 11-12-86

Scal:

(1) Sumermal Roychand

(Transferor)

(2) Kailash Chandra Surekha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

► OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1986

Rf. No. AC-62/R-II/Ca1/86-87.—Whereas, I., I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to bas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 5 situated at Janki Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registra-tion No. 37EE/199/R-II/Cal/85-86 dated 7-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of eary income arising from the umpater: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein see are defined in Chapter XXA of the said Ask, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2200 ft. on the 2nd floor at 5, Janki Shah Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/199/R-II/Cal/85-86 dated 7-4-86 registered by the C.A.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:— 20-416 GI/86

Dated: 11-12-86

Scal :

#### FORM I.T.N.S.~

(1) Smt. Tuhinika Chatterjee & Ors.

(Transferor)

(2) Azimgani Estates Pvt. Ltd.

(Transferee) 🚅

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1986

Ref. No. C.A. 183/86-87/Sl.1263/I.A.C.|Acq.R-Cal.--

I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing

No. 5 (formerly 12) situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the under Registration No. 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

C.A. 183 dated 3-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that the premises No. 5 (Formerly No. 12) Wood Street, Calcutta, Area 1 Bigha (19 Cottah 10 Chittacks 35 Sft.). Registered before the Competent Authority, LA.C. Sft.). Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Scrial No. C.A. 183 dated

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dated: 11-12-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2911.—Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing

No. Flat No. 1415 Devika Tower,

6. Nehru, Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74, Nehm Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond., Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1415 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

Seal:

it in the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86/2912.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing No. Flat No. 1416, Devika Tower, 6, Nehru, Place. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC.Range-I, New Delhi on April 1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Pragati Construction Co, 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

M/s Wire Cond. Delhi Private Ltd.,
 II.O. 707-712A, Chiranjiv Tower,
 43. Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1416 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 440 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

Seal:

ĭ

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

IAC/Acq-I/37EE/4-86/2913.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 1417 Devika Tower, 6, Nehru, Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 1.T. Act 1961

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 1.T. Act 1961 IAC.Range-I, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond., Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi. 🔍

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1417 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 560 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

73-74, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)

4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower),

(1) M/s Pragati Construction Co.

(2) M/s Wire Cond., Delhi Private 1td., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43. Nehru Place, New Delhi.

(Transferee).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/4-85|2914.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 1418 Devikta Tower,
situated at 6, Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at LT. Act

of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I New Delhi on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair sket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1418 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 325 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I|37EE|4-86/2013.—Whereas, I, R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1414 Devika Towet, 6, Nehru, Place. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of 1.T. Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Prajati Construction Co.
4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower),
73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. s Wire Cond., Delhi Private Ltd.,
 H.O. 707-712Λ, Chiranjiv Tower,
 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of an publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1414 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 500 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

### FORM NO. I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2916.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1422 Devika Tower,

6, Nehru, Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of I.T. Act, 1961 IAC Range I. New Delhi in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the constalment of any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74. Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond., Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1422 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Areta 350 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt: Commissioner of Income-tax Acquisition Range-If Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Λcq-1/37EE/4-86|2917.—Whereas, I, P. RAJESH,

ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding is. 1,00,000/- and bearing io. Flat No. 1423 Devika Tower, Nehru, Place, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto).

as been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

1908) in the Office of the registering Officer at Act, 1961 IAC Range I, New Delhi in April 1986 an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as loresaid exceeds the apparent consideration therefor by the total fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betteen the parties has not been truly stated in the said instrunt of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said i, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subsion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons namely :--

. (1) M/s Pragati Construction Co.
4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower),
73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond., Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

### THE SCHEDULE

Flat No. 1423 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1986

Scal;

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2918.—Whereas, i, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00.000/- and bearing No.
Flat No. 1501 A & Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-II New Delhi on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub persons, namely:—

- M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.
- (Transferor)
- (2) M/s Lana Publishing Co. Pvt, Ltd. 7th Floor, Opp. Grand Bazar, Shahid Enagat Singh, Road, Colaba, Bombay-40039.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of-45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1501-A & 1501-B Devika Tower 6, Nehru Piace New Delhi. Area 945 Sq. Ft.

R. P. RAJESF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd.,
 H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower,
 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

may be made in the writing to the undersigned :-

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-86|2925.-Whereas, 1,

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2925.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1419 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the transfer with the object of : -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 1419, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 325 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-11-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2926.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1420 Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent somideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secti on 2fi69D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1420 Devika Tower, 6, Nehtu Place, New Delhi-Area 560 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 25-11-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2927.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1421 Devika Tower

6. Nohru Place. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

.(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd., H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Pluce, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nestice in the Official Gazette.

1

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1421 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area: 370 Sq. Ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. New Delhi.

Date: 25-11-1986

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/4-86/2928.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Acr, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 1409. Devika Tower 6, Nehru Place. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, of I.T. Act, 1961 New Delhi in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

<del>ದ್ದಾನದ್ಯುದ್ದುವರಿ ಜನರದ</del>್ದುವಿದ್ದರು ಆರಂಭ ಕರ್ಮವರ ಅಂಗಿ ಕರ್ಮದಿ ಅಂಗಿ

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd. H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

10

3

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of 'the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1409 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area: 500 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 26-11-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Rcf. No. IAC/Acq-1/37EE/4-86|2929.—Whereas. 1, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 1410, Devika Tower,
6, Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 269A in the Office of the
registering Officer at IAC Acq. Range-I, of 1.T. Act, 1961
New Delhi in April 1986
for an apparator consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, he respect of any moome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd. H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1410, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi, Area 500 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-11-1986 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Pragati Construction Co. Ltd. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Wire Cond Delhi Private Ltd. H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower, 43. Nchru Place, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISTTION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/37EE/4-86|2930.--Whereas, I. R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1411, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi in April 1986 of I.T. Act, 1961 for an apparent consideration which is less than the fair R. P. RAJESH

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1411, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi Area 465 Sq. Ft.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-1, AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86/2931.—Whereas I. R. P. RAJESH,

k. P. RAJESE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1412, Devika Tower, situated at 6, Nehru Place, New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 at 269AB of I.T. Act, 1961 lAC, Acq Range-I, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a second of the control of the c brlieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (12 of 1957);

(1) M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond. Delhi Private Ltd.,
 H.O. 707-712A, Chiranjiv Tower,
 43 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1412, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi Area 550 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namelii :--22-416 GI/86

Date: 26-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86|2392.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1413 Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Delhi

New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961 at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than efficient per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, inerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1413, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 465 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

į

Date: 26-11-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-8...|2339|—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable arrows the having a fair realist rolling areas to be accepted. property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value executing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 913 in International Trade Tower situated at Nehru
Place Hotels Ltd., New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961

at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi on April, 1986 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. B. S. Sandhu & Associates (P) Ltd., 16, Community Centre, III Floor, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Zareen Bhasin, w/o Shri R. K. Bhasin, Mr. Sanjay Bhasin, s/o Shri R. K. Bhasin, and Master Arjun Bhasin, son and Underguardianship of Shri R. K. Bhasin, R/o 32, Hemkunt Colony, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 913 in International Trade Tower, Nehru Place. Hotels Ltd., New Delhi. Flat Area 726 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/4-86|2996.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1407, Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Politics

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of 1.T. Act, 1961 at IAC, Acn. Range-I, New Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., , H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1407, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 560 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-86/2997.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1408, Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New York 1861.

New Dehli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961

has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961 at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi in April, 1986. for an aprarent consideration which is less than the 1air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

(1) M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nchru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower, 43. Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in anny Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 1408, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 440 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delni

Date: 26-11-1986

1 1k

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/4-86/2998.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. F. KAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinatter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1406, Devika Tower, situated at 6, Nehru Place, New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the £69AB of 1.T. Act, 1961 at IAC, Acq. Range I, N. Delhi in April, 1986 for an apparen, consideration which is less than the fair market value of the alore aid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor) 🗻

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1406, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi Area 325 Sq. ft.

**医**植物 点

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-11-1986

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-86/2999.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1405, Devika Tower situated at 6, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of 1.T. Act, 1961 at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

٦,

 M/s. Pragati Construction Co., 4th Floor, Shortla House, (Devika Tower), 73-74 Nebru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Privato Ltd.,
 H.O. 707-712 A, Chiranjiv Tower,
 43. Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 1405, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 325 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-11-1986

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86/3000.—

Whereas I. R. F. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1404, Devika Tower, situated at 6, Nehru Place,

New Delhi

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC IAC, Acq. Range-I, New Delai of J. T. Act, 1961 in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or er 207 which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd. H. O. 707-712-A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1404, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi. Area 560 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

Seal:

t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC Acq-1/37EE/4-86/3001.—
Whereas I, R. P. R.MESH. being Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 1403, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in April, 1986

Range-I, New Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

23-416GI/86

(1) M/s. Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H. O. 707-712-A, Chiranjiv Tower, 43, Nchru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imprable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1403, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 370 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-86/3002.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Flat No. 1401, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at IAC. Act

of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower) 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H. O. 707-712-A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1401, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 460 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No, IAC/Acq-I/37EE/4-86/3003.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1402, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi

Ą

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Pragati Construction Co. 4th Floor, Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wire Cond Delhi Private Ltd., H. O. 707-712-A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1402, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 400 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 29-10-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-86/3019.--

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-2, in Building No. 53-54, Nehru Place, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi

in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or everion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; \*nd|or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Rajan Verma 2. Sh. Rakesh Verma 3. Mrs. Rita Verma and 4. Mrs. Veena Verma A-342, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sond Syal and Mrs. Sushila Syal R/o. E-275, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop/Flat No. GF-2 admeasuring 612 Sq. ft, in Building No. 53-54, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-9-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL TOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-86/3037,—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Ac.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Slit No. 101, measuring 370 Sq. ft. on 4th Floor, in Devika Tower, 6, N hru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in Arth 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

(a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any incom\* or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) ENA Pecjay Export (P) Ltd., 227. Okhla Industrial Estate, Phase-III, New Delhi.

(Transferor)

675

(2)  $M_1/r$ . Eklavya Holdings (P) Ltd., 107, Aggarwal House, 35-36, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ex are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 421 measuring 370 Sq. ft, on 4th Floor, in Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-11-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-86/3038.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 423, measuring 385 Sq. ft. on 4th Floor, in Devika
Tower, 6 Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq.
Range-I, New Delhi

Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1924) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C N A Peejay Export (P) Ltd., 227, Okhla Industrial Estate, Phase-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Eklavya Holdings (P) Ltd., 107, Aggarwal House, 35-36, Nehru Place, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aferosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 423, measuring 385 Sq. ft. on 4th Floor, in Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.

> 1 R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1986

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Acq.VII/SR-III/4-86-545.—Whereas, I, A. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing K-34-C Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ص/ المتعد
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sint. Agya Wati W/o Paldev Nath through attorney Sh. Satish Seth s/o Sh. R. C. Seth G-1/16, Ansari Road, Darya Ganj. New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Gita Gopala Krishnan W/o Sh. M. K. G. Pillai B-2, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of first floor of Property No. K-34-C measuring 373 sq. yds. Kailash Colony, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SRIII/4.86/583.—
Whereas I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
treome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
M-66 Greater Kailash-I, Market, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi
in April, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesai! property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (M of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhushan Kumar Uppal s/o Mukh Raj Uppal D-64, Panchsheel Enclave, New Dethi.

(Transferor)

(2) Muster Anurag Aggarwal through his lather Ram Packash Aggarwal and Mrs. Neeti Aggarwal w/o Vijay Aggarwal c/o Parkash Cold Storage Badaun (U.P.) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this name in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Second floor of property No. M-66, measuring 196 sq. yds. Greater Kailash-I market, New Delhi measuring 1360 sq. ft.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DEJ HI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/Sr-III/4-86/529.— Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. M-36, Greater Kailash-II market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

24—416GI/86

(1) M/s. Malhan Builders E-588, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kanika Exports through its prop. Smt. Swaran Setia w/o Wd. Cdr. P. P. Setia r/o S-220, Greater Kailash-II, New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. M-36, Greater Kailash-II, Market, New Delhi, total plot area 195 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Bhushan Kumar Uppal s/o late Mulkh Raj Uppal D-64, Panchsheel Enclae, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Parkash Aggarwal, bigger HUF, c/o Parkash Cold Storage, Badaun (U. P.)

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. 1AC/Acq. VII/SR-III/4-86/582.— Whereas I, V. N. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'szid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
M-60 Greater Kertash-I market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here (a), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair murk t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the confilteration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever peeted exputes later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfe

THE SCHEDULE

First floor of property No. M-66 measuring 196 sq. yds. Greater Kailash I, market. New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

7

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-12-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/4-86/539.—Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C-106 Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the squaster; and for

tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jagan Mohan Singh Vitthal C106, Greater Kaifash-I New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Saluja & Mrs. Archana Saluja 12/5, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property over be made in writing to the understaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Extranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Built single storeyed house No. C-106, Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Sea1

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/4-86/553.--

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/4-80/353.—
Whereas I, V, K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R-34C Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi
in April 1086

in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considreation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under svb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persome namely :-

 Smt. Agya Wati w/o Baldev Nath through general attorney Satish Seth s/o Sh. R. C. Seth C-I 16, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Gita Gopala Krishnan wo M. K. G. Pillai B-2. Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made to writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor rear portion of property No. K-34C measuring 373 sq. yds. Kailash Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dev Dutt Sharma s/o Late Pt. Daulat Ram r/o 22G Pocket K. Sheikh Sarai Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sunita Kumar w/o Sh, Ashwani Kumar r/o S-172, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Rei. No. IAC/Acq.VII/SR-III/4-86/530.—Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. 5-214 Greater Kailash-II, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957). Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor and basement of property No. S-244, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-Щ/4-86/536.— Whereas I, V. K. MANGOTRA, Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-11, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the le istring Officer at New Delhi in April 1986

in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

(1) Col. (Retd.) R. D. Advani, s/o Sh. D. G. Advani, r/o C-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gurjeet Kaur w/o Sh, Iqbal Singh 2. Sh. Iqbal Singh s/o Sh. Kesar Singh D-14/6, Model Town, Delhi.

(Transferee)

لي .

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed property bearing No. C-11, Defence Colony. New Delhi measuring 325 sq. yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12 1986 Seal :

#### NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAU HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/4-86/537,—
Whereas I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. C-59 Detence colony, New Delhi

Property No. C-59 Detence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ganga Singh s/o Late Sh, Narpat Singh r/o B-27, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Khushi Ram Sehgal Soo Late Sh. Mahain Ram Sehgal r/o C-59, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-59, measuring 325 sq. yds. Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. T. K. Nandi s/o Sh. T. P. Nandi r/o B/223-A, Greater Kailash-J, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. I. Dhupar s/o Sh. Fatch Chand r/o ground floor of B-223-A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/4-86/527.— Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. B-223-A Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire ground floor alongwith first servant quarter in the staircase of property bearing No. B-223-A, Greater Kailash-I, New Delhi.. measuring about 1500 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Scal:

(1) Sh. Dev Dutt Sharma, FORM ITNS--22-G, Pocket K. Sheikh Sarai Ph. II, New Delhi,

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. S. D. Mamak, H. S. Mamak D. D.-33A, Kalkaji Extn. New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Acq.VII/SR-III/4-86/532.— Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S-244 Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 follows) in the office of the registration of the registration of the policy of the property of the policy of the of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the such that the consideration the such transfer as agreed to be the such that the consideration the such transfer as agreed to be the such transfer as agreed to the such transfer as the such transfer

between the parties has not been truly stated in the said

testrument of transfer with the object of :--

may be made in writing to the undersigned .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--5-416G1/86

#### THE SCHEDULE

2nd floor S-2.14, Greater Kailash-II area 300 sq. yds. 1515

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/4-86/533.—
Whereas I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
Property No. 5-171 Greater Kailash-II. New Delhi

Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. S-171 Greater Kailash-II, New Delhi
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

in April 1986

In April 1920 of or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Amar Nagrath
s/o Sh. Ranjeet Nagrath through general attorney,
Sh. Satish Seth
s/o Sh. R. C. Seth,
r/o G-116, Ansari Road, Rarya Ganj,
New Delhi.

(2) Mr. Krishan Taneja s/o Sh. Ram Lubhaya r/o A-22, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-smay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication, of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLONATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hnd floor of property No. S-171, measuring 298 sq. yds. Greater Kailash-II, New Dehi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delbi

Date: 11-12-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

#### ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq/VII/SR-III/4-86|531.—
Whereas I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authorny under Section 269B of the
income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S-244 Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the bishifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) keckitating the concealment of any means or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshin-Apparet, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dev Dutt Sharma
 s/o Late Pt. Daulat Ram
 r/o 22G, Pocket K. Sheikh Sarai Ph-II,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Gujral W/o Rajinder Singh Gujral, r/o A-15/17 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in the unit of the unit o

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor of property No. S-244, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

Scal

#### FORM 1.T, N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII. AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/SR-III/4-86/528.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. K-13,

No. K-13, situated at Kailash Colony, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) The Gaudiya Sangha (Regd.) 3A/80, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Gurjeet Singh Johar, S/o Sh. A. S. Johar, C-170, Greater Kailash, I, New Delhi.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

K-13, Kajlash Colony, New Delhi, (single storeyed house).

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

 M/s. Bhatia Apartments 'P' Ltd. Λ/18, Kailash Colony, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Subhash Bhatla (HÚF), S-254, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14 Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/SR-III/4-86/535.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S-254,

situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Complete ground floor comprising of 3 bad rooms, 3 bath rooms, drawing dining, kitchen, frant lawn, central court yard, one servant quarter, store, car parking in the basement along with bath room 1/4th undivided freehold share in land total area of the plan is 299 sq. yds.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

Scal:

Sh. V. H. Ram, M-187, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chand Apartments 'P' Ltd. E-124, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VIII/SR-III/4-86/526.—Whereas J, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 187, situated at Block M. Greater Kailash-II. New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April 1986

for an apparent consideration which is less than the nurnarker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Partly constructed house No. 187 in block M built in 400 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1830.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flut 206

No. Flat 206 situated at 4-Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said ac. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rafco Properties & Investment Corpn. S & P Offlie, 232 Shastri Nagar, Jammu (J&K).

(Transferee)

(2) M/s. I. R. Technology Services 'P' 1 td. B-8, Commerce Centre, Tardeo Road, Bombay-34.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective pursons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 206, IInd floor, 4-Bhikaji Cama Place, New Delhi 610 sq. fts. approx.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 1[-12-1986 Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1828,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401.

situated at 6. Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to law tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell wing persons, namely:—

(1) Sh. S. L. Saboo, Govind Mension opp. L.I.C., Building, Asansol West Bengal.

(Transferee)

(2) Sita Ram Bhartia Institute of Scientific Research, 1181, New Delhi House,27, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, measuring 708 sq. ft. in under construction building No. 6-Bhikaji Cama Place, N. Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Requisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

Seal

1至8月至1

Ji

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Som Datt Builders 'P' Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

(2) Miss Latika Dutt, C-22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 11th December 1986

Rcf. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1767.—Whereas, I,

K. MANGOTRA, wing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

"lat No. B-212,

situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908( 16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Dolhi on April 1986

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to selleve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--'6-416GT/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-212 on IInd floor in 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi approx. area 640 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Requisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

Scal:

#### FORM ITNS ....

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1766.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing Flat No. B-217 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delbi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Office, I.A.C. Acq. New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (w) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the liftian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centry, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Datt, C-22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property to the made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. B-217 on 11nd floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi Approx. area 635 sf. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

The second secon

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq VII/37EE/4-86/1825.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-206,
situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed herero),
has been transferred in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq. New Delhi on April 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as arrect to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centry, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarla Datt, M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. B-206 on second floor in 5-Bhikuiji Cama Place, New Delhi Approx, area 593, sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in purplance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1986

### FORM I.T.N.S. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1847.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 211,

riat No. 211, situated at 2-A, Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer of 1. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arreads the apparent consideration, therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Kailash Nath and Associates, 1006- Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs.Kanta Agal, W/o Mr. N. S. Agal, E-582, Greater Kailush-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property gray be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 211, area 728 sft. +21 cft. balcony on 2nd floor of proposed multistorcyed commercial building ALPS at 2-A, Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Acq. VII/37EE/4-86/1824.—Whereas, I, V, K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. A-211, situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Office; at I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— F. No. A-211,

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centry, East of Kuilash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarlo Datt, M-16, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid versons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by may other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. A-211 on second floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi, approx area 607 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggatwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Dott, C-22, Greater Kaïlash-I, New Delhi,

(1) M/s. Som Datt Builders Pvt. Ltd.

56, Community Centry, East of Kailash,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1765.—Whereas, 1, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

F. No. A-206, situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 FAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any seemeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. A-206 on IInd floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx area 614 sf. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 11-12-1986

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/2935.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1012, situated at Prakash Deep 7 Tolstoy Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer. I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Satwant Kaur, W/o Late Sh, G. S. Sangha, P. O. Tibir, Distt. Gurdespur, Punjab.

(Transferor)

(2) Master Sharad Vohra U/G of Sh. Satish Kumar Vohra K-113, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1012 in Prakesh Deep at 7-Tolstoy Marg, New Delhi,

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF IMDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/3034.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office flat No. 902 situated at 13, Tolstoy Marg New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer of I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay that mader the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the nurcoses of the Indiau Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to he following persons, namely:—

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikus Construction Co. Pvt. Ltd., 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Panipat Properties Pvt. Ltd.. 17, Community Centre, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Flat No. 902, measuring 696 sq. ft. on 9th floor in multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi (under construction).

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-

Date: 11-12-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/3033.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Autholty under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11-A, Flat No. 11-A, situated at Vandhna Building, 11-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at 1. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Abt, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 27—416GI/86

M/s. Kalima Plastics Pvt. Ltd., 11-A. Vandhna Bilding, 11-Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Des Raj Bery, 112-Jor Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11-A, Vandhna Building 11-Tolstoy Marg, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-12-1986 Seal :

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1786.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. A-212, situated 5-Bhikaiji Cuma Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer ut. I. T. Act. 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the seat Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M/s, Som Datt Builders Pvt. Ltd., 56, Community Centry, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sadhna Singh, D-77, Saket, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clauste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Delhi approx, area 623 sq. ft.

F. No. A-212 on 11nd floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-J

Date: 11-12-1986

#### (1) M/s. Ansal Properties (Industries) Pvt. Ltd., 115 Ansal Bhawan. 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ramesh Kumar Kohli, 7/32, Krishun Nagar, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Acq. VII/37EE/4-86/3031.-Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-5 Flat No. GF-5

situated at 15-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Office ut I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. GF 5 at 15 Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Dated: 20/11/1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QP 1961)

o S. Avtar Singh Hindustan Copper Ltd 8, Canae Street, Calcutta.

(1) S. Balbir Singh

(Transferor)

(1) Mrs. Prem Wasaan Rohitwassan, C-31, Rajori Garden, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1826.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
New Delhi on April 1986
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at New Delhi. on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-II/396, Janakpuri New Delhi House built on 432 sq. mt, single story.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86|3040.—Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

New Delhi on April 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at New Delhi.

on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid rxceeds

the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Rajrani Chopra and Smt. Rita Kharbanda. N-70, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Omprakash Perlwal HUF. Smt. Bhanumati PariWal and Master Manoj Kumar Periwal u/g Omprakash Periwal, 2409 Tilakgali, Paharganj. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 70, Greater Kailash-I, New Delhi 295 sq. yds.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86|3022.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorbal property having a fall market value exceeding able property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

New Delhi on April 1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at New Delhi,

on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Sumitra Devi Aggarwal C-48A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anuj Miglani and Master Ankit Miglani. 162, 16th floor Khsitij Bldg. Neapon Sea Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-48A, Greater Kailash-I, New Dolhi,

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-12-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/4-86/2992.--Whereas, 1,

Ref. No. IAC/Acq.VII/4-86/2992.—Whereas, 1, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. M-63. Greater Kailash-I situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 LAC Range-I. New Delhi.

I. T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi. on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Smt. Manjeet Kaur W/o Sh. Pritam Singh M/185, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sahil Builder, through purtner V. K. Narang, S/o Shri J. C. Narang, E. 226. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. M-63, Greater Kailash-II New Deli measuring 250 sq. yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-12-1986

(1) Som Datt Builders P. Ltd.. 56, Community Centre, East of Kailash New Delhi. 1 Bink

- Turker (\*\*\*)、1000年 (新聞) - Turker (\*\*\*) - Turker (\*\*\*)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Brahm Datt, HUF, M-16, Greafer Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/2073.—Whereas. 1

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. Bt. 9, situated at 5, Bhikaiji Cama Place, New
Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the registering officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi

in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Objections, if any, to the assquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experse tater.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used begein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Bt. 9, in 5, Bhikaiji Cama Place, New Delhi Approx, area 213 sf. ft.

Date: 11-12-1986

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. JAC/Acq. VII/37EE/4-86/2072.—Whereas, 1, K. MANGOTRA,

7. K. MANGOTRA, 2ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reperty having a fair market value exceeding s. 1,00,000/- and bearing lat No. Bt. 5 situated at 5. Bhikaiji Cama Place, New 3thi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred in the office of the registering officer at .T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi
April 1986

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration at that the consideration for such transfer as agreed to apparent the postiles here to the per transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :--8-416G1/86

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56, Community Centre, East of Kallash. New Delhi.

(Transferor)

(2) Brahm Datt, HUF, M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Catlon of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Bt. 5, on Basement floor in 5. Bhikaiji Cama Place, New Delhi Approx. area 258 sq. ft.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House.
4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

#### FORM J.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. E-VII/37EE/4-86/2071.—Whereas I V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. \*1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said A.t'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Bt. 4, situated at 5, Bhikaiji Cama Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule approved berein)

Flat No. Bt. 4, situated at 5, Bhikaiji Cama Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I, New Delhi

in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Som Datt Builders P. Ltd.,
 Community Centre, East of Kailash,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Brahm Datt, HUF, M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dayfrom the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Bt. 4, 5, Bhikaiji Cama Place, New Delhi, App area 624, sq. ft.

V. K. MANGOTR, Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-VII, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delt

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Ac. VII/37EE/4-86/2070,—Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

v. K. MANGOIKA, being the Competent Authority under Section 269B of the fillione-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imposable property having a fair arket value exceeding as 1,00,000/- and bearing

Flat No. Lg-14, situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at 1.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi

in April 1986

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Som Datt Builders P. Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.
  - (Transferor)
- Mrs. Gecta Datt, M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. No. LG-14 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi, Appr. area 203 sq. ft.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-YII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

#### FORM I.T.N.S .---

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/2069.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-210 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Som Datt Builders P. Ltd.,
 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(2) Mrs. Sarla Datt, M-16, Groater Kailash-l, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. A-210 on second floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 375 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House,
4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Rcf. No. 1AC/Acq. VII/37EE/4-86/2068,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F. No. 619 situated at 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at 1.T. Act. 1961 IAC Range-I. New Delhi

I.T. Act, 1961 JAC Range-I, New Delhi

in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elejept of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Som Datt Builders P. Lid., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Brahm Datt Investments & Finance Co. P. Ltd., M-16, Greater Kailash-1, Now Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter:

#### THE SCHEDULE .

F. No. 619 on sixth floor in 9-Bhikalji Cama Place, New Delhi, approx. area 556 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-12-1986

(Transferec)

7

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Rcf., No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/2067,—Whereas. I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 428 situated at 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi

Flat No. 428 situated at 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi

in April, 1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(1) Som Datt Builders P. Ltd.,

M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi.

P. Ltd.,

56, Community Centre, East of Kailash,

(2) M/s. Brahm Datt Investments & Finance Co.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 428\_on fourth floor in 9 Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 356 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presents of the said Act, to the said Act, to the following presents of the said Act, to the said Act, to the following presents of the said Act, to the following presents of the said Act, to the following presents of the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following presents of the said Act, to the said Act, to the following presents of the said Act, to the s

Date: 11-12-1986

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Brahm Datt Investments & Finance Co. M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37-FE/4-86/2066.--Whereas, 1. V. K. MANGOTRA,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 424 situated at 9, Bhikaiji Carna Place, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the asoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 424 on fourth floor in 9, Bhikaiji Cama Place, New Delhi, Approx. area 531 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-. SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1974.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 412 situated at 9, Janakpuri District Centre, New Delbi.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the registering officer at New Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ..... of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Niagara Hotels & Builders P. Ltd., Vikram Tower, 16, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Saket Suri (Minor), Through Father Shri Joginder Paul Suri 33. Pusa Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 412 in Vishwa Sadan Plot No. 9, Janakpurl District Centre, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

D. fe : 11-12-1986

Sealer:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)
GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VI1/37EE/4-86/1973,-Whereas. I,

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1973.—Whereas. I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 411 situated at Plot No. 9, Janakpuri Distt. Centre. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

bas been transferred in the office of the registering officer at New Delhi in April, 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by an ordinary and the state of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by and the state of the property and the state of the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 29—416GI/86

M/s. Niagara Hotels & Builders P. Ltd., Vikram Tower, 16, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Saket Suri (Minor). Through Father Shri Joginder Paul Suri 33, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 411, in Vishwa Sadan Plot No. 9, Janakpuri District Centre, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1972.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 410 situated, at Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer

has been transferred in the office of the registering officer at New Delhi in April; 1986 for an apparent consideration which is less than the franket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Niagara Hotels & Builders P. Ltd., Vikram Tower, 16, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Saket Suri (Minor), Through Father Shri Joginder Paul Suri 33. Pusa Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 410, in Vishwa Sadan Plot No. 9. Janakpuri - District Centre, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Aggarwal House,
4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/4-86/1971.—Whereas, L.

Ref. No. IAC/Acq. VII/5/EE/4-00/19/1.—whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to able property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 409 situated at Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at New Delhi in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Niagara Hotels & Builders P. Ltd., Vikram Tower, 16, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Paul Suri Through Father Shri Joginder Paul Suri 33. Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are 'defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 409, in Vishwa Sadan Plot No. 9, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi-1.

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi; the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86|1970.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 408

situated at Janakpuri Distt. Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at New Delhi in April 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nagara Hotels & Builders P. Ltd. Vikram Tower, 16, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)
Aman Suri S/o

 Shri Aman Suri S/o Joginder Paul Suri, 33, Pusta Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 408 in Vishwa Sadan Plot No. 9, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Som Datt Builders P. Ltd. 56. Community Centre, Cast of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali Anand, B-11, Grenter Kailash-II New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86|1968.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 431. situated at 9-Bhikaji Sama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Competent Autho-

Competent Authority at I.T. Act. 1961 IAC Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ciazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 431 on fourth floor in 9, Bhikaiji Cama Place, New Delhi. Approx. area 342, sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 41-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86 1967.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flut No. 430,

situated at 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Competent Autho-

I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer property of such apparent on the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Som Datt Biulers P. Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(2) Mrs. Anjali Anand, B-11, Greater Kailash-II, New Delhi,

New Delhi.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 430 on fourth floor in 9, Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx, area 342, sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-J3. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Dolhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC|Acq.VII|37EE/4-86|1966.--Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. Bt. 45, situated at 5, Bhikaiji Cama Place, New Delhi, I.T. Act, 1961 IAC Range-I, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred in the Office of the Competent Autho-

New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (1) Som Datt Builders P. Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Anjuli Anand, B-11, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. Bt. 45 on Basement Floor in 5, Bhikajji Cama Place, New Delhi approx. area 199 sq. ft.

THE SCHEDULE

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 41-12-1986

(1) Som Datt Builders P. Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali Anand, B-11, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC|Acq.VII/37EE/4-86/1965.—Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. Bt. 44, situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred registering officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I New Delhi in April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. Bt. 44, on basement floor in 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi upprox. area 406 sq. ft.

> Y. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asuf Ali Roud, New Delhi-I

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-12-1986

Soal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER O'FINCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII|37EE|4-86/1779.-Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here na ter referred to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. F. No. 433, situated at 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

1.T. Act. 1961 IAC Ronge-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering officer at

New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent confideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of 'he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ran ferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:— 30-416GI/86

(1) Som Dat Builders P. Ltd. 56, Community Centre, East of Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anuradha Datt Munjal D-151, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper'y, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 433 on fourth floor in 9-Bhikaiji Cama Place. New Delhi approx, area 487 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquirition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAI HOUST, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dalhi, the 11th December 1986

Ref. No. 1AC/Acc.VII/37EE-4-86/1778.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belie e that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing F. No. 624 situated at 9-Bhikaiji Cama Place,

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair masket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respec. of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Som Datt Builders P. Ltd.,
 Community Centre,
 East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Anuradha Datt Munjal, D-151, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a p riod of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the da'e of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 624 on sixth floor in 9-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 540 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road,
New Delhi-1

Date : 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4,14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1777.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

F. No. 432 9-Bhikaii Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Charu Datt. C-22, Greater Kailash-l, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afor-said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 d ys from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 432 on fourther floor in 9 Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. Area 341 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Acquisition Range-VII
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road,
New Delhi-J

Date: 11-12-1986

Seal

 Som Datt Builders P. Ltd., 36 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor),

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Charu Datt. C.22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1775.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing F. No Bt. 36 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent considera ion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and 'hat the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Ac', 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. No. Bt. 36 on basement floor in 5-Bhikaiji Camar Place, New Delhi approx. area 259 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road,
New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1774.—Whereas, V. K. MANGOTRA, Using the Competent Authority under Section 269B of the Ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair arket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. Bt. 35 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at 1.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

31-416GI/86

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Charu Datt. C.22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. Bt. 35 on basement floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 251 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road, New Delhi-I

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Charu Datt. C.22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1773.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair arket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. LG-10 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

F. No. LG-10 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at Nw Delhi on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. LG-10 on lower ground floor 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi appprox. area 478 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road,
New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1986

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 2691. (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Charu Datt. C.22, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-VII

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1770.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA, I, V. K. MANGUTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair arket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. Bt. 38 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1986.

at New Delhi on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proper y as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor 1/more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. No. Bt. 38 on basement floor in 5-Bhikaiji Cama Place. New Delhi Approx. area 261 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Latika Datt., C-22, Greater kailash-J, New Delhi.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dalhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1769.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair arket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. Bt. 39 situated at 5-Bhikaiji Place, New Delhi.

F. No. Bt. 39 situated at 5-Bhikaiji Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at 1.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. Bt. 39 on Basement floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 405 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-I

Date: 11-12-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Som Datt Builders P. Ltd., Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sadhna Singh, D-77, Saket, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1772.—Whereas, J, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F. No. Bt. 24 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been temperated in the Office of the registering Officer.

exceeding R8. 1,00,000/- and bearing No. F. No. Bt. 24 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

F. No. Bt. 24 on basement floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 415 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December, 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1771,---Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. Bt. 23 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. F. No. Bt. 23. situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 120
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sadhna Singh, D-77, Saket, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

F. No. Bt. 23 on basement floor in 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi approx. area 253 sq. ft.

> V. K. MANGOTRA Competnt Authority aspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi-I

Date: 11-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dslhi, the 11th December 1986

Ref. No IAC/Acq.VII/37EE/4-86/1774.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act\_ 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair merket value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. Bt. 10 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

Fat No. Bt. 10 situated at 5-Bhikaiji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered in the Office of the registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I New Delhi on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Som Datt Builders P. Ltd., 56 Community Centre, East of Kuilash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Brahm Datt, HUF, M-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Bt. 10 on Basement floor in 5, Bhikaiji Cama Place, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competnt Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road,
New Delhi-I

Date: 11-12-1986

#### FORM I'INS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th November 1986

C.R. No. 62/50110/86-87/AGQ/B.—Whereas, I, R. S. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72/1-6 situated at Cunningham Road, Div. No. 44,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhi Nagar Bangalore on 29-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) 1. Sri M. Soundararajan, No. 2, Brunton Road,
  - Bangalore-560 025.

    2. Sri M. S. Shivananda,
    No. 2, Brunton Road,
  - Bangalore.

    3. Sri V. Nagaraj,
    No. 13/3, Palmgrove Road.
    Augtin Town.
  - Bangalore-560-0047. Sri S. Ashok Kumar, No. 13/3, Palmgrove Road, Austin Town,
  - Bangalore-560-0047. Sri M. S. Manjunatha, No. 2, Brunton Road,
  - Bangalore-560 025.
    6. Sri M. S. Vijayakumar, alias M. S. Vijaya, No. 2, Brunton Road, Bangalore.
  - Sri R. Nagaraj, No. 101, Old Madras Road, Ulsoor, Bangalore-560 008.

(Transferor)

(2) M/s. Skyline Enterprises, Unit-П, 1 Floor, St. Palicks Business Complex, Muscum Road. Bangalore-560 0025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 525 Dated 27-6-1986].
All that Piece and Porcel of land measuring about 10.570 sq. ft, in extent with building thereon, situated in the Western State of the Piece tern entermity of former of composite site bearing old No. 2, New No. 72, Cunningham Road, and now independently renumbered and known as No. 72/1-6, Cunningham Road (Now designated of Sanpang Ramaswamy Temple Street) in Corporations Division No. 44, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 25-11-1986

Seal.